8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ • बरेली • कानपुर • मुरादाबाद • अयोध्या • हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी 09:11 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

रविवार, 8 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 102, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ रसोई गैस 60 वाणिज्यिक सिलेंडर 114.5 रुपये महंगा पेट्रोल-डीजल स्थिर - 12

■ ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने की भारत को गैस आपूर्ति की पेशकश - 12

■ नेपाल में बालेंद्र सरकार बनना तय शाह ने पीएम ओली को हराया - 13

■ भारत के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका - 14

ईरान ने जॉर्डन में अमेरिका का डिफेंस सिस्टम उड़ाया, यूएई-सऊदी पर हमले

ईरानी राष्ट्रपति ने पड़ोसी देशों पर हमलों के लिए माफी मांगी, अमेरिका ने तेहरान में किए विस्फोट

दुबई, एजेंसी

ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और अमेरिका पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं। ईरान ने यूएई, सऊदी, जॉर्डन में अमेरिकी डिफेंस-सिस्टम को निशाना बनाया जिसमें जॉर्डन का डिफेंस सिस्टम तबाह हो गया। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने पड़ोसी देशों पर ईरान के हमलों के लिए शनिवार को माफी मांगी, जबकि उसी दौरान उनके मिसाइल और ड्रोन खाड़ी अरब देशों की ओर बढ़ रहे थे।

ईरान की राजधानी तेहरान के प्रमुख मेहराबाद एयरपोर्ट पर हमले के बाद लगी आग।

गत 28 फरवरी को हुए हवाई हमले में युद्ध शुरू होने और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद से ईरान की त्रिपक्षीय नेतृत्व परिषद के एक सदस्य, राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने यह संदेश ठीक एक सप्ताह बाद दिया।

वहीं, क्षेत्र में लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने इजराइल को 15.1 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि देश अपनी रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। एक वीडियो फुटेज में पश्चिमी तेहरान के ऊपर विस्फोटों से धुएं के गुबार दिखाई दिए, जबकि इजराइल ने कहा कि उसने व्यापक हमलों का नया दौर शुरू किया है। महायुद्ध में अब तक 1483 लोग जान गवां चुके हैं।

इजराइली सेना ने कहा कि वह ईरान से दागी गई नई मिसाइलों को रोकने की कोशिश कर रही है। ईरान के हमलों के बाद बहरीन में शनिवार सुबह सायरन बजे। सऊदी अरब ने कहा कि उसने अपने विशाल शायबह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहे ड्रोन नष्ट कर दिए और प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया। इस बीच अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के अनुसार, रूस ने ईरान को ऐसी जानकारी दी है जिससे वह क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान से फोन पर बात कर खामेनेई की मौत पर संवेदना जताई।

ईरान ने आत्मसमर्पण की मांग ठुकरायी

दुबई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने शनिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग एक ऐसा ख्वाब है जिसे उन्हें अपनी कब्र तक साथ ले जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक पूर्व रिकॉर्डेड संबोधन में की। उन्होंने संकेत दिया कि ये हमले सैन्य अधिकारियों के बीच सूचनाओं के गलत संचार के कारण हुए थे। उनका यह बयान उस समय प्रसारित हुआ जब शनिवार सुबह बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर बार-बार हमले किए गए।

ईरान पर जबरदस्त प्रहार करेंगे : ट्रंप

अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को चेतावनी दी कि युद्ध में ईरान के और भी अधिकारियों को निशाना बनाया जाएगा और ईरान पर जबरदस्त प्रहार किया जाएगा। ट्रंप ने अपनी वेबसाइट ट्रुथ सोशल पर लिखा, ईरान के खराब व्यवहार के कारण अब ऐसे इलाकों और लोगों के समूहों को भी निशाना बनाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, जिन्हें अब तक निशाना बनाने के लिए नहीं सोचा गया था।

अब तक 52,000 भारतीय वापस लौटे

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया की उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूरे क्षेत्र में हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद 52,000 से अधिक भारतीय स्वदेश लौट आए हैं। मंत्रालय ने क्षेत्र के सभी भारतीय नागरिकों से स्थानीय अधिकारियों के दिशानिर्देशों और भारतीय मिशनों द्वारा जारी सलाह का पालन करने का भी आग्रह किया।

एसआईआर में दावे व आपत्तियों की प्रक्रिया अब समाप्त : रिणवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य निवार्चन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान में दावा-आपत्तियों की प्रक्रिया अब समाप्त हो गई है। इस दौरान 6 मार्च 2026 तक 5,621 स्थानों से प्राप्त आपत्तियों में 85.5 प्रतिशत मतदाताओं की सुनवाई हो चुकी है। शेष मामलों की सुनवाई 27 मार्च 2026 तक पूरी हो जाएंगी।

• 85.5 प्रतिशत मतदाताओं के दावों की हुई सुनवाई, शेष 27 मार्च तक हो जाएगा पूर्ण

12,55,56,025 मतदाता सूची में कुल मतदाता

6,88,43,159 (54.83%) पुरुष मतदाताओं की संख्या

5,67,08,747 (45.17%) महिला मतदाताओं की संख्या

4,119 (0.01%) तृतीय लिंग मतदाताओं की संख्या

मुख्य निवार्चन अधिकारी, उप्र. शनिवार को लोकभवन में एसआईआर को लेकर प्रेस कार्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि छह जनवरी से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को दो बार समय बढ़ाकर लगभग दो महीने तक चलाया गया। इस दौरान छह मार्च तक आए आवेदन से कुल 44,952 मतदाताओं के नाम फार्म-7 के माध्यम से मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इनमें से 37,132 मतदाताओं ने स्वयं फार्म-7 भरा था, क्योंकि वे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित हो चुके थे। नवदीप रिणवा ने यह बताया कि 7,820 आपत्तियां अन्य व्यक्तियों ने दर्ज कराई थीं, जिनमें पांच हजार मतदाता मृतक पाए गए, उन्हें मतदाता सूची से हटाया गया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 3.25 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी की गई थी। जिनमें से 3.06 करोड़ नोटिस मतदाताओं को प्राप्त भी कराए गए।

उन्होंने बताया कि नामों में संशोधन और प्रवासी मतदाताओं से संबंधित फार्म-6, फार्म-7 और फार्म-6ए के तहत बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। नए मतदाता के लिए 86,69,073 फार्म-6 प्राप्त हुए, नाम हटाने के लिए 3,18,140 फार्म -7 और दावा-आपत्तियों के 70,69,710 फार्म प्राप्त हुए हैं। रिणवा ने यह भी बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आने वाले दावे व आपत्तियों में सभी को नोटिस तैयार हो चुकी है, इनमें 93.8 प्रतिशत को नोटिस वितरित की जा चुकी है।

सुनवाई के लिए 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ 12,758 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को लगाया गया है। जोकि 5,621 केंद्रों पर नोटिस सुनवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान मिलान न कराने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 1.04 करोड़ है, तार्किक विसंगतियों वाले मतदाताओं की संख्या 2.22 करोड़ है।

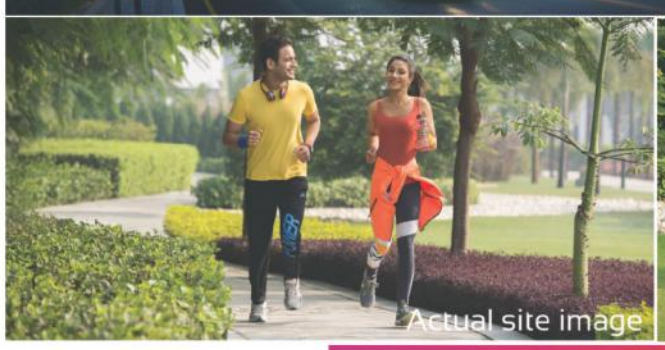

BDA APPROVED

Competent
रिश्ता विश्वास का!

Plots starting at only ₹51.30L

अक्सर जब एक घर बनता है तो खुशियों का, सुख सुविधाओं का एक जहान धीरे-धीरे उसके चारों तरफ आ बसता है।
पर इंटरनेशनल सिटी में जब आप अपनी छोटी सी दुनिया बसाने आएंगे तो स्वदेश में एक अलग ही विदेश बसा हुआ पाएंगे।
तो बस बुक करें अपना प्लॉट और अपने परिवार को दें एक इंटरनेशनल लाइफस्टाइल, यहीं आपके अपने शहर बरेली में।

Sports zone • Tennis court • Basketball court • Badminton court • Cricket net practice area • School • Advanced security surveillance • Exclusive pedestal pathway for walking • Cycling track • Temple • STP Plant • Landscape garden

स्वदेश में आपका विदेश

INTERNATIONAL CITY
Global Standards. International Living.

To know more, call 83929 21952, 83929 21966, 81930 95501

Site Address: Nariyawal, Shahjahanpur Road, Bareilly | Head Office: P-06/14G Deen Dayal Puram Bareilly | www.competentinternationalcity.com | Email: cc.bareilly@gmail.com

अमृत विचार

बरेली, रविवार,8 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

आंगनबाड़ी केंद्रों में स्मार्ट टीवी से बदला पढ़ाई का तरीका

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार के नेतृत्व में आंगनबाड़ी केंद्र आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो रहे हैं। लगभग 16 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्मार्ट टीवी स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था को तकनीक से जोड़ा गया है। इससे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होने के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र, प्ले स्कूल जैसी सुविधाओं से लैस हो रहे हैं। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में स्मार्ट टीवी स्थापित किये जा रहे हैं, बच्चों को कहानियों, पहेलियों, कार्टून और एनिमेशन के माध्यम से डिजिटल सामग्री दिखाई जा रही है। इसके जरिए छोटे बच्चे खेल खेल में अक्षर ज्ञान, गिनती और रंगों की पहचान करना सीख रहे हैं।

12 करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने चौक क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 5 .549 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 12 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इंस्पेक्टर अयनुद्दीन के अनुसार सूचना मिली थी कि चौक इलाके में हेरोइन की डिलीवरी होने वाली है। इसके बाद एएनटीएफ ने चौक पुलिस के साथ मिलकर आगाबाकर इमामबाड़ा के सामने खाली मैदान में चेकिंग अभियान चलाया और संदिग्ध को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान बाराबंकी के जैदपुर निवासी मोहम्मद इमरान के रूप में हुई है, जो फिलहाल न्यू हैदरगंज में रह रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि कैंपबेल रोड का एक व्यक्ति उसे कम कीमत पर हेरोइन उपलब्ध कराता था, जिसे वह पुड़िया बनाकर बेचता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

पान की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : उद्यान, एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली में पान की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और आम उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक मैंगो बैग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही रूफ टॉप गार्डेनिंग और राजमार्गों के किनारे पौधरोपण को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया। उद्यान मंत्री, शनिवार को अपने सरकारी आवास पर औद्यानिक विकास योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं के भौतिक व वित्तीय लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत पूरा किया जाए।

यूपी बना विश्वास का प्रतीक यही सबसे बड़ी पूंजी : योगी

निजी क्षेत्र से मेडिकल कॉलेज खोलने की अपील, स्वास्थ्य सेवाओं का हो रहा विस्तार

आगरा में एक हॉस्पिटल का लोकार्पण करने के बाद परिसर का निरीक्षण कर जानकारी लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, आगरा/लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब समाज, सरकार और संस्थाएं एक दिशा में मिलकर काम करती हैं तो उसका परिणाम विश्वास के रूप में सामने आता है। आज उत्तर प्रदेश विश्वास का प्रतीक बन चुका है और यही प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है।

मुख्यमंत्री शनिवार को आगरा में यथार्थ हॉस्पिटल का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को सस्ती, सुलभ व विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। सरकार अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन जब सरकार और समाज मिलकर काम करते हैं तो परिणाम कई गुना बेहतर होते हैं। उन्होंने यथार्थ ग्रुप से किसी जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए आगे आने का आह्वान भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि अब 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' का बोलबाला था, लेकिन अब 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज' की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में दो एम्स-रायबरेली और गोरखपुर में संचालित हो रहे हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आईआईटी कानपुर और एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडटेक के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही ललितपुर में 1500 एकड़ में फार्मा पार्क और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित किया जा रहा है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और आगरा के सांसद प्रो. एसपी सिंह बघेल, संत विजय कौशल महाराज, भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य और योगेंद्र उपाध्याय समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

10 करोड़ होंगे आयुष्मान कार्ड धारक

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश में 5 .60 करोड़ लोगों को गोल्डन कार्ड जारी किए जा चुके हैं और यह संख्या जल्द ही 10 करोड़ तक पहुंचने वाली है। इसके अलावा हर जिले में मुफ्त डायलिसिस, सीटी स्कैन समेत कई आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बुंदेलखंड में 24 हजार एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **बीडा क्षेत्र में बड़े निवेश की राह साफ, रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद**

अमृत विचार : बुंदेलखंड को औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीडा) में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज होने से बड़े निवेश और उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

बीडा के 33 गांवों में कुल लगभग 56,662 एकड़ भूमि के अधिग्रहण का प्रस्ताव है। इसमें पहले चरण में 35,298 एकड़ और दूसरे चरण में 21,364 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। अब तक करीब 24,201 एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है, जिससे औद्योगिक परियोजनाओं को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया चल रही है।

सरकार का लक्ष्य बुंदेलखंड को देश के प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना है। इसके लिए बुनियादी ढांचे के विकास, निवेश आकर्षित करने और उद्योगों की स्थापना के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भूमि उपलब्ध होने से निवेशकों की रुचि भी क्षेत्र में बढ़ रही है।

बीडा क्षेत्र को दिल्ली-नागपुर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जोड़ने की भी योजना है। इसके तहत करीब 300 एकड़ भूमि पर नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनआईसीडीसी) के सहयोग से औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जिससे बुंदेलखंड देश के प्रमुख औद्योगिक नेटवर्क से जुड़ सकेगा।

इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में भी निवेश की तैयारी की जा रही है। करीब 250 एकड़ भूमि पर बैटल टैंक के मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल (एमआरओ) केंद्र तथा कॉम्बैट व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की योजना है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इन औद्योगिक परियोजनाओं के शुरू होने से बुंदेलखंड क्षेत्र में हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

मंच पर प्रतिभा दिखाएंगे 75 जिलों के 850 बच्चे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **'प्रगति-आत्मसम्मान से समानता तक' थीम पर बाल उत्सव, 23 बालिकाओं को मिलेगा सम्मान**

अमृत विचार : प्रदेश के 75 जिलों से चयनित लगभग 850 बच्चे राज्य स्तरीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 'प्रगति-आत्मसम्मान से समानता तक एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों के साथ बालिकाओं के सशक्तिकरण की झलक भी देखने को मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान खेल, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली 23 बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के नेतृत्व और निर्देशन में राज्य स्तरीय बाल उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, 45,656 उच्च प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालय और 1129 पीएम-श्री विद्यालयों से जुड़े विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व होगा।

आयोजन स्थल पर 22 विषयगत स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जहां सामाजिक-भावनात्मक अधिगम, नेतृत्व विकास, अभिभावक सहभागिता और करियर परामर्श से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में विद्यालयों में संचालित रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण, जीवन कौशल शिक्षा, मीना मंच और सेल्फ-एस्टीम जैसे कार्यक्रमों से विकसित हो रहे बालिकाओं के आत्मविश्वास और नेतृत्व की झलक भी देखने को मिलेगी।

बाल उत्सव की चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की गई। पहले चरण में 75 जिलों में प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, इसके बाद 18 मंडलों में मंडलीय स्तर पर प्रतिभाओं का चयन किया गया। इन दोनों चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जगह बनाई है। कार्यक्रम में चयनित बच्चे नाटक, नृत्य, गीत, योग और संवाद जैसी गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

कम वसूली पर 10 जिला आबकारी अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **आबकारी मंत्री ने की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश**

अमृत विचार : आबकारी एवं मध्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कम राजस्व वसूली वाले 10 जिला आबकारी अधिकारियों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। कम वसूली वाले जिलों में कानपुर नगर, आगरा, मेरठ, बिजनौर, लखनऊ, बुलंदशहर, हाथरस, मुरादाबाद, अलीगढ़ और बरेली शामिल हैं।

आबकारी मंत्री शनिवार को गन्ना संस्थान, डालीबाग में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने पड़ोसी राज्यों से आने वाली अवैध शराब, कच्ची, मिलावटी और चोरी की मदिरा पर पूरी तरह रोक लगाने को कड़ी निगरानी और सख्त कार्रवाई की बात कही है। साथ ही कहा कि किसी भी जिले में शराब की ओवररेटिंग या उद्योगों के संचालन में अनावश्यक बाधा की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिजनौर में मदिरा इंडस्ट्री के खिलाफ कथित गैर-जिम्मेदारीपूर्ण कार्रवाई के मामले में वहां के जिला आबकारी अधिकारी के कार्यों की जांच कर रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने को भी कहा गया है।

समीक्षा बैठक में मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग के लिए 63 हजार करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके सापेक्ष फरवरी तक 50,585 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 7,756.36 करोड़ रुपये अधिक है। फरवरी 2026 में ही 6,635.79 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 134.65 प्रतिशत अधिक है।

14 साल बाद लौटी बेटी, धर्म परिवर्तन और दुष्कर्म का आरोप

मथुरा, एजेंसी

- **मूल रूप से अलीगढ़ की रहने वाली है पीड़िता**

मथुरा में करीब 14 साल पहले गायब हुई एक किशोरी को न केवल बंधक बनाकर रखा गया, बल्कि उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराकर दुष्कर्म भी किया गया। पीड़िता को अब महाराणा प्रताप सेना के कार्यकर्ताओं की मदद से रेस्क्यू कर वापस लाया गया है। आरोपी ने पीड़िता के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उसके नाम पर लाखों का लोन भी ले डाला।

मूल रूप से अलीगढ़ की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि साल 2012 में वह मथुरा के गोविंद नगर थाना क्षेत्र स्थित कल्याणं करोति संस्थान में पढ़ाई करती थी। उस दौरान मुन्ना नामक एक युवक अक्सर उससे छेड़छाड़ करता था। एक दिन आरोपी ने उसे नशीला पदार्थ सुंघाया और बेहोशी की हालत में उसे बिहार ले गया। पीड़िता का आरोप है कि बिहार ले जाकर उसे 14 साल तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया गया और दबाव बनाकर उसका धर्म परिवर्तन करा दिया गया। इतना ही नहीं आरोपी मुन्ना अंसारी ने पीड़िता के आधार कार्ड और पैन कार्ड में भी नाम बदलवा दिया। शातिर आरोपी ने पीड़िता के इन्हीं फर्जी दस्तावेजों पर बैंक से 5 लाख रुपये का लोन भी निकाल लिया। पीड़िता की अब एक बेटी भी है। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब महाराणा प्रताप सेना के कार्यकर्ताओं को इसकी भनक लगी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एपी सिंह ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने करीब एक महीने तक कड़ी मशक्कत कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और युवती को आरोपी के चंगुल से छुड़ाकर मथुरा वापस लाए। साल 2012 में पीड़िता की गुमशुदगी की रिपोर्ट गोविंद नगर थाने में दर्ज कराई गई थी।

युवक ने दादा की हत्या की

कौशांबी, एजेंसी : प्रदेश के कौशांबी जिले के सैनी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक युवक ने अपने दादा की कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार रामपुर धमावां गांव निवासी नितिन सरोज (22) ने खेत में काम कर रहे अपने दादा बाबूलाल सरोज (75) की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पत्नी गुलजारा देवी ने बताया कि उनके पोते नितिन ने करीब 15 दिन पहले भी जहर देकर अपने दादा को मारने की कोशिश की थी और अस्पताल में इलाज से उनकी जान बच गई थी।

सपा को बदनाम करने वाले गाने के खिलाफ कराएंगे एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सपा मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह व अन्य नेता। अमृत विचार

- **सपा प्रमुख बोले- भाजपा सरकार सबसे अराजक और इतिहास की सबसे भ्रष्ट**

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सपा को बदनाम करने का षड्यंत्र कर रही है। सपा को बदनाम करने के लिए एक गाना लांच कराया गया है। पार्टी की तरफ से उस गाने पर एफआईआर लिखाई जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि गारंटी है कि बदनाम करने वाले गाने पर कार्रवाई नहीं होगी।

सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबसे अराजक और इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह सरकार टैक्स लगाकर मंहगाई बढ़ाती जा रही है। आज ही एलपीजी गैस के दाम 60 रुपये बढ़ गये हैं। किसी चीज की मंहगाई एक बार बढ़ जाती है तो वह कम नहीं होती है। जबकि भाजपाईयों ने पूर्व में आश्वासन दिया था कि मजबूरी में दाम बढ़ा रहे हैं, बाद में कम कर दिए जाएंगे। आज तक दावा पूरा नहीं हुआ है।

चुनाव आयोग को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग झूठा है। अगर सपा ने इतना शोर न मचाया होता तो भाजपा ने हर विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोट कटवाने की तैयारी की थी। चुनाव आयोग बताए कि इतनी बड़ी संख्या में प्रिन्टेड फार्म-7 कहां से आए थे। चुनाव आयोग ने इन मामलों की जांच भी नहीं की।

सपा प्रमुख ने जनता दर्शन में अपनी फरियाद लेकर आये एक व्यक्ति की मौत का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि असंवेदनशील लोगों ने उससे पूछा तक नहीं है। शंकराचार्य मामले में उन्होंने कहा कि शंकराचार्य एक संस्था और विचार है। भाजपा सरकार ने उन्हें जिस तरह से अपमानित किया गया और झूठे आरोप लगाए गए, उससे सनातन धर्म बदनाम किया गया।

एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य: केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो,लखनऊ/ कौशांबी

- **कौशांबी में सरस मेला व सरस महोत्सव का उप मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन**

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महिलाओं में अपार प्रतिभा है और सरकार उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग कर रही है। इतना ही नहीं, प्रदेश में स्वयं सहायता समूह की एक करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

उप मुख्यमंत्री शनिवार को बाबू सिंह डिग्री कॉलेज मैदान, सयारा (कौशांबी) में आयोजित सरस मेला व सरस महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ, कपड़े और अन्य घरेलू उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि आने वाले समय में जिले में 10 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सरस मेला आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश में छह करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम कौशांबी जिले में करीब 1.54 लाख महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और इनमें से 10,864 महिलाएं पहले ही लखपति बन चुकी हैं। कार्यक्रम के दौरान केशव प्रसाद मौर्या ने महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ पुष्पवर्षा कर फूलों की होली खेली और सभी को होली की शुभकामनाएं दीं।

केशव प्रसाद मौर्य

सुरक्षा के लिए थानों में महिला हेल्प डेस्क

लखनऊ। महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश में संस्थागत ढांचे को भी सुदृढ़ किया गया है। राज्य में 44 हजार से अधिक महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती की जा चुकी है और सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं।

बेटियों को मिले आगे बढ़ने के अवसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आधुनिक रोजगार से हो रहीं आत्मनिर्भर

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए कौशल विकास और रोजगार पर भी विशेष जोर दिया गया है। उप्र. स्किल डेवलपमेंट मिशन के तहत युवतियों को आईटी, हेल्थकेयर, फैशन डिजाइनिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और ब्यूटी एंड वेलनेस समेत करीब 35 सेक्टरों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे आधुनिक रोजगार के अवसरों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 9 .11 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 99 लाख से ज्यादा महिलाओं को जोड़ा गया है। लखपति महिला योजना के तहत 33 लाख से अधिक महिलाओं की पहचान की गई है, जिनमें से 18 लाख से अधिक महिलाएं लखपति की श्रेणी में पहुंच चुकी हैं।

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर प्रदेश में महिलाओं के सशक्तीकरण की नई तस्वीर उभरकर सामने आई है। पिछले 9 वर्षों में सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन से जुड़ी योजनाओं के जरिए प्रदेश की बेटियों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिले हैं। सरकार का दावा है कि अब प्रदेश में महिलाएं दिन हो या रात, भयमुक्त होकर स्कूल, कॉलेज और कार्यस्थलों तक आ-जा रही हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए वर्ष 2020 में शुरू किया गया मिशन शक्ति अभियान सफल साबित हुआ है। इसके तहत प्रदेश में 1694 एंटी रोमियो स्क्वायड सक्रिय हैं, जिन्होंने अब तक 1.18 करोड़ से अधिक सार्वजनिक स्थलों की चेकिंग की और 4.52 करोड़ से अधिक लोगों की जांच की है। इस दौरान 24,871 मुकदमे दर्ज किए गए और 33,268 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 26.78 लाख बालिकाओं को लाभ मिला है, जबकि निराश्रित महिला पेंशन योजना से 38.58 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से अब तक 2.39 लाख महिलाओं को सहायता दी जा चुकी है और 181 महिला हेल्पलाइन से 8.42 लाख महिलाओं को मदद मिली है।

महिला दिवस पर विशेष | **प्रदेश में 9,600 से अधिक महिला संचालित स्टार्टअप सक्रिय**

30 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे महिला स्टार्टअप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **टेक्नोलॉजी, एग्रीटेक व हेल्थकेयर में बढ़ी भागीदारी**
- **25 स्टार्टअप्स को निधि योजना से सहायता**

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में महिला उद्यमिता का तेजी से विस्तार देखने को मिल रहा है। प्रदेश में 9,600 से अधिक महिला संचालित स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनकी संख्या करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ बढ़ रही है। टेक्नोलॉजी, एग्रीटेक, हेल्थकेयर और सेवा क्षेत्रों में महिलाएं नवाचार के जरिए अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लागू स्टार्टअप नीति और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, मेंटरशिप, इन्क्यूबेशन और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे महिलाएं अपने व्यावसायिक विचारों को सफल उद्यम में बदलने में सक्षम हो रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, महिला स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या प्रदेश की बदलती आर्थिक और सामाजिक तस्वीर को भी दर्शाती है। महिलाओं की भागीदारी से उद्यमिता का एक नया मॉडल उभर रहा है,

जो आत्मनिर्भरता, नवाचार और समावेशी विकास को बढ़ावा दे रहा है।

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की 'निधि' (नेशनल इनिशिएटिव फॉर डेवलपिंग एंड हार्नेसिंग इनोवेशन्स) योजना के तहत भी महिला स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिल रहा है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 25 महिला संचालित स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। स्टार्टअप विशेषज्ञ अजय चतुर्वेदी के अनुसार, शुरुआती दौर में मिलने वाली ऐसी वित्तीय सहायता नए उद्यमों को टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

योगी सरकार द्वारा स्थापित 1000 करोड़ रुपये के यूपी स्टार्टअप फंड से भी महिला उद्यमियों को सहयोग मिल रहा है। इस फंड से अब तक करीब 325 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, जिनका लाभ 900 से अधिक महिला स्टार्टअप्स को मिला है।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ · बरेली · कानपुर · मुरादाबाद · अयोध्या · हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी 09:11 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

रविवार, 8 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 102, पृष्ठ 14+4 · मूल्य 6 रुपये

- रसोई गैस 60 वाणिज्यिक सिलेंडर 114.5 रुपये महंगा पेट्रोल-डीजल स्थिर - 12

- ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने की भारत को गैस आपूर्ति की पेशकश - 12

- नेपाल में बालेंद्र सरकार बनना तय शाह ने पीएम ओली को हराया - 13

- भारत के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका - 14

मुख्यमंत्री ने ब्रजमंडल के विकास को 300 करोड़ रुपये किए स्वीकृत

योगी ने कहा- परंपरा और आस्था का सम्मान करते हुए होगा ब्रज क्षेत्र का विकास

- सीएम की अध्यक्षता में ब्रज तीर्थ विकास परिषद की आठवीं बोर्ड बैठक संपन्न

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

वृंदावन : ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते सीएम योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि परंपरा और श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए ब्रज क्षेत्र के विकास के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। तीर्थ स्थलों के संरक्षण के साथ ही आधारभूत ढांचे के विकास और सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि ब्रज क्षेत्र की पहचान और अधिक सुदृढ़ हो तथा यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

मुख्यमंत्री योगी, शनिवार को वृंदावन में उप्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद की आठवीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में लगभग 300 करोड़ रुपये के कार्यों का अनुमोदन किया गया। ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास, तीर्थ स्थलों के संरक्षण तथा श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर के सभागार में संपन्न बैठक में मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, ब्रज तीर्थ विकास परिषद तथा जिला प्रशासन को रेलवे विभाग से समन्वय स्थापित कर भूमि अथवा भूमि मूल्य से संबंधित आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

साथ ही ब्रज की 84 कोस परिक्रमा मार्ग के विकास कार्य तेजी से लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में गोवर्धन, मथुरा और वृंदावन में पार्किंग, टीपीओ तथा अन्य जनसुविधाओं को विकसित करने के लिए चिन्हित भूमि पर पीपीपी मॉडल के तहत कार्य कराने का निर्णय लिया गया। छाता क्षेत्र में प्रस्तावित वाटर म्यूजियम के लिए चिन्हित भूमि को सिंचाई विभाग से परिषद को हस्तांतरित कराने के निर्देश भी दिए। यमुना रिवर फ्रंट परियोजना के अंतर्गत मथुरा से वृंदावन के बीच जलमार्ग विकसित कर पीपीपी मॉडल पर क्रूज और नौका संचालन की योजना पर भी सहमति बनी। जल निगम और नगर निगम द्वारा एसटीपी, एसपीएस तथा पंपिंग स्टेशन के निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा कर यमुना नदी में प्रदूषण कम करने के निर्देश भी दिए गए।

योगी बोले- पं. गोविंद बल्लभ पंत के कार्य आज भी प्रेरणास्रोत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत देश के महान सपूत, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल अधिवक्ता और सुयोग्य प्रशासक थे। उनके कार्य आज भी हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं और हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। योगी लोकभवन में देश के पूर्व गृह मंत्री और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं. गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पं. गोविंद बल्लभ पंत के दूरदर्शी नेतृत्व की वजह से प्रदेश के विकास की मजबूत आधारशिला रखी गई, जिसका अनुसरण करते हुए उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। सीएम योगी ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने वकालत का पेशा छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया था।

बंगाल में बदला गया राष्ट्रपति मुर्मू का सभा स्थल, स्वागत को नहीं आईं ममता

- विधान नगर में होना था कार्यक्रम, फांसिदेवा में कर दिया स्थानान्तरित राष्ट्रपति ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली/सिलीगुड़ी, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बंगाल में कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर शनिवार को नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन जैसी हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। उन्होंने कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर कहा कि अगर प्रोग्राम बिधाननगर में होता, तो बेहतर होता। वहां काफी जगह है और बहुत से लोग आ सकते थे। लेकिन मुझे नहीं पता कि राज्य प्रशासन ने वहां मीटिंग की इजाजत क्यों नहीं दी।

दरअसल 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पहुंचीं थीं। इसी दौरान उन्होंने छोटे कार्यक्रम स्थल को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि फांसिदेवा में तय किया गया मैदान काफी छोटा था, जिसके कारण कई लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके मंत्रियों की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया। मुर्मू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आम तौर पर, जब राष्ट्रपति आती हैं तो मुख्यमंत्री को उनका स्वागत करना चाहिए और अन्य

मंत्रियों को भी उपस्थित रहना चाहिए। लेकिन ममता बनर्जी नहीं आईं, राज्यपाल बदल गए हैं और इसलिए नहीं आ सके। चूंकि तारीख तय थी, इसलिए मैं आई हूं। कोई बात नहीं। यहां आने के लिए आप सभी का धन्यवाद। जब राष्ट्रपति शनिवार दोपहर को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, तो कुछ ही लोग मौजूद थे। सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देब एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने वाले अकेले प्रतिनिधि थे। प्रोटोकॉल के मुताबिक, राष्ट्रपति को रिसीव करने के लिए आमतौर पर मुख्यमंत्री या राज्य सरकार का कोई मंत्री मौजूद होता है।

राष्ट्रपति के बयान पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तृणमूल सरकार आज अपने अराजक व्यवहार से और भी निचले स्तर पर गिर गई है। उन्होंने प्रोटोकॉल की पूरी तरह अनदेखी करके भारत के राष्ट्रपति का अपमान किया है।

ममता सरकार ने सच में सारी हदें पार कर दीं : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान का सीधा आरोप लगाते हुए इसे "शर्मनाक और अभूतपूर्व" करार दिया। प्रधानमंत्री ने कड़े शब्दों में कहा कि बंगाल सरकार ने सचमुच सभी हदें पार कर दी हैं और राष्ट्रपति जैसी संवैधानिक संस्था के प्रति ऐसी उदासीनता लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है और इसकी गरिमा का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति भाजपा के इशारे पर बोल रहीं : ममता

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में आदिवासियों के विकास की गति पर सवाल उठाने के लिए शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर निशाना साधा और उन पर भाजपा के इशारों पर विधानसभा चुनाव से पहले टिप्पणी करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए राष्ट्रपति कार्यालय का दुरुपयोग कर रही है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, विकसित भारत का आधार नारी शक्ति व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

गुलाल बनाने वाली फैक्टरी में आग, चार महिलाओं की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के जिंद में शनिवार को एक गुलाल निर्माण इकाई में आग लगने से चार महिला श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। आग कारखाने के प्रवेश द्वार पर लगी और उसके बाद धुआं फैक्टरी के अंदर फैल गया। यह फैक्टरी सफीदों की भाट कॉलोनी के एक आवासीय क्षेत्र में स्थित है। कुछ मजदूरों ने अपनी जान बचाने के लिए कारखाने की छत से छलांग लगा दी। पुलिस और दमकल विभाग के कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से जलती फैक्टरी से श्रमिकों को बचाने के लिए एक चारदीवारी तोड़ दी और लोगों को बचाया।

केशव मौर्य के हेलीकॉप्टर के केबिन में भरा धुआं इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई

संवाददाता, सरोजनीनगर (उप्र)

- उप मुख्यमंत्री समेत सभी यात्री सुरक्षित, सड़क मार्ग से कौशांबी गए मौर्य

अमृत विचार: प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में शनिवार को अचानक तकनीकी खराबी आने से अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर के डिस्प्ले में खराबी आ गई और कुछ ही देर में केबिन के अंदर धुआं भरने लगा। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। इसके बाद हेलीकॉप्टर को सुरक्षित रूप से चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतार लिया गया।

उपमुख्यमंत्री कौशांबी में आयोजित दो दिवसीय सरस महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसके लिए उन्होंने शनिवार सुबह करीब पौने 11 बजे ला मार्टिनियर कॉलेज परिसर से हेलीकॉप्टर द्वारा उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के लगभग 30 मिनट बाद हेलीकॉप्टर का डिस्प्ले अचानक बंद हो गया और केबिन के भीतर धुआं फैलने लगा। उस समय हेलीकॉप्टर करीब दो हजार फीट की ऊंचाई पर था और लखनऊ से लगभग 50 किलोमीटर दूर बछरावां क्षेत्र के पास पहुंच चुका था। तकनीकी खराबी की जानकारी मिलते ही पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित कर इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलते ही हेलीकॉप्टर को वापस लखनऊ की ओर मोड़ दिया गया। करीब 11:15 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर उसकी सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट पर पहले से फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को तैनात कर दिया गया था। इस दौरान डिप्टीसीएम समेत सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित रहे। सूत्रों ने बताया कि हेलीकॉप्टर में उपमुख्यमंत्री सहित दो पायलट, एक सलाहकार, एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और एक सुरक्षा कर्मी सवार थे। उप मुख्यमंत्री बाद में कार्यक्रम में शामिल होने को सड़क मार्ग से कौशांबी गए।

लेखपाल भर्ती की मुख्य लिखित परीक्षा 21 मई को

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा लेखपाल के 7,994 पदों के लिए मुख्य लिखित परीक्षा 21 मई 2026 (गुरुवार) को सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित की जाएगी। पीईटी-2025 के स्कोर के आधार पर शॉर्टलिस्ट किए गए 3,66,712 अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे, जिसमें एक पद के लिए लगभग 46 दावेदार हैं। 7994 पदों के लिए होने वाली इस परीक्षा में 3.60 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। लेखपाल भर्ती मुख्य परीक्षा 21 मई, 2026 को एकल पाली में आयोजित की जाएगी। जिन अभ्यर्थियों ने निर्धारित कटऑफ क्लियर की है व आयोग ने उन्हें अर्ह घोषित किया है वही मुख्य परीक्षा के लिए योग्य होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिक्त पदों के सापेक्ष श्रेणीवार 15 गुना (समान कटऑफ अंक प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों सहित) अर्थात कुल 3,66,712 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा हेतु अर्ह घोषित किया गया है।

कार रैली में महिलाओं का अनोखा अंदाज

भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार रैली में महिलाओं ने अंतरिक्ष यात्रियों की वेशभूषा में भाग लिया। यह आयोजन महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए किया गया था। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम हत्या मामले में बरी

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के 2002 के मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को बरी कर दिया है।

डेरा प्रमुख के वकील जितेंद्र खुराना ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोर्ट ने डेरा प्रमुख को दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के सात साल से अधिक समय बाद बरी किया। खुराना ने कहा, हाईकोर्ट ने इस मामले में 2019 की सजा को चुनौती देने वाली अपीलों की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने यह आदेश पारित किया। खुराना ने कहा, बहरहाल पीठ ने मामले में तीन अन्य आरोपियों की सजा बरकरार रखी है।

बेपटरी हुई मालगाड़ी, रेल यातायात प्रभावित

कटनी (मप्र), एजेंसी

- मप्र के कटनी में छह डिब्बे पटरी से उतरे, कई ट्रेनों के रूट बदले

मध्यप्रदेश के कटनी जिले में शनिवार को कोयला लदी एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस कारण इस व्यस्त रेलमार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया और कई रेलगाड़ियों का मार्ग बदलना पड़ा। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि न्यू कटनी जंक्शन (एनकेजे) सेक्शन में रेल लाइन बहाल करने का काम युद्धस्तर पर जारी है।

उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य की निगरानी के लिए जबलपुर से एक टीम मौके पर पहुंची है। यह हादसा सुबह साढ़े 10 बजे एनकेजे क्षेत्र में 'ए केबिन' के पास हुआ, जिससे छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से जुड़े मार्गों पर रेल संचालन प्रभावित हुआ। कटनी क्षेत्र प्रबंधक रोहित सिंह ने बताया कि कोयला लदी यह मालगाड़ी पश्चिम बड़ौदा जा रही थी, तभी इसके छह डिब्बे पटरी से उतर गए। सूचना पर रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बिलासपुर की ओर जाने वाला रेल यातायात प्रभावित हुआ है। चार रेलगाड़ियों का मार्ग बदला गया है, जबकि दो को शॉर्ट टर्मिनेट और दो को शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है। रेलगाड़ी के निर्धारित गंतव्य स्टेशन पर पहुंचने से पहले ही किसी अन्य स्टेशन पर यात्रा समाप्त कर देने को शॉर्ट टर्मिनेट कहा जाता है।

एसबीआई का महिलाओं को 4597 करोड़ के सामाजिक ऋण का तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी

- लैंगिक अंतर को कम करने के लिए बैंक ने दिखाई प्रतिबद्धता

एसबीआई ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित 4597 करोड़ रुपये की सिंडिकेटेड सामाजिक सावधि ऋण सुविधा शुरू करने की घोषणा की।

बैंक ने कहा कि यह सिंडिकेटेड ऋण एसबीआई और वैश्विक ईएसजी (ईएसजी) वित्तपोषण परिदृश्य में महिला सशक्तिकरण के लिए एक मील का पत्थर है। यह वित्तपोषण सामाजिक प्रभाव को तेज करने पर केंद्रित है और लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एसबीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 5 - लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना में सार्थक योगदान देता है। एसबीआई के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने कहा, इस महिला दिवस पर हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एक जिम्मेदार संगठन के रूप में हम सतत विकास की आधारशिला के रूप में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिका को दो टूक

जयशंकर का वर्ल्ड ऑर्डर : 'भारत का उदय किसी की खैरात नहीं, इसे रोकना अब नामुमकिन

न किसी की गलती, न किसी का मोहरा ... अपनी शर्तों पर बनाएंगे नया भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को वैश्विक कूटनीति के मंच 'रायसीना डायलॉग' से दुनिया को वह आइना दिखाया, जिसकी कल्पना शायद महाशक्तियों ने नहीं की थी। अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ द्वारा भारत को आर्थिक लाभ न देने की धमकी भरे बयान पर पलटवार करते हुए जयशंकर ने दो टूक कहा कि भारत का उत्थान अब रोका नहीं जा सकता। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि 21वीं सदी का भारत अपनी प्रगति की दिशा खुद निर्धारित करेगा और वह किसी दूसरे देश के एजेंडे पर नहीं चलेगा।

जयशंकर ने अमेरिकी बयान की धज्जियां उड़ाते हुए कहा कि देशों का उत्थान उनके अपने संकल्पों और राष्ट्रीय शक्ति से होता है। उन्होंने कहा कि भारत का उत्थान भी भारत द्वारा ही निर्धारित होगा। हम अपनी शक्तियों के आधार पर अपने विकास की दिशा तय करेंगे, न कि दूसरों की 'गलतियों' या संकीर्ण सोच के आधार पर। यह प्रहार सीधा उन देशों पर था जो भारत की तुलना चीन से करके उसे नियंत्रित करने का सपना देख रहे हैं। जयशंकर ने हिंद महासागर क्षेत्र के सैन्यीकरण पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने डिएगो गार्सिया, जिबूती और हंबनटोटा जैसे विदेशी सैन्य अड्डों का सीधा नाम लेते हुए कहा कि भारत इन गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुए है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी दी कि समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और स्वतंत्रता पर भारत कोई समझौता नहीं करेगा। अमेरिकी मंत्री ने भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अमेरिका भारत के साथ वही आर्थिक गलतियां नहीं दोहराएगा जो उसने 20 साल पहले चीन के साथ की थीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत को इतना बड़ा बाजार नहीं बनने देगा कि वह भविष्य में उसे टक्कर दे।

ईरान को पनाह, अमेरिका को कड़ा संदेश

केवल शब्दों से ही नहीं, भारत ने अपने साहसी फैसलों से भी दुनिया को चौंका दिया। हिंद महासागर में बढ़ते तनाव के बीच, जहाँ अमेरिकी पनडुब्बियों और ईरानी युद्धपोतों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई थी, भारत ने ईरानी नौसैन्य पोत 'आइरिस लावन' को कोच्चि में डॉकिंग की मंजूरी देकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का लोहा मनवाया। विदेश मंत्री ने पुष्टि की कि 1 मार्च को मिली ईरानी अपील पर भारत ने तुरंत कार्रवाई की और 4 मार्च को पोत कोच्चि पहुँचा। वर्तमान में पोत के 183 चालक दल के सदस्यों को मानवीय आधार पर भारतीय नौसेना के सुरक्षित परिसरों में ठहराया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कुछ दिन पहले ही अमेरिका ने ईरानी युद्धपोत 'आइरिस डेना' को डुबो दिया था।

जो साथ चलेंगे, फायदा उन्हीं का होगा

विदेश मंत्री ने अंत में वैश्विक समुदाय को वास्तविकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत के उदय में चुनौतियां हैं, लेकिन साथ ही एक बड़ा ऑफर भी दिया। उन्होंने कहा, "जो लोग हमारे साथ मिलकर काम करेंगे, उन्हें इस उदय का सबसे अधिक लाभ मिलेगा।" यानी भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि एक ऐसा पावरहाउस है जो अपने साथ चलने वालों की तकदीर बदल सकता है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 8 मार्च 2026

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE

200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में

कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे

बरेली का एकमात्र PET CT

पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

हमारी सेवाएं

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी

Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana
Ayushman Bharat
PM-JAY

प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त

Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com

रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

लोकतंत्र और संविधान बचाने को एकजुट हों कार्यकर्ता

- आंवला में सपा नेता पीयूष वर्मा के नेतृत्व में आयोजित हुआ भव्य होली मिलन समारोह
- आपसी मतभेद भुलाकर विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को सफल बनाने में जुटें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आंवला विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के नेता पीयूष वर्मा के नेतृत्व में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों की उपस्थिति रही, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण और रंगारंग बना रहा।

मुख्य अतिथि सांसद नीरज मौर्य ने कहा कि आंवला लोकसभा क्षेत्र में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं, शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया कि वे लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और अपने मताधिकार की रक्षा करें। अगर वोट सुरक्षित रहेगा तभी लोकतंत्र मजबूत रहेगा। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पीडीए वर्ग के वोटों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है, इसलिए सभी लोगों को सतर्क रहकर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए आगे आना होगा। कार्यक्रम के आयोजक पीयूष वर्मा ने समारोह में पहुंचे सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सांसद नीरज मौर्य। ● अमृत विचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक महिपाल सिंह यादव ने कहा कि आंवला की देवतुल्य जनता से उनका संबंध वर्षों पुराना है। इस बार सभी लोग एकजुट होकर आपसी मतभेद भुलाकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे तो आने वाले चुनाव में आंवला विधानसभा सहित पूरे क्षेत्र में पार्टी को बड़ी सफलता मिलेगी। इस मौके पर संजीव यादव, मयंक शुक्ला, डॉ. इन्द्रपाल यादव, अमित राज सिंह, शिवचरन कश्यप, नरेंद्र गौतम, भूपेन्द्र सिंह, सत्येंद्र सविता, ओमवीर यादव, भुवनेश यादव, अरविंद यादव, भारती चौहान, स्मिता यादव, संजय शास्त्री, बीडी वर्मा, लक्ष्मण प्रसाद लोधी, बनवारी लाल मौर्य, पदम सिंह सागर, चमन सिंह यादव, आकाश प्रेमी, विकार अली, गुड्डू, शब्बीर, हाफिज, संदीप सक्सेना, रोहित चौधरी, महेंद्र मौर्य, अवधेश शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समाधान दिवस में सुनीं शिकायतें

कमिश्नर ने पांच शिकायतों का निस्तारण किया, अफसरों को कार्रवाई के दिए निर्देश

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : तहसील दिवस में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं।

कुल 38 शिकायतें दर्ज की गईं। जिसमें से पांच शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष संबंधित विभाग के अफसरों को समय रहते निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। आबकारी विभाग से किसी भी कर्मचारी के मौजूद न होने पर स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए। कमिश्नर ने राजस्व विभाग के कर्मचारियों को जमीन की पैमाइश संबंधी (धारा 24) के बाद ही आगे की कार्यवाही कानून के दायरे में रहकर करने के लिए निर्देश दिए। समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी मल्लिका नैन क्षेत्राधिकारी संदीप कुमार, तहसीलदार प्रशान्त अवस्थी, नायब तहसीलदार शुभम पांडे सहित सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

फरीदपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतें सुनतें कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी। ● अमृत विचार

गन्ना बकाया मूल्य के भुगतान का मुद्दा उठा

बहेड़ी, अमृत विचार : समाधान दिवस में किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। किसानों ने केसर मिल पर अपने तमाम वायदों से मुकरने का आरोप लगाया। एडीएम पूर्णिमा सिंह और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर ने लोगों की समस्याओं को सुना। कुल 37 शिकायतें आज दर्ज की गईं, जिनमें 6 का शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।समाधान दिवस में आधार कार्ड बनने में आ रही दिक्कतों को लेकर भी शिकायत हुई। तहसीलदार भानू प्रताप समेत तमाम विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नवाबगंज : 45 में से एक शिकायत का किया गया निस्तारण

नवाबगंज, अमृत विचार : तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम उदित पवार और तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। कुल 45 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से एक का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। मोहल्ला कुम्हारान निवासी अजीजन पत्नी जहूर हुसैन ने मकान के सामने जलभराव की समस्या बताई। इस पर एसडीएम ने नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी आरआर अम्बेश को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। सामाजिक संस्था पैनी नजर की अध्यक्ष सुनीता गंगवार ने भदपुरा ब्लॉक के ग्राम जादौपुर स्थित स्कूल को खुलवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस पर तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारी को जांच के निर्देश दिए। एसडीओ विद्युत राजेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी अरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

मीरगंज के संपूर्ण समाधान दिवस में 27 शिकायतें दर्ज

मीरगंज, अमृत विचार : शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में सीडीओ देवयानी नहीं पहुंच सकीं। उनकी अनुपस्थिति में एसडीएम आलोक कुमार, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने लोगों की शिकायतें सुनीं। कुल 27 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से चार शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। एसडीएम आलोक कुमार ने बताया कि शेष शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अफसरों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान का त्वरित निस्तारण किया जाए। नायब तहसीलदार अरविंद कुमार, एडीओ पंचायत वीपी सिंह, बी ई ओ अवनीश कुमार, एसडीओ विद्युत सूर्य प्रताप सिंह, पूर्ति निरीक्षक रवि कुमार सक्सेना, एडीओ समाज कल्याण आसिम अली, आदि उपस्थित रहे।

दंपती से मारपीट करने के मामले में तीन पर रिपोर्ट

हाफिजगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव खाता में रास्ते में बाइक रोककर दंपती से मारपीट करने और बाइक में तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव खाता निवासी राजेन्द्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 4 मार्च की रात करीब 11 बजे वह अपनी ट्यूबवेल से लौटकर बाइक से घर जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में गांव के अर्जुन, पवन व धीरज बाइक गिराकर उन्हें पीटने लगे। शोर सुनकर जब उनकी पत्नी रेखा बचाने पहुंचीं तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। उनकी मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ की। पुलिस ने अर्जुन, पवन और धीरज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट का आरोप लगाया, रिपोर्ट दर्ज

भगोरा, अमृत विचार : गुरुवार रात गांव चंदौआ निवासी प्रधान पुत्र मुनीश व आशाराम साथियों के साथ सरातु में गमी की होली मिलने जा रहे थे, तभी रास्ते में ग्राम सरातु निवासी सानू अपने अन्य साथियों के साथ चंदौआ से होली मिलन कर वापस जा रहा था। रास्ते में दोनों पक्षों के सामने सामने आ जाने पर मारपीट हुई। प्रधान पुत्र ने दूसरे पक्ष पर लाठी डंडों के साथ धारदार हथियार व राइफल तान देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी सनी चौधरी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शराब के लिए रुपये न देने पर पीटा, तीन भाइयों पर रिपोर्ट

नवाबगंज, अमृत विचार : गांव वहोर नगला में शराब के लिए रुपये न देने पर तीन भाइयों ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव वहोर नगला निवासी वीरेन्द्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही महेश कुमार, हरीश कुमार और दिनेश कुमार पुत्र रामबहादुर उसके पास आए और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। जब उसने पैसे देने से मना किया तो तीनों उस पर हमलावर हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने बांस से वार कर दिया, जिससे उसके सिर में गहरा घाव हो गया। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। फिलहाल, पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नहर कटने से फसलों में घुसा पानी, चिंता बढ़ी

फसलों में भरा नहर का पानी। ● अमृत विचार

- गांव मेथी नवदिया के नजदीक पहुंचा पानी
- किसानों ने भारी नुकसान की जताई आशंका

भदपुरा, अमृत विचार : शारदा खंड रजवाहा की नहर कटने से गांव मेथी नवदिया के आसपास और खेतों में पानी घुस गया। किसानों के अनुसार शुक्रवार रात को नहर कट गई। जिससे पानी सरसों और गेहूं की फसलों में भर गया। यदि पानी गेहूं के खेतों में भरा रहता है तो किसानों को भारी नुकसान हो सकता है।

किसानों ने बताया कि नहर में पानी का बहाव लगातार बढ़ रहा है। इससे उनकी चिंताएं बढ़ गई हैं। गांव के किसान सुरेश चंद्र, इंद्रपाल, प्रियांशु गंगवार और प्रधान उमाकांत सहित अन्य ग्रामीणों ने नहर विभाग और प्रशासन से तत्काल नहर का पानी बंद करने की मांग की है। किसानों के अनुसार यदि नहर के कटाव को तुरंत बंद नहीं किया गया तो पानी गांव में घुस सकता है। फिलहाल, लोगों की चिंता बढ़ गई है।

खुशहाली आश्रम पर होली मिलन समारोह आज

बिशारतगंज, अमृत विचार : गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भाजपा विधायक राघवेंद्र शर्मा ने रविवार को खुशहाली आश्रम पर होली मिलन कार्यक्रम रखा है। बिथरी चैनपुर के भाजपा विधायक डॉ राघवेंद्र शर्मा ने रविवार को दिन में 11 बजे से खुशहाली आश्रम निकट साउथ कॉलोनी बदायूं रोड, बरेली पर होली मिलन कार्यक्रम रखा है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने पुत्र रूकसाद खान को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा।
रूखसाना पत्नी स्व. मोहम्मद शफी खां
निवासी ग्राम नवीनगर थाना कैन्ट जिला बरेली

बिकाऊ है
करमपुर ठाकुरान मे हाईवे से 400 मीटर आगे, बड़े बाईपास के निकट, बरेली
6 बीघा कृषि व कामर्शियल योग्य भूमि
वास्तविक खरीदार सम्पर्क करें
7505565287
8394899871

Asim College of Law
Meera Sarai Sheikhupur Road, Budaun (UP)
Requirement
Principal
Eligibility: LL.M. and Ph.d. with 15 Years Teaching Experience
Assistant Professor (Law)
Eligibility: LL.M. and Ph.d. or NET
Assistant Professor (B.A.)
Subjects: Sociology, Political Science, Economics, English and History
Eligibility: M.A. and Ph.d. or NET
Interested candidate may submit their updated Resume along with relevant documents within15 days.
Note: Kindly send the resume at career.asmdc@gmail.com and mentioned the post of the SUBJECT column.
Ph. No. 724990233, 9410643446

NEW ENGLAND DEACONESS SCHOOL
REQUIRES
TGTs/PRT/Kindergarten Teachers
Trained, energetic convent educated and must be competent to teach in English
Salary no bar for deserving candidates
Transport facility available from Bareilly
Walk-in-interview on 29 March 2026
Mail your resume : nedsglobal@gmail.com
Contact/Whatsapp 9760938155

सूचना
मैं, रूप देई पत्नी मोहनलाल नि. ग्राम पीपलसाना चौधरी, थाना भोजीपुरा, तह. व जिला बरेली अपनी पुत्रवधू नीलम पाली पत्नी अमित पाली को उनके गलत/आचरण के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद करती हूं, पुत्रवधु नीलम पाली द्वारा किए गए कृत्यों की, वह स्वयं जिम्मेदार होगी, मेरी, व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना
मेरे ड्राइविंग लाइसेंस संख्या यूपी 2520100030693 में मेरा नाम विनोद कुमार राठौर दर्ज है। जबकि मेरे राशनकार्ड-115040721172, आधार कार्ड-856076733970,पैन कार्ड -AOZPV2300B में मेरा नाम विनोद है। भविष्य में मुझे विनोद के नाम से ही जाना जाए। विनोद पुत्र नत्थू लाल निवासी 161 महेशपुर अटरिया बरेली 9756890521

परिचय सम्मेलन
श्री अग्रवाल सभा कल्याण सोसायटी (रजि.) बरेली द्वारा आयोजित अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन दिनांक 17-18 मार्च 2026 शीघ्र पंजीयन करायें। सम्पर्क :- 9897181723, 9412466473, 9927047430, 9412048528, 9927833351, 9927324855

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 8 मार्च 2026 www.amritvichar.com

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

विकसित भारत का आधार
नारी शक्ति

डॉ.पारुल तोमर
साहित्यकार, नोएडा

भारत के निर्माण और विकास में नारी का योगदान अद्वितीय रहा है। जहां एक ओर वह सृजन की जननी है, वहीं दूसरी ओर वह समाज की संस्कारशाला भी है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति, विज्ञान, खेल और रक्षा हर क्षेत्र में भारतीय नारी ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। हर वर्ष महिला दिवस के अवसर पर नए-नए नारे सामने आते हैं। वर्ष 2026 में भी 'Give to Gain' जैसे आकर्षक सूत्र-वाक्य के साथ स्त्री-सशक्तीकरण की चर्चा हो रही है। परंतु एक प्रश्न मन को बार-बार कचोटता है कि ये सब कब तक यूं ही चलता रहेगा? क्या ये विचार केवल मंचों, सेमिनारों और लेखों तक सीमित रहेंगे या कभी हमारे चरित्र और व्यवहार का हिस्सा भी बन पाएंगे? वास्तव में किसी भी विचार का मूल्य तभी होता है, जब वह जीवन में उतरकर व्यवहार में प्रकट हो। नारी शक्ति के बिना किसी भी राष्ट्र की प्रगति अधूरी है। आज जब भारत "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि नारी को उसके पूरे अधिकार, अवसर और सम्मान मिलें।

समाज में स्त्री-अधिकार की चर्चा कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है, जब सामाजिक सुधार आंदोलनों की शुरुआत हुई, तब अनेक व्यक्तित्वों ने स्त्रियों की स्थिति को सुधारने के लिए साहसिक प्रयास किए। सावित्रीबाई फुले ने बालिकाओं की शिक्षा के लिए विद्यालय खोले, जबकि उस समय स्त्री शिक्षा को समाज स्वीकार नहीं करता था। उन्हें पत्थर और गालियां सहनी पड़ीं, पर उन्होंने अपना प्रयास नहीं छोड़ा। इसी प्रकार राजा राममोहन राय ने सती प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति के विरुद्ध संघर्ष किया। वास्तविक परिवर्तन के लिए किसी नारे या उत्सव की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। समस्या का एक पहलू यह भी है कि आज समाज में प्रसिद्धि की आकांक्षा अत्यधिक बढ़ गई है। अभिव्यक्ति का उद्देश्य विचार-विमर्श से अधिक दृश्यता प्राप्त करना हो गया है। विशेष रूप से सोशल मीडिया और प्रकाशन की सहज उपलब्धता ने छपास की एक नई प्रवृत्ति को जन्म दिया है, जहां लिखना, बोलना और दिखना ही लक्ष्य बन जाता है। विचार की गहराई, आत्मानुशासन और बौद्धिक ईमानदारी पीछे छूट जाती है। कई बार यह भी प्रतीत होता है कि स्त्री-विमर्श का एक बड़ा हिस्सा केवल आकर्षक प्रस्तुतियों और भावनात्मक अपीलों तक सीमित रह गया है। त्रिया-चरित्र की लुभावन छवि, साम-दाम-दंड-भेद के माध्यम से प्रभाव जमाने की प्रवृत्ति और किसी भी तरह चर्चा में बने रहने की चाहत, ये सब मिलकर विमर्श को सतही बना देते हैं। ज्ञान, विनम्रता और बौद्धिक अनुशासन जैसे मूल तत्व कहीं पीछे छूट जाते हैं, जबकि वैदिक काल में स्त्रियां केवल गृहस्थ जीवन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे दार्शनिक और आध्यात्मिक विमर्श की सक्रिय सहभागी थीं। वैदिक सभाओं में विदुषी महिलाएं वाद-विवाद में भाग लेती थीं।

आज अक्षरज्ञान को ही ज्ञान समझ लेने का भ्रम भी तेजी से फैल रहा है। कुछ डिग्रियों, कुछ पुस्तकों का अध्ययन या इंटरनेट से प्राप्त जानकारी को ही कई लोग ज्ञान का प्रमाण मान लेते हैं। जबकि वास्तविक ज्ञान विवेक, तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विकसित होता है। विश्लेषण करने की क्षमता, प्रश्न पूछने का साहस और प्रमाण के आधार पर विचार करने की प्रवृत्ति ये सभी गुण ज्ञान को सार्थक बनाते हैं। स्त्री-सशक्तीकरण की चर्चा करते समय यह भी आवश्यक है कि हम अपने अतीत को संतुलित दृष्टि से समझें। अतीत की परंपराओं को न तो अंधभक्ति से स्वीकार करना चाहिए और न ही उन्हें पूरी तरह अस्वीकार कर देना चाहिए। अतीत को तार्किक रूप से समझना आवश्यक है, क्योंकि किसी भी सामाजिक व्यवस्था के पीछे देश, काल, परिस्थिति और घटनाक्रम की भूमिका होती है। जब परिस्थितियां बदलती हैं, तो सामाजिक संरचनाएं भी बदलती हैं। इसलिए अतीत की पूंछ पकड़कर वर्तमान की वैतरणी पार नहीं की जा सकती।

जीवन की प्रथम सृजक स्त्री

इतिहास पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट होता है कि स्त्री कभी पूर्णत: शक्तिहीन नहीं रही। परिवार और समाज की संरचना में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वह मां, बहन, बेटी, मित्र और मार्गदर्शक के रूप में समाज को दिशा देती है। नौ महीनों तक अपने गर्भ में एक नए जीवन को धारण करना केवल जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सृजन की अद्भुत क्षमता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो स्त्री जीवन की प्रथम सृजक है। उसकी शक्ति केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी है। पुरुष का व्यक्तित्व भी अनेक रूपों में स्त्री से ही प्रभावित होता है। मां के संस्कार, बहन का स्नेह, बेटी की संवेदनाएं और मित्र का सहयोग उसके जीवन को आकार देते हैं। इसलिए यह कहना कि स्त्री केवल शोषित या असहाय रही है, सही नहीं होगा। अक्सर सामाजिक संरचनाओं में स्त्री स्वयं भी उन परंपराओं को आगे बढ़ाती रही है, जो उसके लिए ही बाधक बन जाती हैं। कई बार वह स्वयं अपनी शक्ति को पहचान नहीं पाती है।

स्वतंत्रता और दायित्व के बीच संतुलन जरूरी

आज का समय निरंतर परिवर्तन का समय है। मानसिकताएं बदल रही हैं, जीवनशैली बदल रही है और सामाजिक संबंधों के स्वरूप भी बदल रहे हैं। ऐसे में स्त्री-विमर्श भी अनेक दिशाओं में फैल गया है। कभी समान कार्य के लिए समान वेतन की बात उठती है, तो कभी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सर्वोपरि मानने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। आधुनिक स्त्री विमर्श के भीतर एक अन्य चुनौती भी दिखाई देती है, पश्चिमी विचारों का अनालोचित अनुकरण। तब विमर्श का केंद्र धीरे-धीरे केवल बाहरी प्रतीकों तक सीमित हो जाता है, जैसे वस्त्र, जीवनशैली या व्यवहार की नकल। विमर्श का मूल उद्देश्य धुंधला पड़ने लगता है। कभी शरीर की मुक्ति को ही स्वतंत्रता का प्रतीक बना दिया जाता है, तो कभी पुरुषों की जीवनशैली को अपनाने को आधुनिकता का प्रमाण मान लिया जाता है। इसके बाद विमर्श का स्वरूप उस दिशा में भी मुड़ता दिखाई देता है, जहां विवाह, मातृत्व और परिवार जैसी संस्थाओं को ही अनावश्यक बोझ बताने की प्रवृत्ति सामने आती है। लिव-इन संबंधों को पूर्ण स्वतंत्रता का प्रतीक मानने वाली सोच भी इसी प्रवृत्ति का हिस्सा है। धीरे-धीरे यह विचार जन्म लेने लगता है कि जीवन केवल वर्तमान क्षण को जी लेने का नाम है। दायित्वों और संबंधों से मुक्त होकर। ऐसी मानसिकता यदि व्यापक रूप ले ले, तो समाज में नैतिकता और मूल्यों का आधार कमजोर पड़ सकता है। स्वतंत्रता का अर्थ यदि केवल बंधनों से मुक्ति मान लिया जाए, तो जिम्मेदारी और अनुशासन के लिए स्थान कहां बचेगा? इसलिए आवश्यक है कि स्वतंत्रता और दायित्व के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। विडंबना यह भी है कि जिन समाजों से ये विचार उत्पन्न हुए थे, वे स्वयं अब अपनी जड़ों की ओर लौटने की कोशिश कर रहे हैं। वहां परिवार और समुदाय की भूमिका को पुन: महत्व दिया जा रहा है। जबकि हम कई बार बिना विचार किए, उन्हीं प्रवृत्तियों को अपनाने के लिए उत्सुक दिखाई देते हैं।

संवाद और चिंतन की परंपरा

आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो, वहां पर भी स्त्री-समानता की स्थिति पूरी तरह समान नहीं है। विकसित देशों में शिक्षा और कानूनी सुरक्षा की सुविधाएं अधिक हैं, परंतु वहां भी अदृश्य बाधाएं मौजूद हैं, जिसे "ग्लास सीलिंग" कहा जाता है। एक ऐसी अदृश्य सीमा, जो स्त्रियों को उच्चतम नेतृत्व पदों तक पहुंचने से रोकती है। उदाहरण के लिए, दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्रों में से एक संयुक्त राज्य अमेरिका में अब तक कोई महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई है। हाल के वर्षों में हिलेरी क्लिंटन और कमला हैरिस जैसी प्रभावशाली महिलाओं ने शीर्ष पदों तक पहुंचने का प्रयास किया, परंतु उन्हें अंतिम सफलता नहीं मिली। केवल कानून और नीतियां पर्याप्त नहीं होती हैं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का परिवर्तन भी उतना ही आवश्यक है। वह व्यक्तियों के आचरण, अनुशासन और अनुभव से निर्मित होता है। अखबारों और पत्रिकाओं के पन्नों पर छपे विचार तब तक प्रभावी नहीं होते, जब तक वे जीवन में व्यवहार के रूप में प्रकट न हों। पुराने समय में ज्ञान की कसौटियां भी अलग थीं। विद्वानों की संगत में बैठना, विचार-विमर्श करना और अपने ज्ञान को तर्क की कसौटी पर कसना। ये सब बौद्धिक विकास की प्रक्रियाएं थीं। आज सूचना की उपलब्धता तो बढ़ गई है, परंतु संवाद और चिंतन की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। अक्सर लोग बिना गहराई से सोचे या समझे अपनी राय व्यक्त कर देते हैं। तर्कपूर्ण चर्चा की जगह कई बार सतही बहस या मतभेद देखने को मिलते हैं। परिणामस्वरूप ज्ञान की गहराई और चिंतन की गंभीरता प्रभावित होती है। हमें संवाद और चिंतन की उस पुरानी परंपरा को पुन: जीवित करने का प्रयास करना चाहिए। केवल जानकारी प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस जानकारी का विश्लेषण करना, उस पर विचार करना और दूसरों के साथ सार्थक चर्चा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब हम विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनते और समझते हैं, तभी हमारा ज्ञान व्यापक और संतुलित बनता है।

'Give to Gain' का वास्तविक अर्थ भी यही है कि प्राप्ति का मार्ग देने से होकर गुजरता है। यदि समाज में स्त्री और पुरुष दोनों मिलकर समानता, सम्मान और सहयोग की भावना को अपनाएं, तो समाज में संतुलन और प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। सशक्तीकरण का अर्थ किसी एक पक्ष की विजय नहीं, बल्कि दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। अंतत: यह कहा जा सकता है कि स्त्री-सशक्तीकरण एक सतत प्रक्रिया है, कोई एक दिन या एक नारा इसे पूर्ण नहीं कर सकता। यह आत्मबोध, शिक्षा, सामाजिक सहयोग और नैतिक चेतना के संयुक्त प्रयास से ही संभव है। जब स्त्री स्वयं अपनी शक्ति को पहचानेगी, तर्क और विवेक के साथ निर्णय लेगी और समाज भी उसे समान अवसर प्रदान करेगा, तब 'Give to Gain' जैसे नारे केवल शब्द नहीं रहेंगे, बल्कि जीवन के वास्तविक सूत्र बन जाएंगे।

राष्ट्र की उन्नति में नारी की भूमिका

नारी शक्ति केवल घर की दीवारों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र की दिशा तय करने में भी समान रूप से भागीदार है। प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए "नारी शक्ति वंदन अधिनियम", "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ", "महिला स्वयं सहायता समूह" जैसी योजनाएं इसी विचार को सशक्त करती हैं कि नारी का सशक्तीकरण ही विकसित भारत का सशक्त आधार है। इन पहलों के माध्यम से महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, सम्मान और निर्णय लेने की क्षमता भी निरंतर मिल रही है। अंतत: जब समाज नारी को बराबरी का अधिकार और अवसर देगा, तभी भारत का विकास संपूर्ण और स्थायी होगा। नारी शक्ति ही नवभारत की प्रेरणा और उन्नति का प्राण है। एक सशक्त नारी से ही मजबूत समाज की नींव पड़ती है।

डॉ. योगिता जोशी
शिक्षाविद् व साहित्यकार

महिलाओं के उत्थान एवं उनको मजबूत बनाने की पहल कोई नई बात नहीं है। आजादी के बाद से उनको सशक्त बनाने के लिए व्यापक रणनीतियां बनती रही हैं। आर्थिक, सामाजिक स्तर सुधारने के लिए महिलाओं को केन्द्र सरकार ने सारी जटिल प्रक्रियाओं को शिथिल कर उन्हें बेहतर सुविधा देने की कोशिश भी की है। इक्कीसवीं सदी में नारियों की स्थिति में बदलाव एवं उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने हेतु एक व्यापक कार्ययोजना की रूपरेखा तो सुनिश्चित हो चुकी है। स्त्री के समीकरण नए विकास एवं चिंतन के साथ जुड़ने लगे हैं। महिलाएं समाज में अपनी स्थिति, अधिकारों और समस्याओं के प्रति चिंतित एवं गंभीर दिखलाई देने लगी हैं।

नारी मुक्ति के लिए नारियों को आना होगा आगे

इधर कुछ वर्षों में महिलाओं की सोच एवं समाज के नजरिए में भी भारी अंतर आया है। पिछले दस वर्षों में महिलाओं की स्थिति पर एक समीक्षात्मक दृष्टि डालें, तो हम पाते हैं कि उनकी तस्वीर इन दस वर्षों में कुछ हद तक साफ हुई है। उनके जीवन स्तर एवं विचारों में बदलाव आया है। पुरुषों के मुकाबले स्त्री दोगुना कार्य करती है, फिर भी उनकी योग्यता को समाज नजरअंदाज कर देता है। आखिर कौन लगाएगा आगे बढ़कर नारीवाद का नारा? कौन थामेगा इसकी बागडोर? यह तो तय बात है कि महिलाओं को सशक्त करने के लिए कोई फरिश्ता या मसीहा तो अवतरित नहीं होगा और न समाज को नारीवाद की परिभाषा पढ़ाने से कोई बात बनेगी। नारी मुक्ति के लिए नारियों को ही आगे आना होगा। उन्हें अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना होगा। व्यापक स्तर पर नारी मुक्ति आंदोलन का सूत्रपात करना होगा। उत्पीड़ित नारियों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर उत्पीड़ित नारीवाद के खिलाफ तनना होगा। सहायता, सम्मान, सुरक्षा को हासिल करने का एक लक्ष्य निर्धारित करना होगा। समाज महिलाओं से नैतिक आचरण रखे, उसे भी पुरुषों की तरह सद्भाव एवं सम्मान दे, इसके लिए महिलाओं को अनुकूल परिस्थितियां बनानी होंगी। वे कौन से कारण हैं कि बहू को ससुराल में अपना सर्वस्व समर्पण के बाद भी घर-परिवार में ही उचित सम्मान नहीं मिलता। सास-बहू के कड़वे रिश्ते जगजाहिर हैं। भ्रूण हत्या को महिलाएं ही प्रोत्साहित कर रही हैं। एक महिला द्वारा महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर अंकुश का यह दूरगामी कुचक्र को नारी ही पोषित कर रही है। इन दोषों को महिलाएं अपने स्वस्थ्य चिंतन से बदल सकती हैं। अपने (मायका) घर की समस्त यादों को पूंजी के रूप में लाने वाली बहू ससुराल में सदा पराई ही समझी जाती रही है। घर से बाहर जाने पर प्रतिबंध, किसी से खुलकर बातें करने पर प्रतिबंध, अपनी मर्जी से कोई निर्णय लेने पर प्रतिबंध, प्रतिबंधों में रहती बहू घूंघट में ही सारी दुनिया को समेट लेती है। महिला सशक्तिकरण का एक अंग- बहू सशक्तिकरण भी होना चाहिए।

रसोई तक सीमित नहीं है नारी

आज नारी की विशेषताओं का लाभ परिवार एवं समाज को प्राप्त नहीं हो पा रहा है। इसका कारण यही समझ में आता है कि समाज में एक लंबे समय से नारी उपेक्षित होती रही है। यदि पुरुष सच्ची सुख-शांति चाहता है, तो उसे स्त्री का सम्मान करना सीखना होगा। अपने नजरिए को बदलना होगा। पुरुष वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे यह कहने में कोई भय नहीं कि स्त्री आज आत्महीनता की ग्रंथि में जकड़ी हुई है। महिला सशक्तिकरण की यह प्रशासकीय पहल की सार्थकता तभी है, जब हम जहां हैं, जिस स्तर के हैं, अपने चिंतन में यह बदलाव लाएं कि हमें नारी का सम्मान करना है। उनकी वर्तमान सामाजिक स्थिति के लिए अपना दायित्व निभाना है। अब नारी रसोई तक सीमित नहीं रह गई है। वह आगे आने, ऊपर आने के अवसर को पकड़ना चाह रही है। भारत सरकार के मानव विकास मंत्रालय के महिला बाल विकास विभाग ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कई लक्ष्य एवं योजनाएं निर्धारित की हैं। महिलाओं को पुरुषों के समान हर क्षेत्र में समान अधिकार एवं उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शासन की संवेदनशीलता काबिले-तारीफ है। हम भी चाहते हैं कि उन्हें कोल्हू के बैल की तरह रसोई, घर-गृहस्थी में न जुटना पड़े, उन्हें थोड़ी राहत मिले। समान अवसर मिले। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिले। महिला सशक्तिकरण नीति के क्रियान्वयन में पुरुषों का सहयोग बहुत जरूरी है। पंचायतीराज, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्थानीय स्वशासन से जड़े लोगों को महिला सशक्तीकरण की इस नीति के प्रचार-प्रसार एवं इसके सुचारू रूप से संचालन में निष्ठापूर्वक मदद करनी होगी। पंचायती स्तर से महिलाओं के सामाजिक स्तर के उन्नयन के लिए कई आर्थिक मदद वर्षों से दी जा रही है। बैंकों से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए ऋण, गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली महिलाओं को शासकीय सुविधाएं तो लंबे समय से दी जा रही हैं, लेकिन इससे महिलाओं को कम भ्रष्टाचार को अधिक बढ़ावा मिला है।

आर्थिक स्वावलंबन: सशक्त भारत की अनिवार्यता

नारी शक्ति तभी वास्तविक रूप में प्रकट होती है, जब वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो। भारत में अब लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार कर रही हैं। कोई सिलाई-कढ़ाई से, कोई हस्तशिल्प या कृषि-उद्योग से जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, महिला उद्यमिता मंच, आदि ने हजारों महिलाओं को अपने सपनों को व्यवसाय में बदलने की दिशा दी है।

डिजिटल भारत में नारी शक्ति

21 वीं सदी में भारत डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। आज महिलाएं मोबाइल, इंटरनेट और तकनीक के माध्यम से अपने व्यवसाय चला रही हैं, ऑनलाइन शिक्षा ले रही हैं, ब्लॉगिंग, कंटेंट क्रिएशन और ई-कॉमर्स से जुड़ रही हैं। ग्रामीण भारत की महिलाएं अब डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान और सरकारी सेवाओं का उपयोग कर रही हैं। डिजिटल सशक्तिकरण वास्तव में "विकसित भारत" की रीढ़ बनता जा रहा है और नारी इस परिवर्तन का अभिन्न हिस्सा है।

नारी सशक्तीकरण में चुनौतियां

नारी प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रही है, फिर भी कई चुनौतियां अभी भी उसके सामने हैं। इन चुनौतियों को स्वीकार कर उनका समाधान निकालना ही "विकसित भारत" की दिशा में वास्तविक कदम होगा। भारत सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं। परंतु केवल सरकार नहीं, समाज की मानसिकता में बदलाव सबसे आवश्यक है। जब हर परिवार में बेटा-बेटी को समान दृष्टि से देखा जाएगा, जब माता-पिता बेटियों को अपने सपनों के लिए प्रेरित करेंगे, जब कार्यस्थल महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक होंगे, तभी "नारी शक्ति" वास्तव में विकसित भारत की नींव बनेगी।

क्या कहता है समाज

स्थायी रूप से सुरक्षित अधिकार जरूरी

पिछले वर्षों में महिलाओं पर हिंसा बढ़ी है और दलित आदिवासी ओबीसी स्त्रियां दोहरी मार झेल रही हैं। मीडिया में पितृसत्ता के अनुकूल छवियां गढ़ी जा रही हैं, जबकि निर्भीक स्त्रियों पर हमले तेज हुए हैं। अदालतों के कई निर्णय भी स्त्री विरोधी प्रतीत होते हैं। भारत में रेप कल्चर और जातीय हिंसा सामाजिक संरचना की गहरी बीमारी है। महिलाओं को कुछ पद मिले हैं, पर यह केवल सांख्यिकीय उपलब्धि है। शिक्षा रोजगार और विज्ञानवादी समाज की ओर बढ़ने के बजाय हम अंधविश्वास और पाखंड में फंस रहे हैं। ऐसे समय में महिला आंदोलन को फिर से संगठित होकर जाति वर्ग और लैंगिकता के सवालों को जोड़ना होगा और साहित्य कला व मीडिया में वैकल्पिक स्त्री छवियों को सामने लाना होगा। हमें केवल कागजों या विज्ञापनों में नहीं, बल्कि स्थायी रूप से स्त्रियों की स्वतंत्रता सम्मान और अधिकार सुरक्षित करके मनाना होगा।

-अनिता भारती लेखिका, नई दिल्ली

साझा जिम्मेदारी याद दिलाने का दिन

आज महिलाएं आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के स्वाभिमान और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने, उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य की सराहना करने और उनके हौसले को बढ़ाने वाला उत्सव भरा दिन है। साथ ही महिलाओं के प्रति की जाने वाली हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाने का दिन है। शहरी महिलाओं में जो प्रगति हमें दिखाई देती है वह ग्रामीण क्षेत्रों, कृषक और श्रमिक महिलाओं में न के बराबर दिखाई देती है। यह दिन महिलाओं के लिए आवाज उठाने का भी है, जिनकी आवाज दबा दी जाती है, बल्कि मैं तो यह कहूंगी कि यह दिन महिलाओं का तो है ही साथ ही पूरे समाज का दिन है। पुरुषों की सोच बदलने और सहयोग के बिना वास्तविक समानता संभव नहीं है, इसलिए यह दिन साझा जिम्मेदारी की याद दिलाने का भी दिन है।

- डॉ. अवंतिका सिंह, लेखिका लखनऊ

संघर्ष, साहस और संकल्प

महिला दिवस उन असंख्य स्त्रियों के संघर्ष, साहस और संकल्प को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अस्तित्व की लौ जलाए रखी। मेरे लिए यह दिन बाहरी सम्मान से अधिक भीतर की स्वीकृति का प्रतीक है। जब एक स्त्री स्वयं को स्वीकार करती है, अपनी क्षमताओं पर विश्वास करती है और अपने निर्णयों की जिम्मेदारी लेती है, तभी वह सच में सशक्त होती है। महिला दिवस हमें यह भी सिखाता है कि समानता केवल अधिकारों की बात नहीं, बल्कि अवसरों की समता और दृष्टिकोण की संवेदनशीलता से जुड़ी है। यह दिन मां की ममता, बेटी के सपनों, बहन के विश्वास और सहकर्मी के सहयोग को पहचानने का दिन है। यह उन स्त्रियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो घर और कार्यस्थल दोनों जगह संतुलन बनाते हुए समाज की रीढ़ बनी हुई हैं।

- डॉ. राखी सिंह कटियार, वड़ोदरा गुजरात

खुद को शक्तिशाली महसूस करने का दिन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हर सजग और संवेदनशील भारतीय स्त्री का मन चिंतनशील हो उठता है। उसे जीवन की अन्यायपूर्ण दशाएं कचोटने लगती हैं। आज के दिन वह अपने आप को थोड़ा अधिक शक्ति संपन्न होती अनुभव करती है। असंख्य स्त्रियों के अप्राप्य अधिकारों की वापसी उसकी आंखों में रोशनी बन झिलमिलाने लगती है। इतिहास और वर्तमान की अनगिनत स्त्री चेतना से संपन्न ध्वनियों को वह इस तरह सुनने की चेष्टा करती है मानो अब उसे एक बार फिर आत्मसम्मान से बेदखल करके निर्जीव निद्रा में न धकेल दिया जाए। अब वह सदियों तक जागना चाहती है।

- डॉ. अनुपम पटेल, असिस्टेंट प्रोफेसर ,लखनऊ विश्वविद्यालय

समाज की रीढ़ महिलाएं

महिला दिवस शक्ति, समर्पण और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जो महिलाओं के अधिकारों और उनकी समाज में भूमिका को सम्मानित करने का दिन है। यह दिन हमें महिलाओं के योगदान, उनकी शक्ति और उनके संघर्षों को याद करने का अवसर है। हमें ये सुनिश्चित करना चाहिए कि हर महिला को अपने सपनों को साकार करने का समान अवसर मिले। सही अर्थों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सार्थकता तभी होगी। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र मजबूत बनेगा।

-सईदा रिजवी, सामाजिक कार्यकर्ता, लखनऊ

अधिकारों के प्रति जागरूकता

यह दिन महिलाओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उनके द्वारा सराहनीय कार्यों के लिए दुनिया को एक नई दिशा और दशा देने में निभाई गई उनकी अनिवार्य भूमिका को मान्यता देने का अवसर है। महिला दिवस मनाने का उद्देश्य यह है कि महिलाओं ने अपने अधिकारों, स्वतंत्रता, समानता, समान भागीदारी के लिए जो संघर्ष किया है और जो संघर्ष कर रही हैं, उन सभी महिलाओं को और उनके जज्बे को याद करने का दिन है। इस संघर्ष को और मजबूती से आगे बढ़ाते हुए अपने अस्तित्व का एहसास कराना ही महिला दिवस का उद्देश्य है। महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और उन्हें सम्मान दिया जाए। जब हम भारत की महिलाओं की बात करते हैं उनके उत्थान, संघर्ष और समस्याओं परखते हैं, तब भारत में सभी महिलाओं की स्थिति एक जैसी नजर नहीं आती। असल मायने में जब हमारा समाज पूर्वाग्रह से मुक्त होकर महिलाओं के साथ वाकई बराबरी का व्यवहार करें, उनके फैसलों का सम्मान करें और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का पूरा मौका दें। समाज उन्हें सिर्फ एक दिन नहीं, हर दिन सम्मान और बराबरी दे तभी महिला दिवस की सार्थकता सिद्ध हो सकती है।

- जितेन्द्र कुमार छात्र, लखनऊ विश्वविद्यालय

सोरायसिस-केवल त्वचा रोग नहीं, एक आंतरिक असंतुलन

सोरायसिस एक दीर्घकालिक, जटिल और बार-बार उभरने वाला त्वचा रोग है, जो केवल त्वचा की सतह तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यक्ति के संपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। यह रोग कभी हल्के तो कभी गंभीर रूप में प्रकट होता है और कई बार वर्षों तक बना रहता है। रोगी को खुजली, जलन, पपड़ी, त्वचा का फटना तथा मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

आयुर्वेद का दृष्टिकोण समग्र है-यह केवल त्वचा के लक्षणों को नहीं, बल्कि शरीर के आंतरिक दोषों, पाचन शक्ति, रक्त की शुद्धता और मानसिक स्थिति को भी समान रूप से महत्व देता है।

सोरायसिस एक Autoimmune Disorder है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अत्यधिक सक्रिय होकर त्वचा की स्वस्थ कोशिकाओं पर ही आक्रमण करने लगती है। सामान्यतः त्वचा की कोशिकाएं लगभग 28 दिनों में बनती और झड़ती हैं, लेकिन सोरायसिस में यह प्रक्रिया केवल 3-5 दिनों में पूरी हो जाती है। परिणामस्वरूप त्वचा पर लाल, मोटे और चांदी जैसी पपड़ीदार चकत्ते बन जाते हैं। यह रोग संक्रामक नहीं है अर्थात् छूने या साथ रहने से नहीं फैलता। फिर भी, इसके दृश्य लक्षणों के कारण रोगी को सामाजिक संकोच और आत्मविश्वास में कमी का अनुभव होता है।

आयुर्वेद में सोरायसिस की संकल्पना

आयुर्वेद के अनुसार यह रोग मुख्यतः वात और कफ दोष की विकृति से उत्पन्न होता है, जिसमें पित्त और दूषित रक्त की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब व्यक्ति अनियमित भोजन, विरुद्ध आहार (जैसे दूध और नमकीन का संयोजन), अत्यधिक तैलीय व मसालेदार भोजन या बासी आहार का सेवन करता है, तो जठराग्नि मंद हो जाती है। अग्निमांद्य के कारण "आम" का निर्माण होता है, जो रक्त धातु में मिलकर त्वचा को दूषित करता है और रोग उत्पन्न करता है। सोरायसिस (एककुष्ठ) एक त्रिदोषज, रक्तप्रधान विकार है, जिसकी जड़ अग्निमांद्य, आम और रक्तदूष्यता में निहित है। आयुर्वेद इस रोग को केवल त्वचा की समस्या नहीं, बल्कि संपूर्ण शरीर और मन के असंतुलन के रूप में देखता है। शोधन, शमन, रसायन, संतुलित आहार और मानसिक शांति-इन सिद्धांतों पर आधारित उपचार से रोग को नियंत्रित किया जा सकता है तथा पुनरावृत्ति को कम किया जा सकता है।

रोग की उत्पत्ति

सोरायसिस की उत्पत्ति आयुर्वेद के अनुसार अग्निमांद्य से प्रारंभ होती है। जब जठराग्नि मंद हो जाती है, तो भोजन पूर्ण रूप से पच नहीं पाता और "आम" नामक विषाक्त तत्व का निर्माण होता है। यह आम रक्त धातु में मिलकर उसे दूषित करता है। दूषित रक्त जब त्वचा तक पहुंचता है, तब वहां विकृति उत्पन्न होती है। वात दोष की वृद्धि से त्वचा में रूखापन और पपड़ी बनती है, कफ दोष से मोटापन और स्थिरता आती है, जबकि पित्त दोष लालिमा और दाह उत्पन्न करता है। इस प्रकार सोरायसिस एक त्रिदोषज तथा रक्तप्रधान विकार के रूप में विकसित होता है।

प्रमुख लक्षण

सोरायसिस में त्वचा पर लाल चकत्ते बनते हैं, जिन पर चांदी जैसी पपड़ी जमी रहती है। खुजली, जलन और त्वचा का फटना सामान्य लक्षण हैं। कुछ रोगियों में नाखूनों में गड्ढे पड़ जाते हैं या उनका रंग बदल जाता है। यदि रोग जोड़ों तक पहुंच जाए तो सूजन, दर्द और अकड़न उत्पन्न हो सकती है, जिसे सोरायटिक आर्थराइटिस कहा जाता है।

आयुर्वेदिक उपचार पद्धति

आयुर्वेद में सोरायसिस का उपचार शोधन, शमन और रसायन-इन तीन आधारों पर किया जाता है। शोधन चिकित्सा के अंतर्गत पंचकर्म को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। विरेचन पित्त और रक्तदोष की शुद्धि के लिए प्रभावी है, रक्तमोक्षण दूषित रक्त को निकालकर त्वचा विकार में राहत देता है, वमन कफ दोष की अधिकता में सहायक है तथा बस्ति वात संतुलन में उपयोगी है। शास्त्रों में कहा गया है-कुष्ठ रोगों में शोधन सर्वोत्तम उपचार है।

शमन चिकित्सा में दोषों को संतुलित करने के लिए औषधियों का प्रयोग किया जाता है। नीम, मंजीष्ठा, गिलोय, हरिद्रा और खदिर जैसी औषधियां रक्तशोधक एवं सूजनरोधी गुणों से युक्त मानी जाती हैं। पंचतिक्त घृत तथा आरोग्यवर्धिनी वटी, पंचतिक्त घृत गुग्गलु जैसी योग चिकित्सकीय परामर्श से दी जाती हैं।

रसायन चिकित्सा और पुनरावृत्ति की रोकथाम

सोरायसिस में रोग के शांत होने के बाद भी पुनरावृत्ति की संभावना बनी रहती है। इसलिए आयुर्वेद में रसायन चिकित्सा का विशेष महत्व है। गुडूची, आंवला तथा घृत आधारित योग धातु पोषण में सहायक होते हैं और प्रतिरक्षा संतुलन को बनाए रखते हैं। नियमित पथ्य पालन और ऋतुचर्या का अनुसरण पुनरावृत्ति की संभावना को कम करता है।

आहार और परहेज

आहार इस रोग के नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। रोगी को सात्विक, हल्का और सुपाच्य भोजन करना चाहिए। हरी सब्जियां, करेला, लौकी, त्रिफला और गुनगुना जल लाभकारी हैं। दही, बैंगन, अत्यधिक नमक-मिर्च, फास्ट फूड, पैकेज्ड भोजन और बासी आहार नहीं करना चाहिए। विरुद्ध आहार का त्याग अनिवार्य है।

बाह्य उपचार और देखभाल

औषधीय तेलों से अभ्यंग, नीम जल से स्नान और एलोवेरा लेप त्वचा को शीतलता प्रदान करते हैं। ये उपचार शुष्कता कम करते हैं और त्वचा की मरम्मत में सहायता करते हैं।

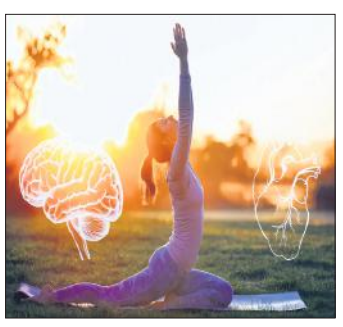

मानसिक स्वास्थ्य और योग

आयुर्वेद मन और शरीर को एक इकाई मानता है। अत्यधिक तनाव, चिंता और क्रोध दोषों को बढ़ाते हैं और सोरायसिस की तीव्रता बढ़ा सकते हैं। योग, ध्यान, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच उपचार का महत्वपूर्ण भाग हैं।

सोरायसिस एक जटिल, किंतु नियंत्रित किया जा सकने वाला रोग है। आयुर्वेद इसे समग्र दृष्टिकोण से देखता है, जिसमें शरीर, मन और आहार का संतुलन आवश्यक है। उचित शोधन-शमन उपचार, संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक सोच से रोग को लंबे समय तक नियंत्रित रखा जा सकता है।

रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली, समर्पित आयुर्वेदिक उपचार और जागरूकता के माध्यम से रोगियों को स्वस्थ जीवन की ओर मार्गदर्शन प्रदान करता है। अधिकांश रोगियों में पंचकर्म एवं योग से सोरायसिस से पूर्ण रूप से उपचार प्राप्त किया जा सकता है ।

दोषों के अनुसार लहसुन औषधि या असंतुलन

मनीष कुमार सोलंकी
फूड ब्लॉगर

लहसुन को लेकर अक्सर कहा जाता है कि यह इम्यूनिटी बढ़ाता है, कोलेस्ट्रॉल कम करता है और गैस की समस्या दूर करता है, लेकिन आयुर्वेद का दृष्टिकोण इससे भी गहरा है। असली प्रश्न यह है कि लहसुन आपके दोष-वात, पित्त या कफ पर क्या प्रभाव डालता है? क्या तीनों प्रकृति के लोग कच्चा लहसुन समान रूप से ले सकते हैं या किसी एक दोष में यह हानि भी पहुंचा सकता है? आइए, इसे दोषों के अनुसार समझते हैं।

क्यों महत्वपूर्ण है लहसुन की तासीर

आयुर्वेद के अनुसार कच्चे लहसुन की तासीर उष्ण (गर्म) होती है। इसका रस तीखा है और इसमें हल्की स्निग्धता (ऑयली नेचर) भी पाई जाती है। यही गुण तय करते हैं कि यह किस दोष को संतुलित करेगा और किसे बढ़ा सकता है।

वात दोष

वात की प्रकृति ठंडी और रूखी होती है। जिन लोगों में वात अधिक होता है, उन्हें जोड़ों का दर्द, नसों में खिंचाव, गैस, अफारा, सूखापन और सुन्नपन जैसी समस्याएं अधिक सताती हैं। लहसुन की गर्म और स्निग्ध प्रकृति वात की ठंडक और रूखेपन को संतुलित करती है। इसलिए वात प्रकृति के लोगों के लिए कच्चा लहसुन लाभकारी हो सकता है।

संभावित लाभ

- जोड़ों और नसों के दर्द में राहत
- गैस और पेट फूलने की समस्या में कमी
- झुनझुनी या नर्व वीकनेस में सुधार

सेवन विधि

सुबह खाली पेट एक से दो कली लहसुन को कूटकर या बारीक काटकर पांच मिनट खुली हवा में रखें। इसके बाद सादे या हल्के गुनगुने पानी के साथ निगल लें। यह तरीका वात संतुलन के लिए उपयुक्त माना जाता है।

पित्त दोष

पित्त स्वयं उष्ण और तीखा होता है, जिनमें पित्त अधिक होता है, उन्हें एसिडिटी, सीने में जलन, अधिक पसीना, चिड़चिड़ापन और त्वचा संबंधी समस्याएं जल्दी होती हैं। ऐसे में सीधे कच्चा लहसुन लेना पित्त को और बढ़ा सकता है। इससे जलन, एसिडिटी या त्वचा पर रिएक्शन की आशंका रहती है। क्या पित्त वाले लहसुन न लें? नहीं, परंतु सेवन की विधि बदलनी आवश्यक है।

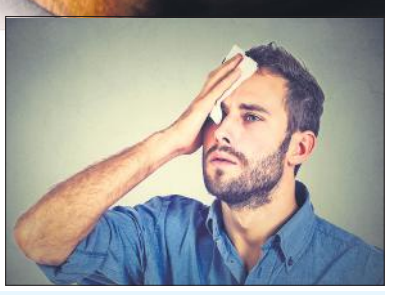

संतुलित सेवन विधि

एक से दो कली लहसुन को कूट लें। एक चम्मच गाय का देसी घी लें और उसमें लहसुन को हल्का सा गर्म करें। अधिक भूनना नहीं है-बस हल्का सुनहरा होने तक। सामान्य तापमान पर आने के बाद इसे लें और ऊपर से गुनगुना पानी पिएं। ठंडे पानी से बचें।

यह क्यों कारगर है

घी की शीतल और स्निग्ध प्रकृति लहसुन की उष्णता को संतुलित करती है। इस प्रकार पित्त बढ़ाए बिना उसके लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

कफ दोष

कफ भारी, ठंडा और चिपचिपा होता है। अधिक कफ वाले व्यक्तियों में सुस्ती, वजन बढ़ना, बलगम, पुरानी खांसी और साइनस जैसी समस्याएं देखी जाती हैं।

लहसुन का तीखापन कफ को तोड़ता है और इसकी उष्णता जमे हुए कफ को पिघलाने में सहायक होती है। अतः कफ प्रकृति वालों के लिए भी कच्चा लहसुन उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

लाभ

- मेटाबॉलिज्म सक्रिय कर वजन नियंत्रण में सहायता
- बलगम, खांसी और साइनस में राहत
- धमनियों में जमे कफजन्य अवरोध व कोलेस्ट्रॉल में कमी

सेवन विधि

विधि वही रहेगी-एक से दो कलियां कूटकर पांच मिनट हवा में छोड़ें और गुनगुने पानी के साथ लें।

घी के साथ सेवन

वात और कफ प्रकृति के लिए कच्चा लहसुन गुनगुने पानी के साथ लाभकारी हो सकता है। पित्त प्रकृति वालों को इसे घी में हल्का संसाधित कर लेना चाहिए। आयुर्वेद में किसी भी आहार की अच्छाई या बुराई सार्वभौमिक नहीं होती, वह व्यक्ति की प्रकृति, मात्रा और सेवन विधि पर निर्भर करती है। यदि दोष, मात्रा और विधि का ध्यान रखा जाए, तो लहसुन सचमुच एक प्रभावशाली औषधि की तरह कार्य कर सकता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं .मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह कामकाज से जुड़ी दिक्कतों से जूझना पड़ सकता है। इस दौरान स्वजनों एवं शुभचिंतकों की समय पर मदद न मिल पाने के कारण मन खिन्न रहेगा। परिवार के किसी सदस्य के साथ कुछ चीजों को लेकर मतभेद की स्थिति बनी रहेगी।

वृष
इस सप्ताह आप अपने कार्यों में मनोवांछित सफलता और लाभ प्राप्त करेंगे। आपको विभिन्न स्रोतों से आय होगी, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यदि आप लंबे समय से विदेश में करियर-कारोबार के लिए प्रयासरत थे, तो उससे जुड़ी बाधाएं दूर होंगी।

मिथुन
यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। ऐसे में आप इस सप्ताह कोई भी कदम बहुत सोच-समझकर उठाएं। किसी भी निर्णय को असमंजस की स्थिति में अथवा जल्दबाजी में भूलकर भी न लें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है।

कर्क
यह सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। आप कार्य विशेष को लेकर किए जा रहे प्रयासों का फल न प्राप्त होने पर थोड़े हताश रह सकते हैं। इस दौरान व्यावसायिक बाधाएं तो आएंगी, लेकिन आप अपने इष्टमित्रों और सहयोगियों की मदद से उसे बहुत हद तक दूर करने में भी कामयाब हो जाएंगे।

सिंह
इस सप्ताह जीवन से जुड़ी तमाम चुनौतियों का साहस के साथ मुकाबला करना होगा। समस्याएं घर की हों या फिर कार्यस्थल की, उनसे आंख मूंद लेने की बजाय उसका समाधान खोजने का प्रयास करना होगा। आपको अपनी महत्वकांक्षाओं पर नियंत्रण बनाए रखना होगा। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो धन के लेनदेन में सावधानी बरतें।

कन्या
इस सप्ताह आपको किसी कार्य विशेष के लिए बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ सकती है, जिसके कारण आपकी वित्तीय स्थिति थोड़ी डगमगा सकती है। अत्यधिक परिश्रम और प्रयास करने पर ही आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो पाएगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो अपने कागजी कार्य समय पर निपटाएं और किसी भी प्रकार के नियमों का उल्लंघन करने से बचें।

तुला
इस सप्ताह कार्य विशेष को करने को लेकर असमंजस की स्थिति में रह सकते हैं। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। उन्हें मनोकूल परिणाम पाने के लिए आलस्य छोड़कर कठिन परिश्रम करना होगा। अपनी जॉब में बदलाव का निर्णय न लें।

वृश्चिक
इस सप्ताह करियर और कारोबार में कुछ ऐसी ही स्थिति बनने वाली है। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आपको कठिन परिश्रम और प्रयास के बावजूद उच्च अधिकारियों की तरफ से शाबासी मिलने की बजाय कामकाज का अतिरिक्त बोझ उठाने के लिए कहा जा सकता है।

धनु
इस सप्ताह परिश्रम और प्रयास के अनुरूप सफलता व लाभ की प्राप्ति न होने पर आपका मन खिन्न रह सकता है। इस दौरान अचानक से लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है। यात्रा थकान भरी तथा उम्मीद से कम फलदायी साबित होगी। संपत्ति संबंधी मामले आपकी चिंता का कारण बन सकते हैं।

मकर
इस सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध अत्यधिक शुभता एवं लाभ को लिए रहने वाला है। इस दौरान आपके सोचे हुए कार्य पूरे होंगे और आप अपने करियर-कारोबार में मनचाही सफलता प्राप्त करेंगे। कार्य-व्यवसाय में उन्नति के लिए यह समय अनुकूल रहने वाला है। स्वजनों एवं शुभचिंतकों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

कुंभ
इस सप्ताह करियर अथवा कारोबार में आपको किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्य को पूरे मनोयोग के साथ समय पर पूरा करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा उन्हें अपने उच्च अधिकारियों के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है। किसी भी मुद्दे पर जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचना चाहिए।

मीन
इस सप्ताह आलस्य और अभिमान से बचने की जरूरत रहेगी। किसी भी कार्य को करते समय अपने अंहकार को न आड़े आने दें और उसे पूरा करने के लिए यदि अपने से किसी छोटे व्यक्ति से भी मदद लेने की आवश्कता पड़े, तो उसमें बिल्कुल भी संकोच न करें। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज में बदलाव आ सकते हैं।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 49

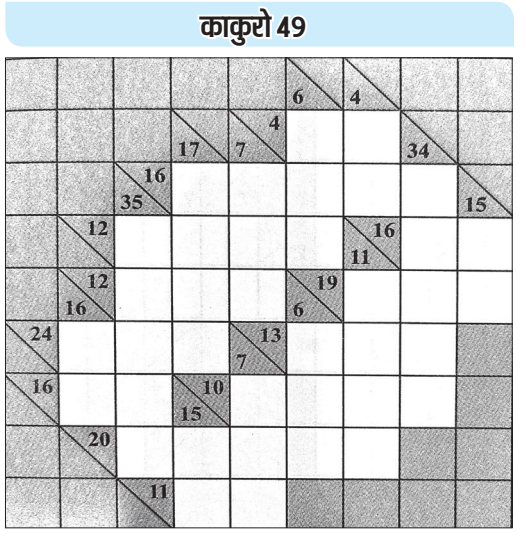

काकुरो 48 का हल

		34	23				
	17	9	8		10	3	5
	14	8	6	6	1	2	3
	16	7	9	7	4	1	2
15	9	6	3	1	2	16	4
28	7	4	5	6	3	2	1
	5	3	1	3	4	1	3
7	4	1	2	4	1	3	
6	1	2	3	6	2	4	
				10	4	6	

कहानी

मनौती

पूना रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. चार पर मुंबई जाने वाली ट्रेन की प्रतीक्षा में यात्रियों की भीड़ लगी हुई थी। देवयानी भी इस भीड़ में अपना बैग कंधे पर लटकाए खड़ी थी। यह घोषणा हो चुकी थी कि मुंबई जाने वाली ट्रेन कुछ ही देर में प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंचने वाली है। तभी देवयानी को एक वृद्ध महिला जो देखने में संभ्रांत लग रही थी, लंगड़ा कर प्लेटफार्म की ओर आते दिखाई दी। उसका सामान लेकर एक कुली आगे-आगे चल रहा था और रुक-रुक कर वह चोटिल महिला से जल्दी चलने को कह रहा था। तभी ट्रेन प्लेटफार्म पर आकर रुक गई और प्लेटफार्म पर अफरातफरी मच गई। देवयानी के पास प्रथम श्रेणी का टिकट था। वह गाड़ी रुकने पर अपनी आरक्षित सीट पर जाकर बैठ गई। कुछ ही देर बाद वह लंगड़ाती हुई वृद्ध महिला भी उसकी बगल वाली सीट पर आकर बैठ गई और कुली से अपना सामान वर्थ के नीचे रखवाकर उसका पारिश्रमिक दे दिया। जैसे ही गाड़ी चली, उस वृद्ध महिला ने अपनी धोती को थोड़ा सा ऊपर सरकाकर देखा। उसके दायें पैर की त्वचा छिल गई थी और उससे रक्त बह रहा था। पैर के पंजे में सूजन भी काफी हो गई थी। देवयानी से उस वृद्धा ने विनम्रतापूर्वक कहा -"बेटी, क्या तुम मुझे वाशरूम तक जाने में मदद कर दोगी?" "क्यों नहीं। आइए।"- कह कर देवयानी ने तत्काल खड़े होकर वृद्धा का हाथ अपने कंधे पर रख कर उसे सहारा दिया और धीरे धीरे उसे कंपार्टमेंट के वाश रूम तक ले गई। देवयानी बाहर खड़े होकर वृद्धा की प्रतीक्षा करने लगी और जब वह वृद्धा वाशरूम से बाहर आई तो पुनः उसे सहारा देकर उसकी सीट पर लाकर बैठा दिया। फिर उसने वृद्ध महिला से पूछा - "यह चोट कैसे लग गई मां जी?" "रेलवे स्टेशन पर जैसे ही मैं टैक्सी से उतर कर आगे बढ़ी, एक युवक उल्टी दिशा से कान में मोबाइल लगाए हुए लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाते हुए आ गया। उसी ने टक्कर मारी दी। चूंकि ट्रेन के आने का समय हो रहा था, इसलिए मैं आवश्यक उपचार भी नहीं करा पाई। अब मुंबई पहुंचकर डॉक्टर के क्लीनिक पर जाऊंगी।"

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

देवयानी ने वृद्धा के पैर में लगी चोट को ध्यान से देखा और फिर बोली -"ज्यादा चोट लगी है मां जी। बहुत दर्द हो रहा होगा? मेरे पास कुछ दवाएं हैं, यदि आप आज्ञा दें तो मैं चोट की ड्रेसिंग कर दूं?" इतना कहकर उसने अपने बैग से प्लास्टिक का एक चौकोर डिब्बा निकाला और उसे खोल कर रुई से वृद्ध महिला के घाव को साफ किया। फिर सोफ्रामाइसिन का ट्यूब उनके घाव पर लगाकर पट्टी बांध दी। फिर नेप्रोक्सेन नामक दर्द निवारक औषधि उन्हें खिलाई। देवयानी ने उन्हें सीट पर लिटा दिया और स्वयं वर्थ के एकदम किनारे पर थोड़ी सी जगह पर बैठ गई। यह देखकर उस बर्थ पर बैठे एक अन्य यात्री ने भी किनारे की ओर सरक कर वृद्धा के लिए कुछ जगह छोड़ी ताकि वह आराम से लेट सकें। वेंडर के आने पर देवयानी ने वृद्धा को आग्रह पूर्वक एक काफी पिलाई और एक काफी अपने लिए खरीदी। काफी सिप करते हुए वृद्धा ने पूछा -"तुम क्या फर्स्ट एड बाक्स सदैव अपने साथ रखती हो?" "और क्या मां जी। स्कूटी चलाना ठीक से मुझे आता तो है नहीं, मगर ऑफिस जाने के लिए मजबूरी में चलानी पड़ती है। सो आए दिन गिरती-पड़ती रहती हूं। तंग आकर मैंने फर्स्ट एड बाक्स साथ रखना शुरू कर दिया है। अब कौन रोज रोज जाए डॉक्टर के पास मरहम-पट्टी के लिए जाए।"

यह कहकर देवयानी खिलखिला कर हंस पड़ी। उसके भोलेपन से दिए गए इस उत्तर पर वह महिला भी बिना हंसे न रह सकी। अब दोनों महिलाएं आपस में खुल चुकी थीं। अतः उनका वार्तालाप प्रारंभ हो जाना स्वाभाविक ही था। "बेटी, क्या नाम है तुम्हारा?" "देवयानी।" "बहुत प्यारा नाम है। परिवार में और कौन-कौन हैं?" "मैं और मेरे मम्मी पापा।"-देवयानी ने उत्तर दिया। वृद्धा ने फिर पूछा - "पूना में रहती हो?" "नहीं। यहां नौकरी करती हूं। मेरा घर मुंबई में है। मम्मी-पापा को देखने जा रही हूं।" देवयानी ने उत्तर दिया। "मुंबई में कहां?"- वृद्धा ने पूछा "कुर्ला में।" देवयानी ने उत्तर दिया।

"आप भी मुंबई में रहती हैं?" "हां। हम लोग मलाड में रहते हैं।"- वृद्धा ने देवयानी के बिना पूछे ही अपने मोहल्ले का नाम बता दिया। फिर कुछ रुककर बोली-" हमारा पैतृक निवास तो पूना के जुन्नार कस्बे में है। वहां हमारा मंदिर भी है। वहीं भगवान के दर्शन करने और उनसे मनौती मांगने गए थे।" "क्या मनौती मांगी?"- देवयानी ने पूछा। उसका प्रश्न सुनकर वृद्धा ने कोई उत्तर नहीं दिया, सिर्फ हंस दी। देवयानी समझ गई कि वह अपनी मनौती के विषय में बताना नहीं चाहती हैं, अतः उसने भी फिर अपना प्रश्न नहीं दोहराया। मुंबई पहुंचने पर देवयानी ने सहारा देकर वृद्धा को नीचे उतारा और रेलवे स्टेशन के बाहर ले गई। बाहर निकलकर वृद्धा ने टैक्सी बुक की और देवयानी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उसे ढेरों आशीर्वाद दिए। देवयानी ने उन्हें विदाकर एक ऑटो बुलाया और अपने घर चली गई। घर पहुंचकर देवयानी ने देखा कि उसके माता-पिता दोनों ही घर की साफ-सफाई में लगे हुए हैं। तरह-तरह के फल और मिठाइयां मेज पर रखी हैं। वह यह सब देखकर बोली - "आप लोग तो इस प्रकार स्वागत की तैयारी में लगे हैं, मानों कोई राजा-महाराजा आने वाला हो।"

यह सुनकर उसकी मां बोली- "राजा-महाराजा से भी बढ़कर हैं वे लोग। लड़के ने आईआईटी से इंजीनियरिंग और आईआईएम से एमबीए की डिग्री ली है। लड़का पैंतालीस लाख रुपए सालाना के पैकेज पर मल्टीनेशनल कंपनी में काम कर रहा है। उन लोगों की दान-दहेज की कोई मांग नहीं है। लड़की पसंद आ जाए, सिर्फ यही उनकी शर्त है। परिवार में बस मां-बेटे ही हैं। कल शाम को चार बजे वे लोग तुझे देखने के लिए आ रहे हैं। अगर उन्होंने विवाह के लिए हां कर दी तो हमारे तो भाग्य ही खुल जाएंगे।"

देवयानी ने अपनी मां से कुछ नहीं कहा। वह चुपचाप अपने कमरे में चली गई। अगले दिन सुबह दस बजे ही लड़के के घर से फोन आ गया। देवयानी के पिता ने फोन उठाया तो उधर से आवाज आई- "अंकल जी, नमस्ते। मैं सुधीर बोल रहा हूं। मेरी माताजी अस्वस्थ हो गई हैं। अतः हम आज आपके यहां नहीं आ सकेंगे।" यह सुनकर देवयानी के पिता शंकाग्रस्त हो गए। वह दुखी स्वर में बोले- " बेटा, माताजी नहीं आ सकती हैं, तो आप ही आ जाइए। बेटी पूना से आ गई है, तो आप ही देख लीजिए। मैं चाहता हूं कि कुछ तो बात आगे बढ़ जाए।"

"अंकल जी, निर्णय तो मम्मी जी को ही लेना है। अतः मेरे अकेले आने से कोई निर्णय तो होना नहीं है। आप निश्चिंत रहिए, हम शीघ्र ही आपसे बात करके कोई तिथि तय कर लेंगे और तभी दोनों लोग आएंगे।" - इतना कह कर सुधीर ने फोन काट दिया। देवयानी के पिता ने जब आज का कार्यक्रम निरस्त होने की बात देवयानी की मां को बताई तो वह दुखी हो गईं। देवयानी ने यह सुना तो अपनी मम्मी से बोली-"अच्छी नौटंकी है। अब फिर जब उनका फरमान जारी हो, तो नुमाइश के लिए कार्यालय से अवकाश लेकर मुंबई आओ। आप उनसे कहलवा दो कि वे लोग पूना आकर ही देख लें, मैं रोज-रोज इस नाटक में भाग लेने यहां नहीं आऊंगी।" बेटी, गर्ज हमारी है। उनके आगे पीछे तो लड़कियों की लाइन लगी होगी। लड़का सजातीय है, पढ़ा-लिखा है, अच्छी नौकरी में हैं। उस पर कोई दहेज की मांग भी नहीं है। लड़का इतना सौम्य है कि जो लड़की उसकी मां पसंद करेंगी, उसी से वह विवाह कर लेगा। आज के ऐसे शिक्षित लड़के और सुसंस्कृत परिवार कहां मिलता है।" देवयानी इस बात का कोई उत्तर न देकर पैर पटकते हुए वहां से चली गई। अगली बार कन्या देखने हेतु नियत की गई तिथि पर देवयानी को पूना से फिर मुंबई आना पड़ा। जिस दिन वह मुंबई आई उसके अगले दिन शाम को ठीक चार बजे देवयानी के द्वार पर एक कार आ कर रुकी। देवयानी के पिता तो आगंतुकों की प्रतीक्षा में ही अतिथि कक्ष में बैठे थे। वह लपककर बाहर निकले और सुधीर तथा उसकी माता जी को आदरपूर्वक अतिथि कक्ष में बैठाया। इस बीच देवयानी की मां भी अतिथि कक्ष में आ गईं। कुछ देर बातचीत करने के बाद उन्होंने देवयानी को चाय नाश्ता लाने को कहा।

देवयानी ने ट्रे लेकर जैसे ही दृष्टि जमीन पर गड़ाए हुए कक्ष में प्रवेश किया, सुधीर की मां प्रसन्नता मिश्रित आश्चर्य से बोल पड़ीं-"बेटी तुम।" यह सुनते ही देवयानी ने दृष्टि उठाकर उन्हें देखा और उसके मुंह से अनायास ही निकल पड़ा-"अरे! मां जी आप...।" वृद्धा ने दौड़कर देवयानी को गले से लगाया और फिर उसका मस्तक चूम लिया। उन्होंने बिना देर किए अपने गले से हीरे का हार उतारकर देवयानी को पहना दिया। सुधीर और देवयानी के माता-पिता आश्चर्य से यह दृश्य देखते रहे। उनकी उत्सुकता को शांत करते हुए वृद्धा बोली- "सुधीर, जब मैं पूना से आते समय चोटिल हो गई थी, तो बिना किसी परिचय के देवयानी ने मेरी ऐसी सेवा की जैसे कोई बेटी अपनी मां की सेवा कर रही हो। भगवान ने मेरी मनौती पूरी कर दी है। मैं तो इसे ही अपनी बहू बनाऊंगी।" और यह कहकर उन्होंने एक बार फिर देवयानी को अपने गले से लगा लिया।

काव्य

आद्याशा तक

एक बेटी से बहू बनी,
बुनी एक नई कहानी थी।
घर-घर खेलते हुए कभी,
सच में चिड़िया उड़ चली।
जिस घर-आंगन बचपन में
खेली, वो घर मेरा अपना था।
जिस घर में डोली आकर
ठहरी, वो घर सपनों सा
सलोना था।
दोनों ही तो मेरे हैं,
जहां बसाया है संसार।
दोनों घर की रानी हूं मैं,
बटोरती प्रेम अपार।
मैं थी पिता की राजकुमारी,
आज बनी महारानी हूं।
यही तो है जग की रीति,
जो सदियों से निभानी है।
बहू से पत्नी, पत्नी से मां बनी,
कदम-कदम बढ़ाकर नई
सीढ़ी चढ़ी।
जीवन मेरा महक उठा, जब
नन्हीं परी खिलखिला उठी।
बचपन में जिसका थामा हाथ,
वो मेरी प्यारी मां है।
आज उनकी भी बढ़ोतरी हुई,
जब बनी वो दादी-नानी
मां है।
उसकी हर पुकार से गूंज उठे
घर-आंगन सारा, वो मेरे मन
का आधा हिस्सा है।
जिसने मेरा जीवन पूर्ण
किया, वो मेरी आद्याशा है।

महक गुलाटी
नोएडा

नारी

आने से सौभाग्य आए, हां वो
एक नारी है।
बचपन से ही रौनक लाए, हां
वो एक नारी है।
जो मां-बाप की जान कहलाए,
हां वो एक नारी है।
भाई का हर पल साथ निभाए,
हां वो एक नारी है।
स्कूल की अव्वल छात्रा
कहलाए, हां वो एक नारी है।
परिश्रम से जो भविष्य सजाए,
हां वो एक नारी है।
पराये घर को भी अपना बनाए,
हां वो एक नारी है ।
पति को परमेश्वर का दर्जा
दिलाए, हां वो एक नारी है।
ममता से जो दिल पिघलाए,
हां वो एक नारी है।
जिसका आंचल सुख चैन
दिलाए, हां वो एक नारी है।
गरीबी में भी घर चलाए,
हां वो एक नारी है।
जिम्मेदारी जो खूब निभाए,
हां वो एक नारी है।
देवी रूप साक्षात जो पाए, हां
वो एक नारी है।
किस्मत के जो धनी बनाए, हां
वो एक नारी है।
कोई और नहीं वो, सबकी
दुलारी, सबकी चहेती, सबसे
अच्छी, सबसे प्यारी, हां वो
एक बेटी, बहन, पत्नी और
मां रूपी नारी है, पूजनीय
नारी है।।

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

तेरे बगैर

मैं तुझसे दूर जाऊं
गवारा ही नहीं है,
तेरे बगैर मेरा गुजारा ही
नहीं है।
तेरे बगैर...

जीवन के हर इक घाव को
मरहम की तरह तू,
मेरी हर एक सांस पे
सरगम की तरह तू,
सपनों को बिना तेरे
संवारा ही नहीं है।
तेरे बगैर...

हर प्रश्न अधूरा है
हर जवाब अधूरा,
हर बात अधूरी है
हर इक ख्वाब अधूरा,
जो तू नहीं तो कोई
नजारा ही नहीं है।
तेरे बगैर मेरा...

ठोकर हैं राह-राह में
हैं घाव अनगिनत,
उलझाव अनगिनत हैं
औ' बिखराव अनगिनत,
लगता है कहीं पास
किनारा ही नहीं है।
तेरे बगैर...

माना कि मुझसे प्यार
तुम्हें बेशुमार है,
दिल जितना इधर
उतना उधर बेकरार है,
तुझ पर ये दिल निसार
हमारा ही नहीं है।
तेरे बगैर मेरा गुजारा ही
नहीं है।

अशोक 'अंजुम'
कवि

लघुकथा

घुसपैठिये

मेरे मकान मालिक के यहां लड़की की शादी थी। उनके विशेष आग्रह पर हफ्ते भर के लिए किराए के अपने कमरे से विस्थापित हो मैंने एक मित्र के यहां शरण ली। वह अकेला रहता था। हर शाम को उसके यहां तीन चार दोस्तों की महफिल जुटती। हम टीवी पर उस समय चल रहे क्रिकेट वर्ल्ड कप के मैच का आनंद लेते या फिर इवनिंग शो फिल्म देखने निकल जाते। रात में उसके किचन में सब मिलकर खाना भी बनाते।

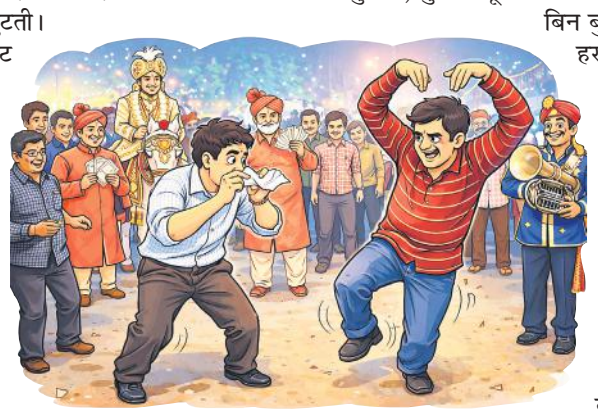

एक शाम मित्र ने घोषणा की, आज यहां खाना नहीं बनेगा। मेरे भैया के एक दोस्त की शादी है, पास के एक होटल में ही उसका जनवासा है। हम सब लोग वही चलकर ऐश करेंगे। हमारी संख्या चार थी। दो मित्र तो खुशी-खुशी तैयार हो गए, पर मुझे वहां जाने में बड़ा संकोच हो रहा था। मैंने कहा भी कि मैं ढाबे पर खा लूंगा। पर तीनों ने मेरी एक न सुनी और मुझे लगभग धकिया के वहां ले गए। वहां पहुंच मित्र सीधे दूल्हे के पास गया, क्योंकि उसके बड़े भाई ने कह रखा था कि उससे मिलकर मेरे न आ पाने का कारण जरूर बता देना। दूल्हा अपने दोस्तों से घिरा था। मित्र की बात को उसने कोई तवज्जो ही न दी। जब उसकी कोई पूछ नहीं थी, फिर हम तीनों की स्थिति तो बांग्लादेश के घुसपैठियों वाली बन गई थी।

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

हम सीधे नाश्ते की मेज पर पहुंचे और झटपट काम तमाम किया। नाश्ता करते वक्त मुझे बार-बार महसूस हो रहा था कि कुछ आंखें हमें लगातार घूर रही हैं और किसी भी समय बेइज्जत हो जाने का खतरा लगातार हमारे सिर पर मंडरा रहा था। जब मैंने अपने डर को दोनों अनुभवी मित्रों से साझा किया, तो एक ने बड़े निर्भीक भाव से मेरा हाथ दबाकर कहा कि ऐसा कुछ नही होगा, बस देखते जाओ आगे-आगे होता है क्या? भोजन का इंतजाम लड़की के घर पर था। कोई आधे घंटे के पश्चात बारात द्वार पूजा के लिए होटल से चली। उस समय तक डीजे अस्तित्व में नहीं आया था और न ही महिलाएं बारात में ज्यादा शिरकत करती थी। सो नृत्य प्रदर्शन पर पूरा एकाधिकार पुरुष वर्ग का ही था। बैंड बाजे की धुन पर दूल्हे के कुछ रिश्तेदार, दोस्त और बच्चे नृत्य के नाम पर उछल कूद कर रहे थे। नागिन-सपेरे का कोई जोड़ा यहां भी विद्यमान है, ये परखने के लिए बैंड वाले ने जैसे ही " मैं तेरी दुश्मन, दुश्मन तू मेरा..." की धुन बजाई, अचानक से मेरे दो बिन बुलाए मेहमान मित्र बड़ी तेजी से हरकत में आ गए। एकबारगी उनमें नृत्य प्रतिभा का विस्फोट हो गया हो। बिना समय गवाएं एक ने जेब से रुमाल निकाली उसे बीन के अंदाज में पकड़ा और सपेरा बन गया। दूसरे ने अपने दोनों हाथों को नागिन के फन की शक्ल दी और देखते-देखते दोनों भीषण रूप से नृत्य क्रिया में रत हो गए। नागिन बना मित्र तो कुछ देर तक सड़क पर लोटने की मुद्रा में रहा। कपड़े खराब हो जाने की भी चिंता न की उसने। उन दोनो की चुस्ती-फुर्ती व कला के प्रति उनका समर्पण देखते बन रहा था। अब वही दोनों सभी बारातियों के आकर्षण का केंद्र बन चुके थे। दूल्हे के पिता ने तो खुश होकर पचास के कुछ नोट भी उन पर लुटा डाले। थोड़ी देर बाद जब दोनों पसीने से तर-बतर हो कुछ शांत पड़ गए, तब कही जाकर कम प्रतिभाशाली बारातियों को भी अपने हाथ साफ करने का मौका मिल पाया।

कुछ मिनट बाद बैंड बाजे ने जब फिर धुन बजानी शुरू की आज मेरे यार की शादी है, तो सपेरा बना मित्र फिर से बेकाबू हो गया। इस बार तो उसकी मुद्रा बेहद आक्रामक थी। बैंड ग्रुप का एक सदस्य जो दोनों हाथों में एक बाध्य यंत्र लिए उसे हाथ हिला हिलाकर बजा रहा था, उससे छीनकर मित्र ने उसे अपने कब्जे में ले लिया और फिर उसे बजा-बजा कर नाचने लगा। मैं हतप्रभ खड़ा उसे बस देख रहा था। मन में अचानक से एक विचार कौंधा आखिर एक इंसान को अपने पेट के खातिर क्या-क्या नहीं करना पड़ता।

संस्मरण

महापुरुष

एक वृद्ध सड़क किनारे टहल रहे थे। शाश्वत नामक एक व्यक्ति उस वृद्ध को देखकर हाथ जोड़ लिया। कहा- "काका आपके दर्शन बहुत दिन बाद हुई, आप कैसे हैं?" वृद्ध ने भावात्मक मुस्कान देते हुए कहा-"मेरा क्या बेटा मैं तो पका हुआ आम हूं। न जाने कब टपक जाऊं।" यह सुन शाश्वत ने कहा- "पड़े काका यही तो जीवन हैं। आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। बरसों बाद वापिस आया हूं यहां सब बदल गया है। सोचता हूं अब यहीं रह जाऊं।" यह सुन वृद्ध ने कहा- "सुना है तुम शहर जाकर बड़ी मेहनत किए हो बड़े आदमी भी बन गए। तुम्हें मैं एक सलाह देना चाहूंगा। क्या तुम मानोगे?" सुनकर शाश्वत ने कहा-"जरूर काका आप कहिए तो सही।"

रानी प्रियंका वल्लरी
लेखिका

वृद्ध ने कहा- "मैं तुमसे कुछ चाहता हूं। तुम्हारे पास भी भगवान ने सब कुछ दिया तुम्हारे पिता भी धनवान व्यक्ति थे। उनके धन की चर्चा आसपास में प्रचलित हैं, लेकिन तुम शहर जाकर उनके नाम को खत्म कर दिए हो। तुम भी ऐसा क्यों नहीं करते, जिससे तुम्हारा नाम भी आसपास में उजागर हो।" यह बताओ काका मुझे क्या करना चाहिए अपने पिता जैसा बनने के लिए? शाश्वत की बात सुन वृद्ध ने कहा-मैं चाहता हूं, तुम्हारे पिता के पिता द्वारा बनाई गई हवेली खाक हो गई है। तुम उसका निर्माण करवाओ। ऐसी हवेली बनबाओ जैसा आसपास में न हो। यह सुन बड़ी धैर्यता के साथ मुस्कुराते हुए शाश्वत कहा हवेली नहीं काका घर बनाऊंगा।" वृद्ध का मन खट्टा हो गया। शाश्वत ने कहा-"हवेली बनाऊंगा तो मेरे अंदर अहम आसीन हो जाएगा, क्योंकि आसपास ऐसी हवेली किसी की न होगी। हमारे मन में यह बात घर कर बैठेगा। जिस दीवार की नींव भला अहम पर टीकी हो उस दीवार को चरमराने में कितना समय लगेगा। नहीं, वह अहम से भरा हवेली होगा। मैं तो चाहता हूं हमारा घर ऐसा हो जहां सुकून और शांति वास करें।" वृद्ध ने कंपकंपाते हाथ उठाकर कहा- "बेटा तुम सच में खास नहीं महापुरुष हो।"

व्यंग्य

एडमिन की सत्ता का दैवीय सिद्धांत

कुछ दिन पहले अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त साहित्यकार श्री बड़बोले भाई साहब सखाराम जी सोशल नेटवर्किंग प्लेटफार्म पर मेरे मित्रता सूची में खुद-ब-खुद कूदकर मुझसे जुड़े, तो मैं उनकी इस दरियादिली का कायल हो गया। एक दिन अचानक उस महान शख्सियत का मेरे व्हाट्सएप पर एक लिंक का मैसेज आया। लिंक के ऊपर मैसेज कुछ इस तरह था - नमस्कार बंधु! मैं सखाराम, अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त साहित्यकार फलाना साहित्यिक समूह लोक पता ढिकानापुर का व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन हूं। आप का सौभाग्य है कि बंधु आपको इस लिंक के माध्यम से इस प्रतिष्ठित समूह में सदस्य बनने का सुअवसर प्रदान कर रहा हूं, जो कि पूर्णतः निःशुल्क है। अपने साहित्यिक गतिविधियों को समूह से जुड़कर पंख प्रदान करें और इस व्हाट्सएप समूह के बहुआयामी आसमान में उड़कर सम्मानित होने का बरसों का टूट चुके सपना को पूरा करें।

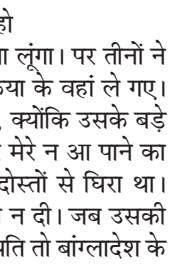

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

मैं अदना सा, एक अकिंचन, छोटका सा अपने मुहल्ले का निठल्ला साहित्यकार यह पढ़ते ही सम्मान के मनमोहनी स्वप्नलोक में गोता लगाने लगा और बिना देर किए ही लिंक को फौरन जोरदार क्लिक मारा और पलक झपकते ही ग्रुप के अंदर पहुंच गया। अरे भई पहुंचते ही ग्रुप के अंदर मानो मेरा ही इंतजार हो रहा था। 'आपका स्वागत है..., महोदय जी का अभिनंदन।' ऐसे दसों मैसेज पढ़कर मैं गदगद होकर सबका आभार जताया। खासकर एडमिन महोदय जी का तहेदिल से जताया। तुरंत ही एडमिन महोदय जी का ऑडियो संदेश ग्रुप पटल मेरे लिए आकाशवाणी की तरह क्लिक करने पर गुंजा, -"आपका स्वागत है बंधु! आशा करते हैं कि आप ग्रुप के नियमों की अनदेखी नहीं करेंगे व पूरी तरह से ग्रुप के अनुशासन को हर हाल में बनाए रखेंगे और अगर आप नियमों या अनुशासन को भंग करेंगे तो तुरंत आपको ग्रुप से रिमूव किया जा सकता है।"

एडमिन जी की आवाज व्हाट्सएप पटल पर सुनकर मैं सोचने लगा, इतनी सख्ती तो ऑफिस में बॉस भी नहीं करते हैं। खैर, एडमिन तो एडमिन हैं, उनकी बात निराली है। वो ऐसे ग्रुप के एडमिन हैं, जिसकी चाल आसमान में मतवाली उड़ान देने वाली है। फिर एडमिन ने हफ्ते भर के साहित्यिक कार्यक्रम की रूपरेखा की सूचना ग्रुप पर डाली। उसमें भाग लेने वाले सभी ग्रुप के प्रतिभागियों को सम्मान पत्र देने की सूचना थी, लेकिन सबसे अंत में नोट के रूप में सहयोग राशि पेटीएम करने के लिए थी और सहयोग राशि के बिना साहित्यिक कार्यक्रम में कोई भाग नहीं ले सकता है शर्त भी लिखी हुई थी।

मैंने यह पढ़ते ही एडमिन महोदय जी से पूछा -"क्या सहयोग राशि देना जरूरी है?" एडमिन बोले - "जी हां, समूह को चलाने व सम्मान पत्र के लिए सहयोग जरुरी है।" मैं बोला - "आपने तो निःशुल्क कहा था, अगर शुल्क है, तो गलत है।" एडमिन जी तैस में आकर तपाक से बोले -"एंट्री निःशुल्क है, लेकिन फिर बाकि गतिविधियों हेतु शुल्क है। हमने अपने प्रतिष्ठित फलाना साहित्यिक संस्था के नाम का सम्मान पत्र खैरात में बाटने के लिए व्हाट्सएप साहित्यिक समूह थोड़ी ही खोली है। आपने पूछकर अनुशासन भंग किया और इसके लिए आपको...।"

मैं कुछ और कहता कि पलक झपकते व्हाट्सएप ग्रुप लोक से अंतर्धान हुआ, क्योंकि ग्रुप एडमिन ने सार्वभौमिक सत्ता के खूंखार तानाशाह की तरह बाहर कर दिया था और मेरा व्हाट्सएप ग्रुप के साहित्यिक बहुआयामी आसमान में उड़ने का सपना चकनाचूर हो गया। इस तरह 'एडमिन' के राजशाही हुकूमत के कारण भक्कू भर सम्मान पत्र जुटाने से वंचित रह गया। एडमिन के दैवीय सिद्धांत के अनुसार फलाना साहित्यिक समूह की उत्पत्ति उसके द्वारा की गई है। एडमिन समूह को संचालित करने के लिए सार्वभौमिक अधिकार स्वयं मिला है। समूह के सदस्यों का कर्तव्य है कि एडमिन का विरोध न करे, क्योंकि वह आपका सर्वेसर्वा सम्मान पत्र देने का प्रतिनिधि है। अब मैंने "एडमिन के सार्वभौमिक सत्ता का दैवीय सिद्धांत" के परम अटल सत्य को जान लिया और उनको निरंकुश राजा मान लिया।

समीक्षा

गीत मेरे मीत मेरे

'गीत मेरे, मीत मेरे' सुप्रसिद्ध गीतकार डॉ. ललितनारायण मिश्र का एक अनुपम गीत-संकलन है। इसमें 92 गीत, गजल और नज्म, 25 मुक्तक के अलावा 16 हाइकू और 15 दोहे संकलित हैं। एक पाठक के रूप में मैंने अनुभव किया कि काव्य जब गीत के रूप में समक्ष होता है, तो वह कहीं अधिक हृदयग्राही, चित्ताकर्षक और लालित्य से परिपूर्ण होता है। संग्रह को आद्यांत पढ़ते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि गीतकार जिंदगी की भागदौड़ और अनेक विसंगतियों तथा कशमकश के बीच उलझा होने के पश्चात भी ऊर्जा और उत्साह से भरा हुआ है। संग्रह के प्रथम गीत- आओ मिलकर फरियाद करें में वह सभी को पुकारते हुए फरियाद करता है। कवि की इस पुकार में भारतीय दर्शन का भरतवाक्य 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का भाव अंतर्निहित है। सच्चा साहित्यकार किसी धर्म विशेष का प्रतिनिधि नहीं होता, अपितु वह सभी धर्म, संप्रदाय और मतों के प्रति एक जैसा सम्मान तथा श्रद्धाभाव रखता है।

पुस्तक : गीत मेरे मीत मेरे
गीतकार : डॉ ललितनारायण मिश्र
प्रकाशक :नोशन प्रेस डॉट कॉम : चेन्नई
मूल्य : 230
समीक्षक : संतोष कुमार तिवारी, नैनीताल।

गीतकार मूल रूप से अयोध्या के निवासी हैं। शब्द संपदा से समृद्ध उनके गीतों में अयोध्या का सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश, वहां बोली जाने वाली अवधी की मिठास, उर्दू के अनेक प्रचलित व खूब प्रयोग में आने वाले शब्दों का सुविचारित चयन और स्थानीय लोक व्यवहार में प्रचलित देशज शब्द उनके गीतों में बेल-बूटे जैसे हैं। गीतकार के कवि- काव्य-कौशल देखते देखते हुए 'गीत मेरे मीत मेरे' पठनीय के साथ-साथ संग्रहणीय भी है।

आधी दुनिया

भारत में स्त्री मुक्ति के वादे और इरादे

भारत जैसे विविधता से भरे देश में महिला सशक्तीकरण एक अत्यंत जटिल, बहुआयामी और ऐतिहासिक प्रक्रिया रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात संविधान में महिलाओं को समान अधिकार, शिक्षा, मतदान का अधिकार, संपत्ति में भागीदारी और जीवन की गरिमा का वचन दिया गया। इसके बावजूद, व्यावहारिक धरातल पर यह स्पष्ट होता है कि महिलाएं आज भी कई स्तरों पर संघर्षरत हैं। भारतीय लोकतंत्र ने संविधान में समानता, स्वतंत्रता और गरिमा के जो आदर्श स्थापित किए, वे स्त्री सशक्तीकरण की बुनियादी आधारशिला हैं, लेकिन आधुनिक संदर्भ में यह दावे, वादे और इरादों के जटिल जाल में उलझा हुआ है। एक ओर सरकारें और समाज महिलाओं की समानता, सशक्तीकरण और अधिकारों की बात करती हैं, वहीं दूसरी ओर वास्तविकता में पितृसत्तात्मक संरचनाएं, हिंसा और असमानता की दीवारें खड़ी हैं। मुक्ति का अर्थ केवल कानूनी सुधार या आर्थिक भागीदारी नहीं, बल्कि महिलाओं की स्वायत्तता, शारीरिक सुरक्षा और सामाजिक न्याय है।

डॉ. सुप्रिया पाठक
एसोसिएट प्रोफेसर

21 वीं सदी के भारत में स्त्री सशक्तीकरण केवल नीतिगत कार्यक्रम नहीं, बल्कि राजनीतिक भाषण, चुनावी घोषणापत्र, अंतर्राष्ट्रीय मंचों और सामाजिक अभियानों का केंद्रीय विषय बन चुका है। राज्य, बाजार और नागरिक समाज तीनों स्तरों पर स्त्री सशक्तीकरण के दावे किए जा रहे हैं। संसद में पारित कानूनों से लेकर विज्ञापनों में उभरती 'आत्मनिर्भर स्त्री' की छवि तक, हर जगह मुक्ति का भाष्य उपस्थित है। परंतु प्रश्न यह है कि क्या ये दावे वास्तविक मुक्ति की ओर संकेत करते हैं या वे केवल प्रतीकात्मक उपलब्धियों का उत्सव हैं?

भारत सरकार ने पिछले दशकों में कई वादे किए हैं, जो स्त्री मुक्ति की दिशा में प्रगति का दावा करते हैं। उदाहरण के लिए 2023 में पारित महिला आरक्षण बिल, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का वादा करता है। यह दावा है कि इससे महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण होगा और निर्णय-प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कोटा का एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने का प्रावधान भारतीय लोकतंत्र में हाशिए के समूह के लिए गुणात्मक परिवर्तन ला सकता है। यह हाशिए के समूहों की राजनीतिक संस्कृति पर पितृसत्तात्मक सामाजिक समूहों द्वारा प्रभुत्व बनाए रखने की प्रवृति को कम करेगा, जिससे भारत में एक नई राजनीति का भी प्रारंभ होगा। महिलाओं की चुनावी भागीदारी में उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति का विशेष प्रभाव होता है। उच्च वर्ग की महिलाओं में राजनीतिक भागीदारी अधिक पाई जाती है, जबकि निम्न सामाजिक-आर्थिक तबके की महिलाओं में यह भागीदारी कम देखी जाती है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में संपन्न हुए चुनावों में मतदाता के रूप में महिलाओं की भूमिका बढ़ी है। अनेक राज्यों में विभिन्न चुनावों में महिलाएं पुरुषों के समान मतदान कर रही हैं, जबकि कई स्थानों पर वे पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान कर रही हैं। इसके अलावा महिलाएं अपनी राजनीतिक पार्टी एवं उम्मीदवार की पसंद को लेकर भी स्वायत्त हो रही हैं, किंतु अभी भी यह प्रवृति शहरी तथा शिक्षित महिलाओं में अधिक देखी गई। महिला आरक्षण अधिनियम अभी भी एक अधूरा सपना है। यह कानून संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटों का वादा करता है, किंतु कार्यान्वयन 2026 के बाद की जनगणना और परिसीमन पर टिका हुआ है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह 2029 चुनावों में भी लागू नहीं हो पाएगा। राजनीतिक सशक्तीकरण का यह वादा, जो एक क्रांति का बीज था, आज विलंब की धुंध में खोया हुआ लगता है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 13.8 प्रतिशत तक गिर गया है। यह गिरावट बताती है कि वादे कितने भी भव्य हों, बिना ठोस समय सीमा और इच्छाशक्ति के वे हवा में तैरते रहते हैं।

मुद्रा योजना के तहत 69 प्रतिशत लोन महिलाओं को दिए गए हैं, जिससे 2024 तक लगभग 480 मिलियन लोन महिलाओं को संवितरित किए गए, जो महिलाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने का दावा करता है। इसके अलावा, मिशन शक्ति जैसी योजनाएं महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण पर केंद्रित हैं, जिसमें वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पडेस्क और डिजिटल शिकायत प्रणाली शामिल हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने लड़कियों की शिक्षा में वृद्धि का दावा किया है। ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध और सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के सुप्रीम कोर्ट के फैसले जैसे कदम धार्मिक और कानूनी समानता के वादे को मजबूत करते हैं। ये वादे बताते हैं कि भारत महिलाओं के नेतृत्व वाली विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जैसा कि जी-20 की न्यू दिल्ली घोषणा में भारत ने वैश्विक स्तर पर जोर दिया।

वास्तविकता और दावों की सच्चाई

वादे सुनने में आकर्षक हैं, लेकिन इरादे अक्सर सतही साबित होते हैं। ये दावे पितृसत्ता को चुनौती देने की बजाय उसे मजबूत करते हैं, क्योंकि वे महिलाओं को 'सुरक्षा' या 'सशक्तीकरण' के नाम पर नियंत्रित रखते हैं। उदाहरण के लिए, 2025 के ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में भारत 131 वें स्थान पर है, जहां आर्थिक भागीदारी में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कमी ने रैंकिंग को नीचे खींचा। महिलाएं कार्यबल का 41 प्रतिशत हैं, लेकिन मैनेजरियल भूमिकाओं में केवल 24 प्रतिशत। महिला श्रम भागीदारी दर 2024 में 21 प्रतिशत तक पहुंची, जो वैश्विक स्तर पर कम है। 2013 का क्रिमिनल लॉ (संशोधन) अधिनियम यौन हिंसा के विरुद्ध कठोर प्रावधान लेकर आया। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। विश्वविद्यालयों में छात्राओं की संख्या बढ़ी है। किन्तु STEM क्षेत्रों में स्त्रियों की भागीदारी अभी भी सीमित है। उच्च शिक्षा तक पहुंच जाति, वर्ग और क्षेत्रीय असमानताओं से प्रभावित है। महानगरों में निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली युवतियां आत्मनिर्भरता का दावा करती हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरियों का विद्यालय से ड्रॉप-आउट विवाह और श्रम के कारण बढ़ता है। कॉर्पोरेट क्षेत्र में 'लीडरशिप में महिलाएं' अभियान, स्टार्टअप संस्कृति में महिला उद्यमिताएं सब मुक्ति के नए प्रतीक हैं। परंतु राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि महिला श्रमबल सहभागिता दर अभी भी निम्न है। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं घरेलू कामगार, कृषि श्रमिक, आशा कार्यकर्ता असुरक्षित और कम वेतन वाली परिस्थितियों में काम करती हैं। 'वर्क फ्रॉम होम' को स्त्री-हितैषी विकल्प कहा गया, परंतु इससे घरेलू और पेशेवर श्रम का दोहरा बोझ बढ़ा।

केवल वादों या नारों तक ही सीमित न हो स्त्री सुरक्षा

आवश्यक है कि स्त्री मुक्ति को केवल 'वादे' के रूप में नहीं, बल्कि 'इरादे' और 'कार्यान्वयन' की ठोस प्रक्रिया के रूप में देखा जाए, जहां स्त्री अपने शरीर, श्रम, समय और निर्णय पर पूर्ण अधिकार प्राप्त करे। जैसे कोई पुरानी लोककथा जो आज भी गूंजती है, स्त्री मुक्ति का यह विमर्श 2026 के भारत में और अधिक तीव्र हो उठा है। वादे अभी भी चांदी-सी चमक बिखेरते हैं : महिला आरक्षण का कानून, मिशन शक्ति की छत्रछाया, डिजिटल युग में सुरक्षा के नए वादे, किंतु इरादे की परीक्षा आज और कठिन हो गई है। वर्तमान समय में, जब विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 भारत को 148 देशों में 131 वें स्थान पर रखती है (स्कोर मात्र 64 .4 प्रतिशत), जब अपराध की काली छाया अभी भी महिलाओं की सांसों को घेरती है और जब डिजिटल हिंसा एक नई महामारी की तरह फैल रही है। वादे कितने भी ऊंचे क्यों न हों, यदि इरादे कमजोर हैं, तो मुक्ति एक अधूरी कविता बनी रहती है। NCRB के 2022 आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराधों के 4,45,256 मामले दर्ज हुए, जो पिछले वर्ष से 4 प्रतिशत अधिक हैं, यानी हर घंटे 51 शिकायतें। राष्ट्रीय अपराध दर प्रति लाख महिलाओं पर 66 .4 है और दिल्ली, हरियाणा, तेलंगाना जैसे राज्यों में यह दोगुनी से अधिक है। NFHS-5 (2019-21) के अनुसार, 32 प्रतिशत विवाहित महिलाओं ने जीवन में शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा का अनुभव किया है। ये आंकड़े बताते हैं कि कानूनी वादे जैसे मिशन शक्ति के बावजूद, रिपोर्टिंग की कमी और सांस्कृतिक कलंक हिंसा को छिपाते हैं। इरादे सवालों के घेरे में आते हैं, क्योंकि ये नीतियां अक्सर चुनावी लाभ के लिए बनाई जाती हैं, न कि जड़ से पितृसत्ता को उखाड़ने के लिए। ऑनलाइन हिंसा ऑफलाइन जीवन को कैसे निगल जाती है। महिलाएं, विशेषकर दलित और विकलांग इससे अधिक प्रभावित हैं। यह नई चुनौती पुराने पितृसत्ता को डिजिटल रूप दे रही है वादे 'सुरक्षित डिजिटल स्पेस' के हैं, किंतु इरादे अभी भी सतही।

एग्जाम के बाद बच्चों को दें रचनात्मक उड़ान

एग्जाम समाप्त होने के बाद बच्चों के सामने अचानक काफी खाली समय आ जाता है। कई बार वे समझ नहीं पाते कि इस समय का उपयोग कैसे करें। यदि इस अवधि को सही दिशा मिल जाए, तो यह बच्चों के लिए सीखने, नई चीजें आजमाने और अपनी प्रतिभा को पहचानने का बेहतरीन अवसर बन सकता है। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे बच्चों को ऐसी गतिविधियों की ओर प्रेरित कर सकते हैं, जो मनोरंजक होने के साथ-साथ उनके मानसिक, शारीरिक और रचनात्मक विकास में भी मदद करें। छुट्टियों के इन दिनों में बच्चे खेल, कला, संगीत और पढ़ने जैसी कई गतिविधियों के जरिए खुद को व्यस्त और खुश रख सकते हैं।

आर्ट और क्राफ्ट

बच्चों को आर्ट और क्राफ्ट की गतिविधियों में शामिल करना एक अच्छा तरीका है, जिससे उनकी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। रंग भरना, चित्र बनाना, कागज से सजावटी वस्तुएं बनाना या मिट्टी से छोटी-छोटी आकृतियां तैयार करना जैसे काम, उन्हें बहुत पसंद आते हैं। इन गतिविधियों से उनकी मोटर स्किल्स भी बेहतर होती हैं और वे धैर्य तथा ध्यान से काम करना सीखते हैं।

खेलकूद

छुट्टियों में बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करना भी बहुत जरूरी है। साइकिल चलाना, फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन या पार्क में दौड़ना जैसी गतिविधियां, उन्हें शारीरिक रूप से सक्रिय बनाए रखती हैं। इससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है और वे टीमवर्क, अनुशासन और आपसी सहयोग जैसे सामाजिक गुण भी सीखते हैं।

म्यूजिक और डांस

यदि बच्चों की रुचि संगीत या नृत्य में है, तो छुट्टियों का समय इन प्रतिभाओं को निखारने के लिए उपयुक्त हो सकता है। म्यूजिक या डांस की क्लासेस उन्हें नई कला सीखने का अवसर देती हैं। इसके अलावा संगीत और नृत्य बच्चों के मानसिक तनाव को कम करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करते हैं।

कोर्स के अलावा किताबें पढ़ना

बच्चों को पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य किताबें पढ़ने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। कहानियों की किताबें, विज्ञान से जुड़ी रोचक पुस्तकें या इतिहास की सरल किताबें उनके ज्ञान को बढ़ाती हैं। पढ़ने की आदत से उनकी भाषा पर पकड़ मजबूत होती है और सोचने-समझने की क्षमता भी विकसित होती है।

कुकिंग और बेकिंग

छुट्टियों में बच्चों को रसोई के छोटे-छोटे काम सिखाना भी एक अच्छा अनुभव हो सकता है। माता-पिता उन्हें आसान रेसिपी बनाना सिखा सकते हैं, जैसे सैंडविच, सलाद या साधारण मिठाइयां। इससे बच्चों में जिम्मेदारी की भावना बढ़ती है और वे धीरे-धीरे आत्मनिर्भर बनना भी सीखते हैं।

मैनीक्योर-पेडिक्योर: सुंदरता और स्वास्थ्य का संगम

आप अपने हाथों और नाखूनों को प्राथमिकता कब देते हैं? मैनीक्योर और पेडिक्योर की डेट नजदीक आते ही एक सुखद अहसास होने लगता है। हालांकि हम मैनीक्योर और पेडिक्योर को प्राय: शारीरिक सुंदरता के पैमानों से ही आंकते हैं, लेकिन इसके शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य से भी अनेक फायदे होते हैं। मैनीक्योर और पेडिक्योर मात्र नाखूनों की सफाई ही नहीं है, बल्कि यह सेल्फ-केयर की एक जरूरी कड़ी है, जिससे स्वास्थ्य लाभ होता है, सुंदरता में निखार आता है, रक्त संचार बढ़ता है, हाइजीन को बढ़ावा मिलता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। मैनीक्योर और पेडिक्योर से जहां आपकी त्वचा कोमल रहती है, आपके नाखून स्वस्थ रहते हैं और आपका तनाव नियंत्रित रहता है, वहीं इसके और भी अनेक फायदे हैं। इसके अलावा यह सस्ता है, जल्दी हो जाता है और ट्रेंडी लुक पाने का आसान तरीका भी है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

बेहतर रक्त संचार

जब आप मैनीक्योर और पेडिक्योर करवाते हैं, तो इसका एक प्रमुख लाभ यह होता है कि इस प्रक्रिया से शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे त्वचा में निखार आता है। ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से शरीर में गर्मी बढ़ती है, जो सर्दियों के मौसम में एक सुखद अनुभव देती है।

रक्त संचार बेहतर होने से हाथों और पैरों की सूजन तथा दर्द में कमी आती है, जिससे जोड़ों के रोगियों को भी

राहत मिलती है। इससे त्वचा में कसाव आता है, जिसके कारण चेहरे तथा हाथ-पैरों की झुर्रियां कम दिखाई देती हैं और व्यक्ति अधिक युवा नजर आता है। शरीर में बेहतर रक्त संचार दिल की सेहत के लिए भी लाभदायक होता है। जब हृदय रक्त को शरीर में प्रवाहित करता है, तो उसी प्रक्रिया के साथ शरीर में पोषक तत्व, न्यूट्रिएंट्स और ऑक्सीजन पहुंचते हैं तथा अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकल जाते हैं।

मैनीक्योर और पेडिक्योर की प्रक्रिया के दौरान किया जाने वाला हल्का स्पर्श, आरामदायक माहौल और सुगंधित वातावरण मन को शांत करता है, जिससे तनाव और बेचैनी का स्तर कम होता है। इस दौरान आप अपने लिए कुछ समय निकालते हैं, जिससे मूड बेहतर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और आप स्वयं को अधिक ताजगी और ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करते हैं। रक्त संचार बढ़ने से शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं, जिससे संपूर्ण वेलनेस को बढ़ावा मिलता है और पैरों में फ्लूइड की मात्रा कम होती है। इससे मांसपेशियों में तनाव कम होता है और जोड़ों की गतिशीलता में भी सुधार आता है।

संक्रमण की रोकथाम

हमारे हाथ और पैर दिनभर कई सतहों के संपर्क में आते हैं, जिससे उन पर धूल, मिट्टी और गंदगी जमा हो जाती है। इसके कारण नाखून गंदे हो जाते हैं और त्वचा भी प्रभावित हो सकती है। नियमित मैनीक्योर और पेडिक्योर नाखूनों को साफ और व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं, जिससे फंगल और बैक्टीरियल संक्रमण की संभावना कम हो जाती है।

नाखूनों के आसपास की मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने और क्यूटिकल की उचित देखभाल करने से भी संक्रमण को रोकने में सहायता मिलती है।

पैरों के नाखूनों को साफ रखना, उन्हें छोटा रखना और नियमित रूप से काटना इनग्रोन नेल (अंदर की ओर बढ़ने वाले नाखून) की समस्या से बचाता है और संक्रमण की संभावना को कम करता है। यही लाभ हाथों के नाखूनों के लिए भी होता है।

मैनीक्योर और पेडिक्योर में पौष्टिक क्रीम और तेलों का उपयोग किया जाता है, जो इस क्षेत्र को मॉइस्चराइज करते हैं। इससे नाखून टूटते नहीं हैं और उन पर उबड़-खाबड़ धब्बे भी नहीं पड़ते।

कम करता है तनाव

मैनीक्योर और पेडिक्योर के दौरान की जाने वाली मसाज से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं और तनाव कम होता है। मसाज के प्रेशर और मूवमेंट से तनाव रिलीज होता है और यह स्वास्थ्य तथा तंदरुस्ती को बढ़ावा देता है।

यह मसाज हाथों और पैरों की नसों को शांत करती है, जिससे मानसिक तनाव को संतुलित किया जा सकता है। हाथों और पैरों को गर्म पानी में डुबोने से थकान दूर हो जाती है और शरीर को आराम मिलता है। यह प्रक्रिया हाथों और पैरों की कठोर मांसपेशियों को शांत करती है, उनकी पीड़ा कम करती है और उन्हें अधिक लचीला बनाती है।

त्वचा की नमी रखता है बरकरार

त्वचा की नमी बनाए रखना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। एक अच्छे मैनीक्योर और पेडिक्योर में गहन हाइड्रेशन प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिससे त्वचा की प्राकृतिक नमी और लचीलापन बरकरार रखने में मदद मिलती है।

इससे त्वचा फटने से बचती है और दाग-धब्बों की समस्या भी कम होती है। तेल व क्रीम की मालिश त्वचा को पोषण देती है और उसकी नमी को बरकरार रखती है।

नाखून और त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार

मैनीक्योर और पेडिक्योर नाखूनों को गहराई से साफ करते हैं। इस प्रक्रिया से नाखूनों में जमी गंदगी पूरी तरह हट जाती है और त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले कीटाणु भी नष्ट हो जाते हैं।

क्यूटिकल को सही तरीके से ट्रिम करने से हैंगनेल (नाखूनों के आसपास की त्वचा की समस्या) से होने वाली पीड़ा से बचाव होता है और नाखूनों को स्वस्थ तरीके से बढ़ने का मार्ग मिलता है।

नियमित मैनीक्योर और पेडिक्योर से त्वचा की नई कोशिकाओं का विकास होता है। इसमें होने वाला एक्सफोलिएशन हाथों और पैरों की मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जो नाखूनों और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

खाना खजाना

कुरकुरे स्नैक चीज बॉल

चीज बॉल एक ऐसा स्नैक है, जो बाहर से कुरकुरा और अंदर से मुलायम व चीजी स्वाद से भरपूर होता है। शाम की चाय हो, बच्चों की पार्टी या अचानक आए मेहमान- यह हर मौके पर झटपट तैयार होकर सबका दिल जीत लेता है। उबले आलू, मसालों और पिघलती चीज का बेहतरीन मेल इसे खास बनाता है। इसे बनाना आसान है और सामग्री भी घर में आसानी से मिल जाती है। गरमागरम चीज बॉल्स को चटनी या सॉस के साथ परोसें और हर बाइट में स्वाद का मजा लें।

नीलम कोडवानी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- 1 कप उबले हुए आलू, मैश किए हुए
- बारीक कटा हुआ पत्तागोभी, शिमला मिर्च, गाजर, गार्लिक, प्याज
- आधा कप पनीर, कसा हुआ
- चौथाई कप ब्रेड क्रम्ब्स
- चौथाई कप कॉर्नफ्लोर
- आधा चम्मच नमक
- चौथाई चम्मच काली मिर्च पाउडर
- चौथाई चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच हरा धनिया, कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस
- 1 कप मैदा
- 1 चम्मच चिल्ली फ्लैक्स और ऑरिगेनो
- तेल या घी तलने के लिए

बनाने की विधि

एक बड़े बाउल में उबले और अच्छे से मैश किए हुए आलू, कद्दूकस किया हुआ पनीर, ब्रेड क्रम्ब्स, चिल्ली फ्लैक्स, ऑरिगेनो, कॉर्नफ्लोर, नमक, काली मिर्च पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटा हरा धनिया, नींबू का रस और अपनी पसंद की बारीक कटी सब्जियां (जैसे शिमला मिर्च, गाजर, कॉर्न आदि) डालें। सभी सामग्री को हाथों या चम्मच की सहायता से अच्छी तरह मिलाकर स्मूद और बाइंडिंग वाला मिश्रण तैयार करें। यदि मिश्रण ज्यादा नरम लगे, तो थोड़ा और ब्रेड क्रम्ब्स मिला सकते हैं।

अब एक अलग बाउल में 2 चम्मच कॉर्नफ्लोर और 2 चम्मच मैदा लें। इसमें चुटकीभर नमक डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए स्मूद, गाढ़ा और बिना गुठली वाला घोल तैयार करें। ध्यान रखें कि बैटर न ज्यादा पतला हो और न बहुत गाढ़ा- इतना हो कि बॉल्स पर अच्छी तरह कोट हो जाए। तैयार मिश्रण से छोटे-छोटे बराबर आकार के बॉल्स बनाएं। हर बॉल को पहले कॉर्नफ्लोर-मैदा के बैटर में डिप करें, फिर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें। अतिरिक्त कुरकुरापन के लिए इस प्रक्रिया को दोबारा दोहराएं यानी दोहरी कोटिंग करें। कढ़ाही में मध्यम आंच पर तेल या घी अच्छी तरह गरम करें। बॉल्स को धीरे-धीरे तेल में डालें और मध्यम आंच पर पलट-पलटकर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। बहुत तेज आंच पर न तलें, वरना बाहर से जल्दी ब्राउन हो जाएंगे और अंदर से कच्चे रह सकते हैं। तलने के बाद टिश्यू पेपर पर निकालें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। गरमा गरम बॉल्स को हरी चटनी, टोमेटो सॉस या मेयोनीज के साथ परोसें और स्वादिष्ट, कुरकुरे स्नैक का आनंद लें।

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

दलित युवक को गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

नवाबगंज, अमृत विचार : होली की रात दलित युवक को गोली मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर में होली की रात गांव निवासी रामबाबू श्मशान भूमि के पास बनी पुलिया पर खड़े थे। आरोप है कि उसी दौरान गांव का ही हरिशंकर उर्फ गुड्डा कार से वहां पहुंचा और रामबाबू पर शराब पीने का दबाव बनाने लगा। रामबाबू के शराब पीने से इनकार करने पर आरोपी भड़क गया और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए तमंचे से फायर कर दिया। गोली रामबाबू के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। घायल के भाई पप्पू की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी हरिशंकर उर्फ गुड्डा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

बिजली के चार जर्जर पोल गिरे, टला बड़ा हादसा

नवाबगंज, अमृत विचार : बहोर नगला रोड स्थित मोहल्ला आदर्श नगर में लंबे समय से झुके और नीचे से गल चुके बिजली के पोल आखिरकार गिर गए। गनीमत रही कि उस समय सड़क पर कोई नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है। इस पर दिनभर काफी आवाजाही रहती है। ऐसे में बिजली के पोलों का अचानक गिरना किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकता था। मोहल्ला निवासी अमित कटियार ने बताया कि खंभों की हालत काफी समय से खराब थी और वे नीचे से पूरी तरह गल चुके थे और झुक गए थे। इसकी सूचना कई बार बिजली विभाग को दी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते विभाग कार्रवाई कर देता तो यह स्थिति नहीं बनती। शनिवार को एक साथ चार बिजली के पोल गिरने से इलाके में हड़कंप मच गया। एसडीओ राजेंद्र कुमार ने बताया कि मौके पर पूरी टीम पहुंच गई है। जरूरत के हिसाब से पोल लगाए जा रहे हैं।

पारिवारिक क्लेश में महिला ने खाया जहर पति समेत सात पर केस

फरीदपुर, अमृत विचार : पारिवारिक क्लेश में महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने पर उसे आनन–फानन में नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार अर्चना कुमारी, निवासी ग्राम भवनपुर न्यायतुल्ला थाना भुता का पति भूपेंद्र कुमार से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बात इतनी बढ़ गई कि माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसी बीच अर्चना ने जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना की खबर मिलते ही परिजन घबरा कर तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया। महिला के मायके वालों ने आरोप लगाया है कि पति और ससुराल वालों ने उसे जहर पिलाया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति भूपेंद्र और सास रामकली समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रंग लगाने के विरोध पर किया हमला

नवाबगंज पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू की

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बहोर नगला में घर में घुसकर युवक से मारपीट की गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने कई आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी अनूप कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि होली के दिन नितिन मिश्रा और साकेत मिश्रा शराब के नशे में उसके घर आए और घर की महिलाओं को जबरन रंग लगाने की कोशिश करने लगे। विरोध पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

आरोप है कि 5 मार्च की शाम करीब पांच बजे राजीव मिश्रा, साकेत मिश्रा, चंद्र मिश्रा, नितिन मिश्रा और रूपम मिश्रा उसके घर में घुस गए। उस समय उसका पुत्र शिवम मिश्रा घर पर अकेला था। आरोपियों ने उसे लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से पीट दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। शोर शराबा पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शराब पीने को पैसे न देने पर तमंचा दिखाकर की मारपीट

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव में होली पर दबंग व्यक्ति महिला के घर में घुस गया और उसके पति से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। पैसे देने से मना करने पर आरोपी घर से तमंचा लेकर आया और महिला के पति को जान से मारने की नीयत से तमंचे से पीटते हुए खींचकर उसे बाहर ले गया। शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग आ गए। जिन्होंने आरोपी से महिला के पति को बचाया। किसी ने घटना का वीडियो बना लिया। और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आरोपी वीडियो में तमंचा लहराता हुआ नजर आ रहा है और महिला के पति को जान से मारने की धमकियां दे रहा है। महिला ने डायल 112 पर फोन करके पुलिस को बुला लिया। और कैंट पुलिस को कार्रवाई के लिए नामजद तहरीर भी दी। आरोप है, कि कैंट पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के बाद छोड़ दिया। इसके बाद आरोपी पीड़ित परिवार को लगातार धमकियां दे रहा है। कार्रवाई न होने पर परेशान महिला ने शनिवार को एसएसपी अनुराग आर्य से मामले की शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

घर में घुसकर की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र के मठ लक्ष्मीपुर निवासी राहुल ने बताया कि वह शुक्रवार को घर पर खाना खा रहे थे। तभी उसके पड़ोस में रहने वाले केवल, सुनील, महेन्द्र, सूरज, प्रन्सू, शिवम, बाबू, वीरपाल ने घर में घुसकर हमला कर दिया। आरोपियों ने घर का सामान तोड़ दिया।

रंजिशन पिता-पुत्र को पीटा, रिपोर्ट

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव आनंदापुर लक्ष्मी नारायन में पुरानी रंजिश के चलते तीन लोगों ने पिता–पुत्र पर हमला कर घायल कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आनंदापुर गांव निवासी अखिलेश गंगवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। होली की छुट्टियों में अपने घर आए थे। 4 मार्च की सुबह करीब 10 बजे गांव के ही राकेश कुमार, पंकज कुमार और रोहित कुमार उसके पिता विश्वपाल गंगवार को गाली–गलौज करते हुए पीटने लगे। पिता को बचाने के लिए जब अखिलेश पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। आरोप है कि मारपीट के बाद हमलावर तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बाइक सवारों पर हमला करने के मामले में रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी : गांव रहपुरा जागीर निवासी दुर्गा प्रसाद रिश्तेदार बलखेड़ा बिलासपुर थाना खजुरिया निवासी राजेश के साथ बाइक से बरेली जा रहे थे। पुरानी रंजिश में गांव रहपुरा जागीर निवासी उमेश कुमार, प्रमोद कुमार, रोहित ने 10,12 साथियों के साथ हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपी राजेश की अंगूठी, चेन छीनकर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

होली मिलन कार्यक्रम में पहुंचे झारखंड के राज्यपाल

होली मिलन समारोह में शामिल संतोष गंगवार। ● अमृत विचार

मीरगंज, अमृत विचार: झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शनिवार को सिरौली चौराहे स्थित ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार के आवास पर आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उन्हें होली की बधाई दी। ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार व स्थानीय लोगों ने राज्यपाल का स्वागत किया। सीओ अजय कुमार और थाना प्रभारी संजय तोमर मुस्तैद रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, डॉक्टर महिपाल गंगवार, नरेन्द्र गंगवार, सोनू कुर्मी, रमेश कुर्मी, राजू भारती, अरवाज सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

गौवंशीय पशुओं का वध कराने ले जा रहे युवक दबोचे

रिठौरा, अमृत विचार : योगी राज में अब हिंदू समाज के कुछ लोग गौवंशीय पशुओं का दुश्मन बन गए हैं। चंद पैसों के लालच में गौवंशीय पशुओं की हत्या कराने का कर रहे हैं। गौवंशीय पशुओं का वध कराने जा रहे हिन्दू समाज के दो आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

हिंदू जागरण मंच स्वाभिमान सुरक्षा समिति के भंडसर नगर अध्यक्ष तेजपाल सक्सेना की अगुवाई में एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने शनिवार को गांव के ही अजय चौधरी और छोटू श्रीवास्तव समेत पांच युवकों को रात के अंधेरे में गौवंशीय पशुओं को कसाईयों के हवाले करने ले जा रहे थे। गांव के बाहर जंगल के रास्ते भंडसर -बड़ेपुरा की सीमा पर टीम के पदाधिकारियों ने दबोच लिया।

डग्गामार ऑटो पर कार्रवाई वाहन छोड़ भागे चालक

फरीदपुर, अमृत विचार : नगर में अनधिकृत रूप से संचालित हो रहे ऑटो रिक्शा के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। आईजीआरएस पोर्टल पर मिली शिकायत का संज्ञान लेते हुए एआरटीओ रमेश सिंह प्रजापति के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने शनिवार को फरीदपुर में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 14 अवैध ऑटो रिक्शा के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई, जिनमें से 3 ऑटो को मौके पर ही सीज कर दिया गया।

बाबा साहेब पर अभद्र टिप्पणी में गिरफ्तार

फरीदपुर, अमृत विचार : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करने और विशेष समुदाय के खिलाफ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने के मामले में कोतवाली फरीदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

● **इंस्टाग्राम पर विशेष समुदाय के खिलाफ जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का भी आरोप**

बरेली के कैंट थाना क्षेत्र के गांव उमरिया निवासी शुभम प्रधान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर निवासी शिवकुमार कश्यप ने इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली है। आरोप है कि पोस्ट में आरोपी ने विशेष समुदाय के खिलाफ जातिसूचक और अभद्र टिप्पणियां कीं, साथ ही संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में भी अश्लील भाषा का प्रयोग किया। उसने धमकी दी है पुलिस या कहीं और शिकायत की तो जान से मार देगा।

त्योहारों पर नई परंपरा डालने पर होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता, शेरगढ़ अमृत विचार : नवरात्रि एवं श्रीरामनवमी को लेकर थाना परिसर में शनिवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं० 10/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. 1.** कार्य का विवरण : समइं/पीलीभीत अनुभाग के अंतर्गत पीलीभीत–टनकपुर खंड में बनवासा–टनकपुर के मध्य ट्रैक के किनारे सीआरओ की रोकथाम के लिए मेटल बीम क्रैश बेरियर सेफ्टी फेन्सिंग लगाने का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों में : रू. 4,69,20,211.39, बयाना राशि रूपयों में : रू. 3,84,600/–, निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 09 माह। **1.** ई–निविदा दिनांक 30.03.2026 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **2.** ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), इज्जतनगर

मुजाधि/डब्लू – 499

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्र न करें।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, पीलीभीत

पत्रांक 381/31ए दि0 23.02.2026

अल्प कालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना स्वीकृति की प्रत्याशा में

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत द्वारा लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत योग्य ठेकेदारों से प्रतिशत दरों पर बिड आमंत्रित की जाती है। बिड प्रस्तुत करते समय निविदा के आई0टी0बी0 में उल्लिखित शर्तो के अनुसार बिड अपलोड करें।
2.

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु सहित)	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पीलीभीत	पूरनपुर खटीमा मार्ग से मैनाकोट कालोनी सम्पर्क मार्ग(ग्रा.मा.) के विशेष मरम्मत का कार्य।	18.52	1.90	600+300+GST18% (Rs. 900+162= Rs. 1062.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)

3. बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 09.03.2026 से दि0 16.03.2026 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है, जिनकी तकनीकी बिड तद्दिनांक 16.03.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी। निविदा से सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, पीलीभीत।

UP-247382 दिनांक 06.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1733 /142सी0(ई0टेण्डर)–3/26 दिनांक: 26.02.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 09.03.2026 से दिनांक 16.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 14.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू० लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत चावरखास से छिकड़ापुर तक सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	114.40	8.58	122.98	8.15	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-247361 दिनांक 06.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1734 / 141सी0(ई0टेण्डर)–3 / 26 दिनांक: 26.02.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 09.03.2026 से दिनांक 17.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 17.03.2026 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू० लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	ग्राम कुरसण्डा से पंचपीर बाबा तक नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	105.00	6.50	111.50	7.58	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
2	ग्राम रसूलपुर चठिया में प्राथमिक विद्यालय से अहिवरन पाल के मकान तक नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		74.80	4.40	79.20	5.96	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
3	ग्राम कपेड़ कटका बुढानपुर बार्डर से उदयपुर कटैया सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		119.80	7.50	127.30	8.37	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
4	ग्राम हथौड़ा बुजुर्ग से स्टेडियम मार्ग तक बांयी ओर का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		53.30	1.30	54.60	4.73	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 247473 दिनांक: 06/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सिंचाई कार्य मण्डल, सीतापुर

ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–03 / अधी0अभि0 / 2025–26

पत्रांकः– 1112 / सिं0का0मं0 / निविदा 2025–26, दिनांकः– 27.02.2026

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से इस मण्डल के अन्तर्गत अधिशासी अभियन्ता, सीतापुर प्रखण्ड शारदा नहर, सीतापुर व शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर के निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in/ के माध्यम से प्री–क्वालीफिकेशन, टेक्निक्लबिड एवं फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांकः–09.03.2026 की अपरान्ह–12.00 बजे से दिनांकः–16.03.2026 को अपरान्ह–14.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड दिनॉकः–16.03.2026 को अपरान्ह–15.00 बजे मुख्य अभियन्ता (शारदा) द्वारा गठित समिति के माध्यम से ऑनलाइन खोली जायेंगी। प्री–क्वालीफिकेशन एवं टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के फाइनेन्शियल बिड, खोलने की तिथि कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर, नोटिस बोर्ड / ई–पोर्टल पर सूचित किया जायेगा।

क्र0 स0	लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (जी0एस0टी0 स्टेशनरी चार्ज सहित) (रू0 में)	पंजीकृत श्रेणी	कार्य से सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	01	जनपद सीतापुर में तहसील लहरपुर के अन्तर्गत शारदा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम–बढ़ईन का पुरवा, पुजारिनपुरवा, रहमानपुरवा, जल्लाहपुरवा व अन्य की शारदा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक का कार्य।	501.60	10.04	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'एए'	सीतापुर प्रखण्ड शारदा नहर, सीतापुर
2.	02	जनपद सीतापुर में तहसील लहरपुर के अन्तर्गत शारदा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम–मास्टर पुरवा, बुढ़नापुर, काटकोला, बाबूपुरवा व अन्य की शारदा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक का कार्य।	512.68	10.25	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'एए'	सीतापुर प्रखण्ड शारदा नहर, सीतापुर
3.	03	जनपद सीतापुर में तहसील लहरपुर के अन्तर्गत शारदा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम–रतौली, रमपुरवा, बेलवा, पट्टी व अन्य की शारदा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक परियोजना की पुनर्स्थापना का कार्य।	331.71	6.64	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'ए' अथवा उच्च	सीतापुर प्रखण्ड शारदा नहर, सीतापुर
4.	04	जनपद सीतापुर में तहसील लहरपुर के अन्तर्गत शारदा नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम–बसन्तापुर, देवपालपुर व अन्य की शारदा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक परियोजना की पुनर्स्थापना का कार्य।	550.41	11.01	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'एए'	सीतापुर प्रखण्ड शारदा नहर, सीतापुर
5.	05	जनपद शाहजहाँपुर में तहसील तिलहर के अंतर्गत देवहा नदी के दॉये किनारे पर स्थित ग्राम सथरापुर एवं बहेड़ आदि ग्राम समूह की देवहा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक का कार्य।	411.82	8.24	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'ए' अथवा उच्च	शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर
6.	06	जनपद शाहजहाँपुर में तहसील सदर के अंतर्गत गर्रा नदी के दॉये किनारे पर स्थित ग्राम शाहबाजपुर, सरौरा एवं सरौरी आदि ग्राम समूह की गर्रा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक का कार्य।	519.32	10.39	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'एए'	शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर
7.	07	जनपद शाहजहाँपुर में तहसील सदर के अंतर्गत गर्रा नदी के दॉये किनारे पर स्थित ग्राम चॉदापुर बरकतपुर की गर्रा नदी के कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक का कार्य।	334.10	6.68	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'ए' अथवा उच्च	शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर
8.	08	जनपद शाहजहाँपुर में गर्रा नदी के दॉये किनारे पर स्थित बेहटा, शाहबाजनगर, बन्ध पर बोल्डर पिचिंग का कार्य।	390.36	7.82	06 माह (बाढ़काल छोड़कर)	रू0 2,715.00	श्रेणी 'ए' अथवा उच्च	शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर
9.	09	जनपद शाहजहाँपुर के अंतर्गत बहगुल नदी के दॉये किनारे पर स्थित ग्राम धर्मपुर कंकलिया एवं बॉयें किनारे पर स्थित बकैनिया आदि ग्राम समूह की बाढ़ सुरक्षा हेतु कटान निरोधक का कार्य।	139.71	2.80	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'ए' अथवा उच्च	शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर
10.	10	जनपद शाहजहाँपुर के अंतर्गत बहगुल नदी के बॉयें किनारे पर स्थित ग्राम रघुनाथपुर की बाढ़ सुरक्षा हेतु कटान निरोधक का कार्य।	77.51	1.55	03 माह	रू0 2,715.00	श्रेणी 'बी' अथवा उच्च	शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर

यह ई–निविदा सूचना उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट http://up.gov.in/, सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in/ तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://idup.gov.in/ पर भी उपलब्ध है।

UP - 247385 दिनांक: 06/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षण अभियन्ता
सिंचाई कार्य मण्डल,
सीतापुर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली

ई–निविदा सूचना संख्या–06/अधी0अभि0/2025–26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राईस–बिड / फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक–09.03.2026 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक–16.03.2026 अपरान्ह 03.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड / दिनांक–16.03.2026 को अपरान्ह 04.00 बजे अधीक्षण अभियन्ता, पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली उत्तर प्रदेश के कार्यालय में मुख्य अभियन्ता, (शारदा) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 बरेली द्वारा गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी एवं प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के प्राइस–बिड / फाइनेन्सियल बिड खोलने की तिथि कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर ई–पोर्टल पर सूचित किया जायेगा।

लाट सं0	कार्यों का विवरण	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद पीलीभीत में शारदा नदी के दॉये तट पर स्थित सनेढी तटबंध पर पूर्व निर्मित स्पर सं0 02,03 एवं 04 की लांचिग एप्रन की पुनर्स्थापना तथा स्पर सं0 01 से 04 के मध्य परक्यूपाइन लगाने का कार्य।	शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत	415.35	8.31	03 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "ए" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी
2	जनपद पीलीभीत में शारदा नदी के दॉये तट पर स्थित सनेढी तटबंध पर पूर्व निर्मित स्पर सं0 11, 12, 13 एवं 14 की लांचिग एप्रन की पुनर्स्थापना तथा स्पर सं0 10 से 15 एवं स्पर सं0 16 से 17 के मध्य परक्यूपाइन लगाने का कार्य।		462.05	9.25	03 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "ए" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी
3	जनपद पीलीभीत में शारदा नदी के दायें तट पर स्थित सनेढी तटबंध पर पूर्व निर्मित स्पर सं0 28 एवं 29 की पुर्नस्थापना तथा स्पर सं0 28 से 30 के मध्य परक्यूपाइन लगाने का कार्य।		410.45	8.21	03 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "ए" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी
4	जनपद पीलीभीत में कटना नदी के दांये किनारे पर स्थित भदारा एवं भदारी ग्राम समूह की कटाव निरोधक कार्य।		332.13	6.65	03 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "ए" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी
5	जनपद पीलीभीत में कटना नदी के दांये किनारे पर स्थित धीमरपुरा ग्राम समूह की कटाव निरोधक कार्य।		96.63	1.94	03 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "बी" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी
6	जनपद पीलीभीत में रपटुआ नदी के बांये किनारे पर ग्राम बसारा स्थित सिद्धपीठ मन्दिर परिसर की कटाव निरोधक कार्य।		78.61	1.58	03 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "बी" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी

UP-247444 दिनांक 06.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(त्रयम्बक त्रिपाठी)
अधीक्षण अभियन्ता

कार्यालय ग्राम पंचायत धमीपुर वि.ख. भदपुरा जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वीकृत मनरेगा कार्य योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत धमीपुर को आवंटित उपलब्ध धनराशि से कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणानुसार कार्यो के शासकीय विभाग से पंजीकृत उच्च कोटि की सामग्री आपूर्तिकर्ताओं/फर्मो से सरिया, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, देशी रेत, ईट, रोड़ा, मिट्टी, पॉलीथीन आदि व अन्य आवश्यक सामग्रियां निर्माण कार्य से प्रस्तुत होती है के लिये निविदायें आमंत्रित की जाती है। सीलबंद निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 08.03.2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 10.03.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक समय 4:00 बजे उपस्थित आपूर्तिकर्ताओं के सामने खोली जायेगी। कोई निविदा प्राप्त न होने पर कुटेशन प्राप्त कार्य कराने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को निहित होगा। मनरेगा के कार्यो का विवरण :

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई	अनु. लागत
1.	शान्ति देवी के घर से चन्द्रपाल के घर तक नाली व सीसी रोड निर्माण कार्य	50 मी.	143927/–

ग्राम प्रधान–अंजू देवी सचिव–ब्रजेश यादव

कार्यालय ग्राम पंचायत जासपुर वि.ख. भदपुरा जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वीकृत मनरेगा कार्य योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत जासपुर को आवंटित उपलब्ध धनराशि से कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणानुसार कार्यो के शासकीय विभाग से पंजीकृत उच्च कोटि की सामग्री आपूर्तिकर्ताओं/फर्मो से उच्च कोटि की ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, रेता, सरिया व अन्य आवश्यक सामग्रियां निर्माण कार्य से प्रस्तुत होती है के लिये निविदायें आमंत्रित की जाती है। सीलबंद निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 08.03.2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 11.03.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक समय 4:00 बजे उपस्थित आपूर्तिकर्ताओं के सामने खोली जायेगी। कोई निविदा प्राप्त न होने पर कुटेशन प्राप्त कार्य कराने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को निहित होगा। मनरेगा के कार्यो का विवरण :

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई	चौड़ाई	अनु. लागत
1.	हरिशंकर के घर से प्रभुदयाल के घर तक सीसी रोड निर्माण	100	3.5	331000/–

ग्राम प्रधान–कृष्णा देवी सचिव–ब्रजेश कुमार

अमृत विचार

रविवार, 8 मार्च 2026

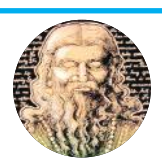

जडभूतविकारेषु चैतन्यं यतु दृश्यते।
ताम्बूलपूगचूर्णानां योगाद् राग इवोत्थितम्।।

चार्वाक कहते हैं, जिस प्रकार पान के पत्ते और सुपाड़ी के चूर्ण के संयोग से लाल रंग होठों पर छा जाता है, उसी प्रकार इन चेतना शून्य घटक तत्वों के परस्पर संयोग से चेतना की उत्पत्ति होती है। यानी चेतना आत्मा या ततुल्य किसी अन्य अभौतिक सत्ता की विद्यमानता से नहीं आती है। विभिन्न पदार्थों के सेवन से चेतना की तीव्रता कम-ज्यादा हो जाती है, जिससे स्पष्ट है कि ये ही पदार्थ चेतना के कारण हैं।

युद्ध को ईश्वर की योजना बताने का प्रयास घातक

> लार्सन की रिपोर्ट में उल्लेख है कि एक कमांडर ने नॉन-कमीशंड अधिकारियों को संबोधित करते हुए ईरान युद्ध को बाइबल की भविष्यवाणियों से जोड़ दिया। कमांडर ने कहा कि प्रभु यीशु ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अभिषेक किया है कि वे ईरान में अग्नि प्रज्वलित करें, जिससे आर्मगेडन प्रारंभ हो और पृथ्वी पर यीशु की वापसी का मार्ग प्रशस्त हो। एक अन्य सैनिक ने बताया कि उनकी यूनिट ईरानी युद्ध क्षेत्र से दूर है, फिर भी वहां इसी प्रकार का कट्टरपंथी संदेश दिया गया।

अमेरिका सारी दुनिया को पंथनिरपेक्षता का पाठ पढ़ाता रहता है, लेकिन वर्तमान अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष के संदर्भ में एक विचित्र प्रवृत्ति सामने आ रही है। इस युद्ध को कुछ लोग सीधे धार्मिक भविष्यवाणियों और अंधविश्वास से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। एक वरिष्ठ पत्रकार जोनाथन लार्सन द्वारा अमेरिकी सेना के भीतर मजहबी कट्टरवाद और सैनिक अधिकारियों द्वारा बाइबल की भविष्यवाणियों के प्रयोग का प्रश्न उठाया है। मिलिट्री रिलिजियस फ्रीडम फाउंडेशन को ऐसी 110 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं। शिकायतें 30 से ज्यादा सैनिक ठिकानों और 40 इकाइयों से जुड़ी हैं।

कुछ कमांडरों पर आरोप है कि वे ईरान के साथ संभावित युद्ध को ईश्वर की दिव्य योजना बता रहे हैं। यीशु की वापसी का विश्वास है। युद्ध को यीशु की वापसी मार्ग भी कहा जा रहा है। शिकायत करने वालों में केवल नास्तिक ही नहीं बल्कि ईसाई, मुस्लिम और यहूदी सैनिक भी शामिल हैं। उनका कहना है कि ऐसी बयानबाजी सैनिक एकता और संविधान की शपथ दोनों का उल्लंघन करती हैं। अमेरिका में सैनिक अनुशासन के स्पष्ट नियम हैं। अमेरिकी सेना में धर्म प्रचार की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद अंधविश्वास से जुड़ी शिकायतें बढ़ रही हैं। सेना की चिंता है कि कुछ कमांडर मजहबी संदर्भों का दुरुपयोग कर रहे हैं। वे युद्ध को पवित्र और अनिवार्य सिद्ध करने के लिए धार्मिक ग्रंथों का सहारा ले रहे हैं।

लार्सन की रिपोर्ट में उल्लेख है कि एक कमांडर ने नॉन-कमीशंड अधिकारियों को संबोधित करते हुए ईरान युद्ध को बाइबल की भविष्यवाणियों से जोड़ दिया। कमांडर ने कहा कि प्रभु यीशु ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अभिषेक किया है कि वे ईरान में अग्नि प्रज्वलित करें, जिससे आर्मगेडन प्रारंभ हो और पृथ्वी पर यीशु की वापसी का मार्ग प्रशस्त हो। एक अन्य सैनिक ने बताया कि उनकी यूनिट ईरानी युद्ध क्षेत्र से दूर है, फिर भी वहां इसी प्रकार का कट्टरपंथी संदेश दिया गया। एक एनसीओ ने लिखा है कि कमांडर को नेताओं ने सैनिकों तक यह संदेश पहुंचाने के लिए कहा कि यह युद्ध ईश्वर की दिव्य योजना का हिस्सा है। उन्होंने बाइबल के 'बुक ऑफ रेवलेशन' का संदर्भ देते हुए आर्मगेडन और यीशु की वापसी से जुड़े प्रसंग दोहराए हैं। युद्ध प्रत्यक्ष मानवीय कार्रवाई है। परिस्थितियों के कारण ही युद्ध जैसे कर्म संभव होते हैं। भू-सामरिक कारण युद्ध को बढ़ाते या घटाते हैं। युद्ध में ईश्वर को घसीटना उचित नहीं है। युद्ध और बर्बरता ईश्वर की योजना का परिणाम नहीं होते। शिकायत करने वाले एनसीओ ने ठीक चेतावनी दी है कि ऐसे अंधविश्वासी वक्तव्य उचित नहीं होते। ऐसे वक्तव्य साहस और एकजुटता को नष्ट करते हैं। संविधान की रक्षा की शपथ का उल्लंघन भी करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सेना में मजहबी कट्टरवाद और बाइबल की भविष्यवाणियों के प्रयोग पर गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

बाइबल में अंत समय और आर्मगेडन की भविष्यवाणियों का उल्लेख है। आर्मगेडन शब्द बाइबल की 'बुक ऑफ रेवलेशन' में आया है। यह धारणा अच्छाई और बुराई के बीच होने वाले अंतिम युद्ध से जुड़ी है। अनेक ईसाई मानते हैं कि आर्मगेडन का युद्ध ईसा मसीह की पृथ्वी पर दूसरी वापसी का संकेत होगा, जब वे बुराई को पराजित कर शांति स्थापित करेंगे। कुछ व्याख्याओं में वर्तमान युद्ध और अशांति को भी ईश्वर की योजना का हिस्सा माना जाता है, ताकि भविष्यवाणी पूरी हो सके। सैनिकों की चिंता यह है कि कुछ कमांडर इन धार्मिक संदर्भों का उपयोग युद्ध को पवित्र या अनिवार्य सिद्ध करने के लिए कर रहे हैं। यह सैन्य अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। इतिहास में तथ्य है कि जब-जब युद्ध को धर्म का आवरण मिला है, तब-तब उसका स्वरूप अधिक क्रूर और बर्बर हुआ है। मध्यकालीन यूरोप के धर्मयुद्ध इसका उदाहरण हैं। धर्म के नाम पर लड़े गए युद्धों में लाखों लोग मारे गए, नगर उजड़ गए। सभ्यताओं को भी गहरी चोट पहुंची। युद्ध की ज्वाला जब धार्मिक आवेश से जुड़ जाती है, तो विवेक का स्थान उन्माद ले लेता है।

आधुनिक राष्ट्र-राज्य की अवधारणा इसी अनुभव से विकसित हुई। आधुनिक लोकतंत्रों ने राज्य और धर्म को अलग रखने की व्यवस्था बनाई कि युद्ध जैसे निर्णय राष्ट्रीय हित के आधार पर लिए जाने चाहिए। अंधविश्वास के आधार पर लिए गए निर्णय उचित नहीं होते। अमेरिका स्वयं को आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों का अग्रदूत मानता है। उसकी सेना संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेती है, किसी धर्मग्रंथ के प्रति नहीं, इसलिए अमेरिकी सेना में धार्मिक प्रचार या कट्टरता को लेकर उठ रही शिकायतें चिंताजनक हैं।

पश्चिम एशिया की राजनीति में प्रयुक्त भाषा पर भी विचार आवश्यक है। हाल ही में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक टिप्पणी आई कि 'यहूदियों ने बहुत बड़ी गलती कर दी।' यह कथन भी मजहबी है। यह गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकता है। किसी राज्य की नीति या कार्रवाई की आलोचना एक बात है, लेकिन उसे किसी पूरे धार्मिक समुदाय से जोड़ देना दूसरी बात है। उचित यह होता कि कथन इस प्रकार होता कि 'इजराइल ने बहुत बड़ी गलती कर दी।' अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भाषा का संयम अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी राष्ट्र की नीति की आलोचना और किसी धार्मिक समुदाय के प्रति आरोप में स्पष्ट भेद होते हैं।

युद्ध का निर्णय अत्यंत गंभीर राजनीतिक और सामरिक निर्णय होता है। इसके पीछे कूटनीति, रणनीति, सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय समीकरण जैसे अनेक तत्व महत्वपूर्ण होते हैं। धार्मिक भविष्यवाणियों को निर्णायक मानने से विवेकपूर्ण निर्णय प्रक्रिया विकृत हो जाती है। सैनिकों का मनोबल भी प्रभावित होता है। सैनिक किसी धर्मयुद्ध के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा के लिए लड़ते हैं।

आधुनिक विश्व पहले ही अनेक मजहबी पंथिक संघर्षों से जूझ रहा है। पश्चिम एशिया इसका बड़ा उदाहरण है। यदि महाशक्तियों की सेनाओं में भी धार्मिक कट्टरता का प्रभाव बढ़ने लगे, तो अंतर्राष्ट्रीय शांति और अधिक संकट में पड़ सकती है, इसलिए अमेरिकी समाज और सेना के भीतर उठ रहे ये प्रश्न केवल आंतरिक अनुशासन का मामला नहीं हैं, बल्कि वैश्विक चिंता का विषय भी हैं। युद्ध के समय संयम और विवेक की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। सैनिक नेतृत्व का दायित्व है कि वह अपने अधीनस्थों को एकजुट रखे, उनके भीतर पेशेवर अनुशासन और राष्ट्रनिष्ठा की भावना मजबूत करे। नेतृत्व को पंथिक व्याख्याओं से युद्ध को पवित्र बताने से बचना चाहिए। यह सैन्य व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत है।

युद्ध मानवीय विफलता का प्रतीक है। किसी दिव्य योजना का परिणाम नहीं। सहअस्तित्व और संवाद ही स्थायी समाधान के मार्ग हैं। युद्ध को ईश्वर की योजना बताने से हिंसा के लिए एक नया नैतिक औचित्य तैयार होगा। यह मानवता के लिए घातक है। युद्ध और पंथिक विश्वास के बीच स्पष्ट दूरी आवश्यक है। सैन्य संस्थाओं को अपने मूल पंथनिरपेक्ष अनुशासन को कठोरता से लागू करना चाहिए। पंथिक अंधविश्वास विवेकपूर्ण नहीं होते।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नेपाल: तमाम देशों को सबक है चुनाव नतीजे

नेपाल का चुनाव परिणाम केवल एक नन्हें देश का परिणाम नहीं है। यह दुनिया के उन तमाम देशों के शासकों को एक सबक है, जो राष्ट्र को अपनी जागीर समझ कर शासन चलाने की भूल कर रहे हैं। भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की दृढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है, जहां उनमें पलायन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के बच्चों तक ही सीमित सुख और अय्याशीपूर्ण जीवन शैली की आग धधक रही थी। देखा जाए तो चुनावी लहर इसे ही कहते हैं, जहां किसी के पक्ष में सहानुभूति की जगह बदले की आग थी, जिसकी लपटों में नेपाल की एक से एक पुरानी पार्टियां जलकर राख हो गईं। यहां नेपाली कांग्रेस भी भस्म हुईं, तो कम्युनिस्ट पार्टियां भी स्वाहा हो गईं। नेपाल से कम्युनिस्ट पार्टियों का खात्मा भारत के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव प्रारंभ होने के कुछ दिन बाद सत्ता में आ रही, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को शहरी प्रभाव वाली पार्टी कहकर इसके सीमित क्षेत्रों तक सिमटने का कयास लगाया जा रहा था और चार बार के प्रधानमंत्री ओली को धूल चटाते हुए एतिहासिक मतों के अंतर से जीते काठमांडू के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री का चेहरा रहे बालेन शाह को कड़े मुकाबले में फंसना बताया जा रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों के सारे के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। चुनाव नतीजों में हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिल रही शानदार बढ़त से यह साफ हो गया है कि राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल को पहली मर्तबा पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब होने जा रहा है। इस चुनाव परिणाम से सर्वाधिक खुश नेपाल के वे 70 प्रतिशत युवा हैं, जिन्होंने एतिहासिक बदलाव की इबारत लिखी।

> नेपाल का चुनाव परिणाम केवल एक नन्हें देश का परिणाम नहीं है। यह दुनिया के उन तमाम देशों के शासकों को एक सबक है, जो राष्ट्र को अपनी जागीर समझकर शासन चलाने की भूल कर रहे हैं। भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की दृढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है।

बालेन शाह के नेतृत्व में बनने जा रही नेपाल की पूर्ण बहुमत की सरकार के काम-काज के तरीकों पर दुनिया की नजर रहना स्वाभाविक है। इस पार्टी के दो प्रमुख चेहरे बालेन शाह और रवि लामी छाने की कोई लंबी राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। बालेन शाह इंजीनियर और रैपर रहे हैं, जबकि रवि लामी छाने की शिनाख्त एक पत्रकार की रही है। 2022 के चुनाव में उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का गठन किया, चुनाव लड़े और 20 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की। बालेन शाह काठमांडू के युवाओं में खासा लोकप्रिय थे, निर्दल मेयर का चुनाव लड़े और काठमांडू का मेयर बन गए।

एक मेयर से नेपाल का प्रधानमंत्री बनने जा रहे, बालेन शाह का जन्म एक साधरण शिक्षक परिवार में हुआ था। पढ़ाई इस स्तर की थी कि वे दो चार लाख रुपये महीने की नौकरी कर अच्छा जीवन बिता सकते थे, लेकिन उन्हें सनक थी संपूर्ण नेपाल के जीवन शैली सुधारने की। नेपाली जनता ने उन्हें यह मौका दे दिया है। अब नेपाल को तरक्की की ओर ले जाने की जिम्मेदारी उनकी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पूरी नहीं हुई सबके लिए आवास योजना

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों के लिए कभी अपना पक्का मकान होना किसी सपने से कम नहीं था। खेतों में दिन-रात मेहनत करने वाले गरीब परिवारों के लिए यह सपना अक्सर कई पीढ़ियों तक अधूरा रह जाता है। इसी सपने को पूरा करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) शुरू की, ताकि कच्चे या जर्जर घरों में रहने वाले परिवारों को पक्का आवास मिल सके। फिर भी देश के कई गांवों में ऐसे लोग आज भी हैं, जिनके लिए यह सपना अभी तक अधूरा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण भारत में गरीब परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। यह योजना केवल घर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ स्वच्छ शौचालय, बिजली, पानी और स्वच्छ ऊर्जा जैसी सुविधाओं को भी जोड़ने की कोशिश की गई है ताकि ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सके।

काजल कुमारी
एक्टिविस्ट

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की शुरुआत साल 2016 को 'सबके लिए आवास' के लक्ष्य के साथ की गई थी। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बेघर परिवारों या कच्चे और जर्जर घरों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं के साथ पक्का घर उपलब्ध कराना है। योजना के तहत सामान्य क्षेत्रों में एक घर के निर्माण के लिए लगभग 1.20 लाख रुपये की सहायता दी जाती है, जबकि पहाड़ी और कठिन क्षेत्रों में यह राशि 1.30 लाख रुपये तक होती है। लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना, ग्राम सभा की स्वीकृति और तकनीकी सत्यापन की प्रक्रिया के आधार पर किया जाता है, तथा राशि सीधा लाभार्थियों के बैंक खाते में किश्तों के रूप में भेजी जाती है।

राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना का दायरा काफी व्यापक है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार दिसंबर 2025 तक देश भर में इस योजना के तहत लगभग 3.86 करोड़ घरों को स्वीकृति दी जा चुकी थी, जिनमें से करीब 2.92 करोड़ घरों का निर्माण पूरा हो चुका है। सरकार ने 2024 से 2029 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त दो करोड़ घर बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है, ताकि ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराया जा सके।

बिहार भी उन राज्यों में शामिल है जहां इस योजना का बड़ा दायरा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में योजना शुरू होने के बाद से बिहार में लगभग 39 लाख से अधिक घरों को स्वीकृति दी जा चुकी है और इनमें से करीब 36 लाख से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि राज्य में बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों को पक्का घर मिला। केंद्रीय बजट 2026-27 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए लगभग 54,917 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। यह आवंटन ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के मकानों के निर्माण और बुनियादी सुविधाओं के साथ ग्रामीण आवास को बढ़ावा देने के लिए किया गया है, जो ग्रामीण विकास मंत्रालय के कुल खर्च का एक बड़ा हिस्सा है। जो गांव के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

नीतीश का नया अध्याय व विपक्ष की बेचैनी

> बिहार की सियासत में फिर भूचाल आया है। भूकंप का केंद्र है नीतीश कुमार का राज्यसभा नामांकन। सत्ता पक्ष भले इसे 'राजनीतिक अनुभव के नए अध्याय' की संज्ञा दे, किंतु विपक्ष के कोहराम ने स्पष्ट कर दिया है कि यह केवल एक नेता के सदन-परिवर्तन की सामान्य खबर नहीं है।

बिहार की राजनीति में एक बार फिर भूचाल आया है और इस बार भूकंप का केंद्र है नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन। बीते गुरुवार जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा में पहुंचकर राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन-पत्र दाखिल किया, तो सत्ता पक्ष ने भले ही इसे 'राजनीतिक अनुभव के नए अध्याय' की संज्ञा दी, किंतु विपक्ष में मचे कोहराम ने स्पष्ट कर दिया कि यह घटना केवल एक नेता के सदन-परिवर्तन की सामान्य खबर नहीं है। यह बिहार की सत्ता के समीकरणों का आमूल बदलाव है और इसीलिए विपक्ष की बेचैनी की तहें बहुत गहरी हैं।

यह समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना होगा। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा और जदयू ने मिलकर '25 से 30, फिर से नीतीश' का नारा दिया था। इस नारे का निहितार्थ स्पष्ट था— नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही एनडीए गठबंधन जनता के पास जा रहा है और उन्हीं के नाम पर मत मांगे जा रहे हैं। जनता ने भी इस चेहरे पर भरोसा किया और एनडीए को बहुमत मिला, परंतु अब जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की राह पकड़ रहे हैं, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि जनादेश जिस चेहरे के नाम पर लिया गया था, उस चेहरे को सत्ता की बागडोर से अलग क्यों किया जा रहा है?

जयदेव राठी
अधिवक्ता

राजनीतिक विश्लेषकों का एक वर्ग मानता है कि उनकी सेहत के कारण मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारियां निभाना कठिन हो रहा था। विधानसभा सहित सार्वजनिक कार्यक्रमों में कई बार उनकी स्थिति पर प्रश्नचिह्न उठे। इस पृष्ठभूमि में राज्यसभा, जो अपेक्षाकृत कम श्रम-साध्य भूमिका है, एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में सामने आई। साथ ही नीतीश कुमार ने स्वयं कई अवसरों पर संकेत दिए थे कि वे संसद के दोनों सदनों का हिस्सा बनना चाहते हैं। उनके समकालीन नेता लालू प्रसाद यादव, सुशील कुमार मोदी और रामविलास पासवान सभी राज्यसभा में रहे हैं। कुछ राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि उन्हें राज्यसभा का उपसभापति बनाया जा सकता है, जो कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव के अनुरूप सम्मानजनक पद होगा।

विपक्ष की प्रतिक्रिया देखने से स्पष्ट होता है कि उसकी बेचैनी केवल एक बिंदु पर नहीं, बल्कि कई स्तरों पर है। पहला आयाम- 'भविष्यवाणी सच हुई' का राजनीतिक लाभ। राजद नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटनाक्रम पर तुरंत कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि चुनाव के बाद भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देगी। तेजस्वी का यह भी कहना है, 'भाजपा ने नीतीश कुमार को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है।' यानी विपक्ष इस घटनाक्रम को अपनी 'दूरदर्शिता' के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है और इसके जरिए जनता के बीच यह संदेश देना चाहता है कि उन्होंने सही कहा था।

दूसरा आयाम- जनादेश की नैतिकता का प्रश्न। विपक्षी दलों की सबसे बड़ी आपत्ति यह है कि जनता ने नीतीश कुमार के चेहरे पर वोट दिया था। बिहार में '25 से 30, फिर से नीतीश' का नारा था। ऐसे में जब वही चेहरा सत्ता की बागडोर से हट रहा है, तो विपक्ष इसे जनादेश का अपमान बता रहा है। यह नैतिक तर्क जनमानस में प्रभाव डाल सकता है। तीसरा आयाम- भाजपा का बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के साथ ही यह स्पष्ट हो गया है कि बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा। सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे है। यह विपक्ष के लिए राजनीतिक रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण स्थिति है। जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे, उनकी 'धर्मनिरपेक्ष' छवि और 'विकास पुरुष' की पहचान के कारण भाजपा की सीधी सत्ता पर रोक थी। अब भाजपा का मुख्यमंत्री होगा और इससे बिहार का राजनीतिक ध्रुवीकरण नए ढंग से होगा, जो विपक्ष के लिए नई चुनौती है।

चौथा आयाम- जदयू में नाराजगी का अवसर। नामांकन के बाद पटना में जदयू कार्यकर्ताओं की नाराजगी सड़कों पर उतर आई। मुख्यमंत्री आवास के बाहर कार्यकर्ता जुटे। कुछ जदयू नेताओं की आंखें भर आईं। विपक्ष इस दरार को और चौड़ा करने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहता। राजद पार्टी ने तो दावा किया कि यह फैसला नीतीश का अपना नहीं था, बल्कि भाजपा के दबाव में लिया गया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

रूखी-सूखी खाइके ठंडा पानी पी, देखि पराई चुपड़ी मत ललचाओ जी

प्रायः लोग आपस में मिलते हैं तो 'विश्वास का समय नहीं रह गया है' या 'विश्वास के बदले धोखा मिलता है' विषय पर बात करते देखे जाते हैं। इसका कारण यही निकलता है कि किसी व्यक्ति से कोई अपेक्षा रही हो, वह पूरी नहीं पाई हो या कोई वायदे से मुकर गया हो अथवा किसी ने कोई वस्तु ले ली हो और लौटाने से इनकार कर रहा हो। लगभग ऐसे ही कोई और कारण हो सकते हों, जिससे विश्वास को ठेस पहुंची हो।

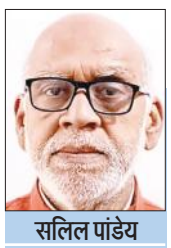

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वास्तव में विश्वास कोई घनिष्ठ संबंधों वाला व्यक्ति देता है। जो पराया है या जिससे कोई परिचय नहीं, वह विश्वासघात नहीं कर सकता। विश्वासघात करने के लिए घनिष्ठता जरूरी है। जब किसी को विश्वासघात करना होता है, तो वह पहले अनेक प्रकार की लालच देता है। यह ठीक उसी प्रकार का काम है, जैसे- बहेलिया जाल बिछाकर उस पर खाने की कोई वस्तु डाल देता है और लालच में उसमें पशु और पंछी आकर फंस जाते हैं, जिसमें साधारण परिंदे ही नहीं ताकतवर शेर तक फंसते हैं। नदियों में जाल डालकर मछलियां फंसाई जाती हैं। कभी-कभी जाल में खूंखार मगरमच्छ तक फंस जाते हैं।

ऐसी ही स्थिति समाज में भी है। बहेलिया-प्रवृत्ति के लोग अपने वाक-जाल से लोगों पर पहले विश्वास जमाते हैं और जब देखते हैं कि व्यक्ति उसके जाल में आ गया है, तब अपना स्वार्थ साधते हैं। जब कभी जाल में फंसे व्यक्ति से आमना-सामना होता है, तब भी वे फंसे व्यक्ति को कुछ और समय इंतजार करने का बहाना बनाते हैं। जाल में प्रायः अपने से कमजोर को ही फंसाया जाता है। यदा-कदा मजबूत व्यक्ति जाल में फंस गया और उसके साथ वायदा खिलाफी की जाने लगती है तब मारपीट, झगड़ा-फसाद, थाना-अदालत तक की नौबत आ जाती है।

जीवन में कोई लालच दे तो उसे ठुकरा देना चाहिए। बहुत जल्द धन दोगुना करने की संस्थाएं भी होती हैं। लालच में लोग उसमें पैसा जमा कर देते हैं। जब काफी पैसा इकट्ठा हो जाता है तब संस्था भाग जाती है और लोगों की गाढ़ी कमाई सब व्यर्थ चली जाती है, इसलिए 'रूखी सूखी खाइके ठंडा पानी पी, देखि पराई चुपड़ी मत ललचाओ जी' पंक्ति को हमेशा याद रखना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

मिट्टी, बीज और उम्मीद: महिलाओं के हाथों उगता नया संसार

सुबह की पहली किरण जब धरती को सहलाती है, तो वह केवल उजाला ही नहीं लाती वह उन अनगिनत स्त्रियों की मौन आस्था भी साथ लाती है, जो अपने श्रम, संवेदना और धैर्य से प्रकृति को फिर से जीवन दे रही हैं। देश के परिदृश्य में देखें तो पाएंगे कि वे बुंदेलखंड की प्यास से फटी धरती पर सूखे तालाबों में पानी की स्मृतियां लौटा रही हैं; तो झारखंड और छत्तीसगढ़ के जंगलों में वे बीजों को ऐसे सहेजती हैं, जैसे मां अपने शिशु को और उत्तराखंड की पहाड़ियों पर वे पेड़ों की रखवाली करती हुई मानो भविष्य की पहरेदार बन जाती हैं। ये स्त्रियां पर्यावरण को नहीं, बल्कि जीवन की निरंतरता को बचा रही हैं।

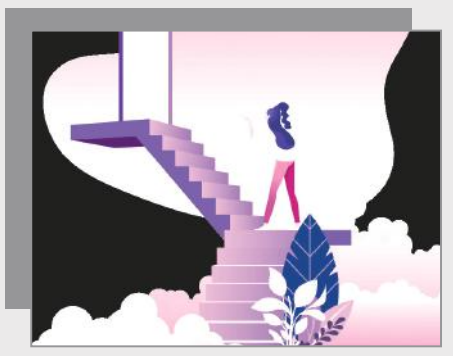

इसी व्यापक सोच और जीवनानुभव से जन्मी इस चेतना को दुनिया 'इकोफेमिनिज़्म' कहती है यानी पर्यावरण नारीवाद, एक ऐसा नजरिया जो प्रकृति और स्त्री की मुक्ति को एक-दूसरे से जुड़ा हुआ मानता है। यह विचार बताता है कि जैसे प्राकृतिक संसाधनों का दोहन होता है, वैसे ही समाज में महिलाओं के श्रम और अधिकारों का भी शोषण होता है। जब जलस्रोत सूखते हैं, जंगल कटते हैं या भूमि बंजर होती है, तो सबसे पहले इसका असर महिलाओं पर पड़ता है। उन्हें पानी के लिए दूर तक चलना पड़ता है, ईंधन और चारे के लिए अधिक श्रम करना पड़ता है। यही अनुभव उन्हें पर्यावरण संरक्षण का स्वाभाविक नेतृत्वकर्ता बना देता है, क्योंकि उनके लिए प्रकृति कोई संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार, सहचर और भविष्य की आशा है।

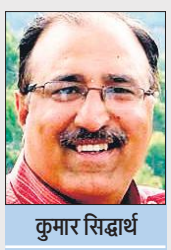

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

यह विचार किसी सिद्धांत की उपज नहीं, बल्कि पीढ़ियों से संचित जीवनानुभव की देन है। भारतीय ग्रामीण और आदिवासी समाज में यह भावना सदियों से रची-बसी है, जहां धरती को मां और प्रकृति को पालनहार माना जाता है। यही कारण है कि जब महिलाएं पर्यावरण संरक्षण की पहल करती हैं, तो वह केवल हरित अभियान नहीं रहता। वह सामाजिक परिवर्तन की एक शांत किंतु सशक्त प्रक्रिया बन जाता है।

ग्रामीण जीवन में महिलाएं पानी लाने, चारा जुटाने, लकड़ी इकट्ठा करने और खेती करने जैसे कार्यों के कारण प्रकृति से प्रत्यक्ष जुड़ी रहती हैं। पर्यावरण चिंतक डॉ. वंदना शिवा ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि आधुनिक विकास मॉडल ने प्रकृति और स्त्री दोनों को 'संसाधन' मानकर उनका उपयोग किया, जबकि पारंपरिक समाज उन्हें जीवन के आधार के रूप में देखता था। इसी सोच को सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने नर्मदा घाटी आंदोलन में जीवंत रूप दिया, जहां नदी, विस्थापन और महिलाओं के अधिकार जैसे तीनों प्रश्न एक साथ उठाए। वहीं इंदौर की पद्मश्री जनक मिलिगियन पलटा ने सौर उर्जा के माध्यउम से सैकड़ों आदिवासी युवतियों के जीवन को रोशन करने का प्रयास किया है। पर्यावरणविद् सुनीता नारायण ने दुनिया में कार्बन उत्सर्जनजन में कमी लाने के लिए सरकारों के साथ मिलकर नीतिगत मसलों पर काम किया है।

राजस्थान की मरुभूमि में सदियों पहले एक ऐसी घटना घटित हुई, जिसने प्रकृति-प्रेम को आस्था का स्वर दे दिया। 1730 में जोधपुर रियासत के खेजड़ली गांव में अमृता देवी विश्नोई ने पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। जब शाही सैनिक खेजड़ी वृक्ष काटने पहुंचे, तो उन्होंने पेड़ से लिपटते हुए कहा 'सिर साटे रूख रहे तो भी सस्तो जाण' याने यदि पेड़ बचाने में सिर भी कट जाए तो यह सौदा सस्ता है। उनके साथ 363 विश्नोई स्त्री-पुरुषों ने बलिदान दिया। विश्नोई समाज की जीवन पद्धति प्रकृति के साथ सहअस्तित्व की मिसाल है। वे पेड़ों को परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं, वन्यजीवों को अपना साथी समझते हैं और पर्यावरण संरक्षण को धर्म मानते हैं। यह घटना केवल इतिहास नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है जिसमें स्त्री, प्रकृति और जीवन एक ही सूत्र में जुड़े हैं। अमृता देवी का बलिदान मानो समय की रेत पर लिखा वह संदेश है जो आज भी हर हरित पहल को प्रेरित करता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

न्यूज ब्रीफ

मादा तेंदुए का शव मिलने से मचा हड़कंप

भीमताल। शनिवार सुबह मिनी स्टेडियम के पास नाले में मादा तेंदुए का शव मिलने से हड़कंप मच गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया एक आपसी संघर्ष में मौत माना जा रहा है हालांकि किसी के द्वारा जहर देकर या फिर किसी अन्य कारण से जहर से मौत होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही इसका खुलासा होगा।

बाघ ने ग्रामीण का किया शिकार

संपूर्णानगर, अमृत विचार : वन रेंज संपूर्णानगर के मझरा पश्चिम में बाघ के हमले में ग्रामीण की मौत हो गई। बाघ उसे रास्ते से उठाकर गन्ने के खेत में ले गया, जहां उसका आधा खाया शव शनिवार सुबह बरामद हुआ। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। गांव मझरा पश्चिम निवासी प्रगट सिंह (55) शुक्रवार को किसी काम से इंद्रानगर गए थे।

ताजमहल, संरक्षित स्मारकों में प्रवेश नि:शुल्क

आगरा,एजेंसी : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुरातत्व विभाग ने पर्यटकों को विशेष तोहफा दिया है। रविवार को ताजमहल सहित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित सभी स्मारकों में प्रवेश नि :शुल्क रहेगा। अधिकारियों के अनुसार देशी और विदेशी पर्यटक रविवार को ताजमहल में बिना प्रवेश शुल्क के जा सकेंगे।

मां पूर्णागिरि का मेला शुरू, बढ़ने लगी भीड़

शाहजहांपुर, अमृत विचार : होली का त्योहार खत्म होने के बाद मां पूर्णागिरि दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के टनकपुर जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। टनकपुर जाने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस में श्रद्धालुओं की भीड़ लग गयी है। पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन से टनकपुर के लिए सीधी ट्रेन नहीं है। पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन से पीलीभीत के लिए डाउन व अप में आठ ट्रेनों का संचालन हो रहा है।

त्योहारों के आयोजन की परंपरा हमारे भारत में बहुत बड़ी ताकत: मुख्यमंत्री

मथुरा में भी श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनेगा : योगी

मथुरा, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि ईश्वर की कृपा होगी तो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की तरह मथुरा में भी भगवान श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनेगा। शनिवार को ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में शामिल होने के बाद योगी आदित्यनाथ भगवान श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे और उन्होंने जन्मस्थान के लीलामंच पर आयोजित भजन एवं रसिया गायन में पधारे श्रद्धालुओं को संबोधित भी किया।

योगी ने ब्रज में होली के आयोजनों की सफलता से अभिभूत होते हुए कहा कि त्योहारों के आयोजन की परंपरा हमारे भारत में बहुत बड़ी ताकत है। कृष्ण कन्हैया की कृपा होगी तो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की तरह यहां भी भगवान श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनेगा।' इससे पहले, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भले ही होली के आयोजनों (रंगोत्सव 2026 की शुरुआत) के समय यहां नहीं था, परंतु हम जहां भी थे, वहां से देख रहे थे कि लाखों की संख्या में ब्रज में श्रद्धालु मथुरा-वृन्दावन-बरसाना-नन्दगांव-गोकुल-बलदेव-गोवर्धन आदि सभी तीर्थ स्थलों पर इस उत्सव और आयोजनों से जुड़े हुए थे। यह आयोजन प्रत्येक व्यक्ति को अभिभूत कर देने वाले थे। मैं आप सभी को पावन पर्व की बधाई देता हूं।

जिला प्रशासन के अनुसार होली पर इस बार करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने ब्रज की होलियों का आनन्द लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रजभूमि में होली का आयोजन तो सदैव चलता रहता है। यहां की रज-रज में और यहां के कण-कण में, कृष्ण कन्हैया की याद रची-बसी है। राधा रानी की स्मृतियां रची-बसी हैं। इस मौके पर उनके साथ पर्यटन मंत्री ठा. जयवीर सिंह, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व जिले के प्रभारी संदीप सिंह तथा विधायक गण राजेश चौधरी व ठा. मेघश्याम सिंह आदि भी मौजूद रहे।

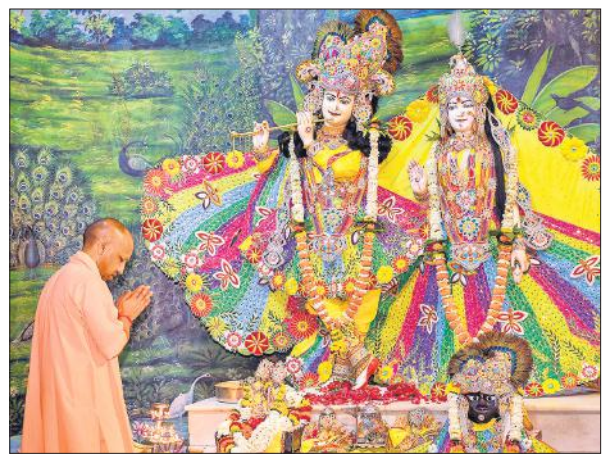

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के दर्शन के दौरान प्रार्थना करते हुए। ● एजेंसी

बहराइच में तेंदुए के हमले में आठ वर्षीय बालक की मौत

बहराइच, एजेंसी

जिले में कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के कारीकोट गांव में तेंदुए के हमले में आठ वर्षीय एक बालक की मौत हो गई, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) अपूर्व दीक्षित ने शनिवार को बताया कि कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के निशानगाढ़ा वन रेंज के अंतर्गत कारीकोट गांव में शुक्रवार शाम करीब सात बजे रामविलास पटवा का पुत्र रघुवीर (आठ) घर के बाहर खेल रहा था। इसी बीच घर के सामने गेहूं के खेत से निकलकर आए तेंदुए ने बच्चे पर हमला कर दिया।

उन्होंने कहा कि तेंदुआ बच्चे को खींचकर ले जा रहा था, लोगों ने शोर मचाते हुए तेंदुए का पीछा किया तो बच्चे को छोड़कर वह खेतों में चला गया। थोड़ी ही देर में गंभीर रूप से घायल बच्चे की मृत्यु हो गई। परिजन बच्चे को स्थानीय सरकारी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डीएफओ ने बताया कि इस घटना की खबर मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी रात में ही मौके पर पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी ग्रामीण काफी आक्रोशित थे, उन्हें समझा बुझाकर शांत किया गया। तेंदुए से ग्रामीणों के बचाव हेतु वन विभाग की टीमें गठित कर निगरानी तेज कर दी गई है।

सीएनजी भरा ट्रक पलटा गैस रिसाव से मचा हड़कंप

खीरी में फायर ब्रिगेड और पुलिस बल ने संभाला मोर्चा

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर के व्यस्त और प्रमुख खखरा चौराहे पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब सीएनजी से भरा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। ट्रक के पलटते ही उसमें भरी सीएनजी गैस का तेज रिसाव शुरू हो गया, जिससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। मौके पर मौजूद राहगीरों और दुकानदारों में भगदड़ की स्थिति बन गई और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर इधर-उधर भागने लगे।

यह घटना पंडित दीनदयाल इंटर कॉलेज के पास स्थित खखरा चौराहे पर हुई, जो शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक माना जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चौराहे की ओर आ रहा था। इसी दौरान अचानक चालक का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक सड़क किनारे पलट गया। ट्रक के पलटते ही उसमें मौजूद सीएनजी टैंकों से गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे कुछ ही मिनटों में आसपास के इलाके में गैस की तेज गंध फैल गई।

गैस रिसाव की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने लोगों को तत्काल वहां से हटाना शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। संभावित बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने खखरा चौराहे से गुजरने वाले सभी रास्तों को बंद करा दिया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

सिलेंडर से लीक हो रही गैस को रोकने की कोशिश करते पुलिसकर्मी।

सीवरेज प्लांट के एक कमरे में दंपती के शव मिले

मेरठ, एजेंसी: जिले के मोदीपुरम क्षेत्र स्थित पल्लवपुरम फेस-दो के सीवरेज प्लांट के एक कमरे में शनिवार को एक दंपती के शव मिले। पुलिस को आशंका है कि पति ने पहले पत्नी की हत्या की और उसके बाद खुद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार हरदोई जिले के घुरेना गांव निवासी प्रदीप (34) सीवरेज प्लांट में ऑपरेटर था। वह अपनी पत्नी मधु यादव (30) और बेटे यश के साथ पल्लवपुरम के एन पॉकेट क्षेत्र में किराए के एक मकान में रहता था। परिजनों के मुताबिक दंपती हाल में होली का त्योहार मनाने अपने गांव गए थे और शनिवार को ही मेरठ लौटे थे।

बताया जाता है कि प्रदीप अपनी पत्नी के साथ सीधे प्लांट गया और कमरे में आराम करने की बात कही। उस समय उनका बेटा बच्चों के साथ खेल रहा था। पुलिस के अनुसार शाम को जब प्लांट का दूसरा ऑपरेटर रामकर्ण वहां पहुंचा तो उसने देखा कि प्रदीप का शव फंदे से लटका हुआ था जबकि मधु का शव बेड पर था। उसने घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी।

नोएडा में पैसों के विवाद में बेटे ने की पिता की हत्या

नोएडा, एजेंसी

● पुलिस ने आरोपी सतेन्द्र कुमार को किया गिरफ्तार

नोएडा में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। नोएडा पुलिस की एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस ने पिता की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लोहे की भारी ठोस पिन (हुक) भी बरामद की है। पुलिस ने शनिवार को हत्या का खुलासा कर जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि गत एक मार्च को एक्सप्रेस-वे थाना क्षेत्र के यमुना डूब क्षेत्र नोएडा सेक्टर-135 में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जहां पुलिस द्वारा मृतक की पहचान राकेश कुमार पुत्र गिंदर, निवासी जरीफनगर, जिला बदायूं (हाल निवास यमुना डूब क्षेत्र नोएडा सेक्टर-135) के रूप में हुई। शव मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए विशेष टीमों का गठन किया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस, स्थानीय जानकारी और साक्ष्य संकलन के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की। इसी क्रम में शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी सतेन्द्र कुमार पुत्र राकेश को छपरौली लेबर चौक नोएडा सेक्टर-168 से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे की भारी ठोस पिन (हुक) भी बरामद कर ली।

पुलिस ने बताया कि आरोपी और उसके पिता के बीच लंबे समय से वाहन की किस्त के पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। आरोपी ने 28 फरवरी की रात इसी विवाद के दौरान गुस्से में आकर उसने लोहे के हुक से पिता पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से राकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

सुलतानपुर, एजेंसी : जिले के एक एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक को एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता ने आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया है। पीड़ित छात्रा के पिता ने आरोप लगाया कि 23 फरवरी को विद्यालय के सहायक अध्यापक गिरजेश सिंह ने उनकी 14 वर्षीया बेटी को शौचालय के पीछे ले जाकर उसके साथ अनुचित व्यवहार किया और उसे गलत तरीके से छुआ। जब छात्रा ने विरोध किया, तो शिक्षक ने उसे जातिसूचक शब्द कहे और जान से मारने की धमकी भी दी।

घटना से आहत छात्रा ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी बात बताई। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिवार के सदस्य विद्यालय पहुंचे थे और आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया था।

पांच साल के बच्चे का अपहरण कर मांगी 12 लाख की फिरौती

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

● बीमा की रकम से फिरौती वसूलने के लिए आरोपियों ने किया बच्चे का अपहरण

अमृत विचार : नौगावां सादात थाना क्षेत्र में शनिवार को पांच साल के बच्चे का अपहरण कर 12 लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए बच्चे को बिजनौर जिले के नूरपुर से सकुशल बरामद कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों ने बच्चे के पिता के बीमा की रकम से फिरौती लेने के लालच में अपहरण की साजिश रची थी।

धनौरा मार्ग स्थित गांव रसूलपुर गांवड़ी निवासी हरपाल सिंह का परिवार वर्ष 2014 में अमरोहा-नौगावां सादात मार्ग स्थित गांव याहियापुर में आकर बस गया था। हरपाल सिंह का बेटा अवनीश उर्फ सौरभ नोएडा की एक निजी कंपनी में इंजीनियर था, लेकिन वर्ष 2021 में कोरोना काल के दौरान एक सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई थी। परिवार में अवनीश की पत्नी डॉली यादव, 10 वर्षीय बेटा सार्थक उर्फ कृष्णा और पांच वर्षीय बेटा विवान उर्फ वासु हैं। विवान गांव ढक्का स्थित जियोन पब्लिक स्कूल में एलकेजी का छात्र है।

शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे विवान घर के बाहर बैठा मोबाइल देख रहा था। उसी दौरान वह अचानक लापता हो गया। कुछ देर बाद जब डॉली किसी काम से बाहर आईं तो विवान को न पाकर उनके होश उड़ गए। करीब 1:45 बजे डॉली के मोबाइल पर अंजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने विवान का अपहरण करने की बात कहते हुए उसकी जान की सलामती के बदले 12 लाख रुपये की फिरौती मांगी।

रानीखेत में भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी

रानीखेत, अमृत विचार : यहां चौबटिया स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में भारत और जापान के बीच सातवां संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्डियन' जोर-शोर से जारी है।

यह अभ्यास 24 फरवरी 2026 से शुरू हुआ है और 9 मार्च 2026 तक चलेगा। यह दोनों देशों की सेनाओं के बीच सैन्य साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अभ्यास से दोनों सेनाओं के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयां मिलेंगी और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की संयुक्त क्षमता भी मजबूत होगी। जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि यह अभ्यास साझा सुरक्षा चुनौतियों, विशेषकर वैश्विक आतंकवाद के बदलते खतरे को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है।

करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले बिल्डर पर होगा मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आयुक्त दीपक रावत ने शनिवार को मिनी स्टेडियम रोड स्थित कैंप कार्यालय में जनसमस्याओं पर सुनवाई की। इस अवसर भूमि विवाद, धोखाधड़ी, पर्वतीय क्षेत्रों में अवैध निर्माण, पारिवारिक विवाद, पेयजल, इंडेन गैस वितरण प्रणाली में कालाबाजारी आदि शिकायतें मिलीं। अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया और बाकी को अगली तिथि दी गई।

जनसुनवाई में छह लोगों ने मुक्तेश्वर के हिलक्रस्ट एवं शिखर प्रोपर्टीस के बिल्डर्स मनोज जोशी पर प्लाट् एवं विला के नाम पर प्रत्येक से एक-एक करोड़ कुल छह करोड़ की धोखाधड़ी की शिकायत की। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि स्टांप पेपर पर 31 मार्च 2025 तक नक्शा के साथ ही सभी औपचारिकतायें पूर्ण कर भवन दिया जाने का आश्वासन दिया लेकिन मनोज जोशी ने अब तक जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण से नक्शा पास नहीं कराया है। आयुक्त ने बिल्डर मनोज जोशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्राधिकरण जेई को उक्त क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करने को कहा। साथ ही कहा कि बिल्डर्स जहां प्लाटिंग एवं विला बना रहा है, उक्त भूमि कंस्ट्रक्शन कम्पनी के नाम भूमि दर्ज है या नहीं। आयुक्त ने कहा कि मुक्तेश्वर में लोगों द्वारा होम स्टे के नाम पर बहुमंजलि इमारत बनाकर होटल एवं रिसोर्ट बनाये जा रहे है जो भू कानून का घोर उल्लंघन है। यह भी संज्ञान में आया कि कुछ भवनों को सील किया गया था लेकिन भू स्वामियों ने निर्माण कर लिया।

गर्मी शुरू होते ही पीलीभीत से अपने वतन लौटने लगे विदेशी मेहमान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: सर्दी का मौसम लगभग विदा हो चुका है, साथ ही गर्मी भी दस्तक देने लगी है। ऐसे में यहां प्रवास कर रहे दूर-दराज देशों से आए शरदकालीन प्रवासी पक्षियों ने वतन वापसी तेजी से शुरू कर दी है। इसके साथ ही ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों की आमद भी लगभग शुरू हो चुकी है। बता दें कि जनपद में 100 से अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां वर्ष में दो बार आती हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व और उसके आसपास क्षेत्र में बाघों के अलावा पक्षियों की भी खूबसूरत दुनिया बसती है। टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक यहां पक्षियों की 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। खास बात यह है कि पिछले कुछ सालों से यहां की खास आबोहवा प्रवासी परिंदों को भी आकर्षित करने लगी है। टाइगर रिजर्व में पक्षियों के संसार में अब दूर-दराज देशों एवं समेत देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में प्रवासी परिंदों भी दस्तक देने लगे हैं। प्रवासी पक्षियों पर लंबे समय से स्टडी करने वाली टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी के अध्यक्ष अख्तर मियां खान के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में सात समंदर पार के विभिन्न देशों समेत देश के विभिन्न राज्यों से 100 के अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां प्रवास के लिए आती हैं। यह प्रवासी पक्षी साल भर में दो बार अपनी आमद दर्ज कराते हैं। तकरीबन चार माह के प्रवास के बाद यह फरवरी के अंतिम दिनों में वतन वापसी शुरू कर देते हैं।

प्रवास के दौरान शिकार की तलाश में लगे शरदकालीन प्रवासी पक्षी ग्रे लेग गूज।

बाढ़ पीड़ितों में नोट बांटते दर्शाने वाले कार्टून से छिड़ी सियासी जंग

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● विधानसभा चुनाव से पहले वायरल कार्टून से गरमाया माहौल

अमृत विचार: पलिया विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों एक वायरल कार्टून को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। क्षेत्र के पूर्व ब्लाक प्रमुख और सपा नेता प्रीतइंटर सिंह कक्कू द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए इस कार्टून में सूट-बूट पहने एक मोटे व्यक्ति को बाढ़ प्रभावित इलाके में फंसे लोगों को नोट बांटते हुए दिखाया गया है।

कार्टून में उस व्यक्ति की जेबों से भी नोट झांकते हुए दर्शाए गए हैं, जबकि पीछे की पृष्ठभूमि में जेसीबी मशीन से खनन का दृश्य दिखाया गया है। राजनीतिक गलियारों में इस कार्टून को पलिया से भाजपा विधायक रोमी साहनी पर तंज के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल विधायक साहनी अक्सर क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को आर्थिक मदद देने को लेकर चर्चा में रहते हैं और उनके समर्थक इसे जनसेवा का

सपा नेता की फेसबुक पर वायरल कॉर्टून।

हिस्सा बताते हैं। वायरल कार्टून में बाढ़ क्षेत्र का दृश्य दिखाकर यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि एक ओर लोग आपदा से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नोटों के सहारे मदद की राजनीति हो रही है। कार्टून की पृष्ठभूमि में दिख रही जेसीबी मशीन और खनन का दृश्य भी चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की व्याख्याएं की जा रही हैं।

भाजपा समर्थकों का कहना है कि यह कार्टून जनसेवा को बदनाम करने की कोशिश है। उनका तर्क है कि विधायक द्वारा जरूरतमंदों की आर्थिक मदद को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। वहीं विपक्षी खेमे के लोग इसे प्रतीकात्मक व्यंग्य बताते हुए कहते हैं कि कार्टून राजनीति में सवाल उठाने का एक माध्यम है। अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस तरह के व्यंग्य और राजनीतिक कटाक्षों का दौर तेज होने लगा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सोशल मीडिया अब चुनावी माहौल बनाने और विरोधियों पर हमला करने का बड़ा मंच बन चुका है, जहां एक कार्टून भी बड़े राजनीतिक संदेश का जरिया बन जाता है। फिलहाल यह कार्टून क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे अपने-अपने नजरिये से देख रहे हैं।

भरी हुंकार | हरिद्वार में 'जन-जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल' जनसभा में गरजे केंद्रीय गृहमंत्री

केदारनाथ से कन्याकुमारी तक बाहर किए जाएंगे घुसपैठिये : शाह

प्रमुख संवाददाता, देहरादून/हरिद्वार

अमृत विचार : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को हरिद्वार के बैरागी कैम्प में 'जन जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम में विशाल जनसभा को संबोधित किया। साथ ही, राज्य के समग्र विकास को समर्पित 1100 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। पुलिस विभाग के आरक्षियों को नियुक्ति पत्र, राज्य में साइबर वित्तीय अपराधों की शिकायत दर्ज कराने के लिए ई-जीरो एफआईआर प्रणाली का शुभारंभ एवं नूतन न्याय संहिता विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय प्रदर्शनी व प्रदेश सरकार की विभिन्न उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जनसभा को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी संबोधित किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

केंद्रीय मंत्री शाह ने उत्तराखंड में 10 हजार एकड़ सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रशंसा करते हुए कहा कि, सरकार केदारनाथ से कन्याकुमारी तक एक-एक घुसपैठिये को देश से बाहर निकालने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यूसीसी, डेमोग्राफी में आए अप्राकृतिक बदलाव को रोकने का काम करेगी। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उल्लेख करते हुए कहा कि जो भारत का नागरिक नहीं है, उसका नाम वोटर लिस्ट से कटना ही चाहिए, लोकतंत्र की रक्षा के लिए वोटर लिस्ट का शुद्ध होना जरूरी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सीएए कानून के तहत भारत की नागरिकता प्राप्त करने वाले शरणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आने वाले हिंदू, सिख, बौध और जैन शरणार्थियों का इस देश पर उतना ही अधिकार है जितना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है लेकिन अब तक तुष्टिकरण की नीति के चलते उन्हें भारतीय नागरिकता से वंचित रखा गया। ये शरणार्थी अपना धर्म और परिवार की इज्जत बचाने के लिए, भारत में आए हैं इसलिए वो विपक्ष के किसी के भी विरोध के बावजूद, ऐसे लोगों को भारतीय नागरिकता देने के निर्णय पर अडिग रहेंगे। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 समाप्त करने, सीएए कानून बनाने, साढे पांच सौ साल बाद अयोध्या में राम मंदिर बनाने, बद्रीनाथ-केदारनाथ पुनर्निर्माण, महाकाल लोक और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर सहित कई एतिहासिक कार्य किए हैं।

उत्तराखंडवासी नहीं भूले रामपुर तिराहा कांड

संबोधन की शुरुआत उत्तराखंड राज्य आंदोलन से करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि, उत्तराखंड के युवाओं को अपनी पहचान, संस्कृति बचाने के साथ ही अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा, लेकिन इसके लिए उन्हें रामपुर तिराहा कांड जैसी हिंसा का सामना करना पड़ा, जिसे आज भी उत्तराखंडवासी भूले नहीं हैं। इसके बाद केंद्र में भाजपा सरकार बनने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड के साथ ही झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का निर्माण करने का निर्णय लिया। आज ये तीनों राज्य तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा था कि उत्तराखंड को अटल जी ने बनाया है, अब इसे संवारने का काम मोदी जी करेंगे, इसी क्रम में वर्ष 2017 से 2026 तक का कालखंड, उत्तराखंड के विकास को समर्पित रहा है।

एयरबस ने शुरू किया दूसरा सबसे बड़ा डिजिटल सेंटर

बेंगलुरु। यूरोप की विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस ने बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक तकनीकी केंद्र का उद्घाटन किया है। यह इंजीनियरिंग, डिजिटल परिवर्तन, ग्राहक सेवाओं और खरीद के लिए एक प्रमुख हब के रूप में कार्य करेगा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और उद्योग एवं अवसंरचना मंत्री एम.बी. पाटिल ने शुक्रवार को 'एयरबस इंडिया टेक्नोलॉजी सेंटर' का उद्घाटन किया।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 8 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 2475, राज श्री 1880, फ़ॉर्चून कि. 2430, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13kg 2140, जय जवान 2065, सचिन 2120, सूरज 2065, अवसर 1950, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 1990, क्लासिक (kg) 2305, मोर 2260, चक्र टिन 2445, ब्लू 2230, आशीर्वाद मस्टर्ड 2390, स्वास्तिक 2430

किराना-निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 12000-13000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 900-1050

चावल - (प्रति कु0) डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन -मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी - पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

बरेली सर्राफा

(प्रति 10 ग्राम) गोल्ड (पक्के जेवर) 163500, गोल्ड (गिन्नी जेवर) 159500, सिल्वर (पक्की) 2700 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

समूह में महिलाओं की भागीदारी 35 प्रतिशत करेगा वेदांत

नई दिल्ली। वेदांत समूह ने अपने संगठन के सभी स्तरों पर महिलाओं की भागीदारी को मौजूदा 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने एक बयान में 'हैशटैग हरएटदकोर' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान और लिंक्डइन आधारित भर्ती अभियान शुरू करने की भी घोषणा की।

परिश्रम ही पूंजी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को तिरुवनंतपुरम में त्रावणकोर हैंडलूम सेंटर में काम करती वृद्ध महिला।

एक अप्रैल से पूर्ण आरओडीटीईपी लाभ का भरोसा: फियो

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्यातकों के निकाय फियो ने शनिवार को कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि निर्यात सहायता योजना आरओडीटीईपी के तहत पूर्ण लाभ इस साल एक अप्रैल से बहाल कर दिए जाएंगे। इससे पश्चिम एशिया संकट के कारण चुनौतियों का सामना कर रहे निर्यातकों को बड़ी राहत मिलेगी। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को छोड़कर, सरकार ने 23 फरवरी को निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट योजना के तहत शुल्क लाभ की दर को आधा कर दिया था। फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि निर्यातकों के लिए अच्छी खबर है। वर्तमान 50 प्रतिशत आरओडीटीईपी दरें केवल 31 मार्च 2026 तक लागू हैं।

रसोई गैस 60, वाणिज्यिक सिलेंडर 114.5 रुपये महंगा, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के बीच शनिवार को घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमत में 60 रुपये और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपये की भारी वृद्धि की गई है। हालांकि, सरकारी सूत्रों ने तुरंत स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की कोई योजना नहीं है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पास इस बोझ को सहने के लिए पर्याप्त वित्तीय क्षमता है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाली एलपीजी का 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 913 रुपये में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 853 रुपये थी। एक साल से भी कम समय में कीमत में यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। उज्ज्वला योजना के 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को भी इतनी ही वृद्धि झेलनी होगी। उन्हें अब 300 रुपये की सब्सिडी के बाद प्रति सिलेंडर 613 रुपये देने होंगे।

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने कहा कि इस बढ़ोतरी के बावजूद वर्तमान दर लागत के बराबर होने के लिए आवश्यक 1,050 रुपये प्रति सिलेंडर की दर से काफी कम है। तर्क दिया कि एक परिवार में सालाना 4-5 सिलेंडर की औसत खपत को देखते हुए, यह वृद्धि एक परिवार के लिए 80 पैसे प्रतिदिन या प्रति व्यक्ति केवल 20 पैसे प्रतिदिन के बराबर है।

उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ी हुई कीमतों के बावजूद भारत में एलपीजी काठमांडू (1,207 रुपये), श्रीलंका (1,241 रुपये) और पाकिस्तान (1,046 रुपये) जैसे पड़ोसी देशों से सस्ती है।

ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने की भारत को गैस आपूर्ति की पेशकश

ऊर्जा के नए विकल्प: होर्मुज जलडमरूमध्य एकमात्र रास्ता नहीं, इससे केवल 40% आपूर्ति

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रहा है, जिसके तहत ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित कई अन्य देशों ने अतिरिक्त गैस आपूर्ति की पेशकश की है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहे संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने का हवाला देते हुए सूत्रों ने कहा कि यह मार्ग भारत के कच्चे तेल के आयात का एकमात्र रास्ता नहीं है। जोर देकर कहा कि एक ही समुद्री मार्ग पर निर्भरता के दिन अब लद चुके हैं।

उन्होंने कहा कि रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका, पश्चिम एशिया और गैर-खाड़ी मध्य पूर्वी मार्गों से आपूर्ति ने यह सुनिश्चित किया है कि किसी भी एक गलियारे में व्यवधान होने पर आपूर्ति बनी रहे। भारत के कच्चे तेल के आयात का केवल लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरता है, जबकि लगभग 60 प्रतिशत अन्य आपूर्ति मार्गों से आता है जो अप्रभावित रहते हैं।

उन्होंने कहा कि इसी कारण वैश्विक उथल-पुथल या महामारी के दौरान भी भारतीय

उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा की कोई कमी नहीं हुई है। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित कई देशों ने अतिरिक्त गैस आपूर्ति की पेशकश की है और भारत ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की तलाश जारी रखे हुए है।

भारत ने हाल ही में स्थिर दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे भागीदारों के साथ नई ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था भी की है। पिछले एक दशक में भारत की रणनीतिक तेल कूटनीति ने अपने आपूर्तिकर्ता आधार को छह महाद्वीपों के 27 देशों से बढ़ाकर 40 देशों तक पहुंचा दिया है।

सूत्रों ने कहा कि वे दिन खत्म हो गए हैं जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा एक ही समुद्री मार्ग की स्थितियों के साथ घटती-बढ़ती थी।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के 11.8 अरब डॉलर के कृषि निर्यात पर खतरा: जीटीआरआई

नयी दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत के 11.8 अरब डॉलर मूल्य के कृषि और खाद्य उत्पादों के निर्यात पर संकट मंडरा रहा है। इस तनाव से समुद्री मार्ग बाधित हो रहे हैं और बीमा व लॉजिस्टिक की लागत बढ़ने से अनिश्चितता पैदा हो गई है।

संस्थान के अनुसार, साल 2025 में भारत ने इस क्षेत्र को 11.8 अरब डॉलर मूल्य के अनाज, फल, सब्जियां, डेयरी उत्पाद और मसालों का निर्यात किया था, जो भारत के कुल कृषि निर्यात का 21.8 प्रतिशत है। भौगोलिक निकटता और वहां रहने वाले भारतीयों की बड़ी आबादी के कारण खाड़ी देश भारतीय खाद्य उत्पादों के लिए एक स्वाभाविक बाजार रहे हैं। जीटीआईआर ने कहा- हालांकि, क्षेत्र में जारी संघर्ष से समुद्री मार्ग बाधित हो रहे हैं, बीमा लागत बढ़ रही है और लॉजिस्टिक में अनिश्चितता पैदा हो रही है।

आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को 7.48 अरब डॉलर के अनाज, फल, सब्जियां और मसाले भेजे, जो भारत के इस श्रेणी के कुल वैश्विक निर्यात का 29.2 प्रतिशत है। इसमें चावल के निर्यात पर सबसे बड़ा असर पड़ने की आशंका है।

गर्मी में बिजली की मांग 270 गीगावाट रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजली राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने शनिवार को कहा कि इस गर्मी में बिजली की अधिकतम मांग लगभग 270 गीगावाट रहने का अनुमान है और पश्चिम एशिया संकट के कारण नियमित बिजली आपूर्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बिजली मंत्रालय ने पिछले साल (अप्रैल 2025 के बाद) गर्मियों के दौरान 277 गीगावाट की अधिकतम मांग का अनुमान लगाया था, जबकि जून 2025 में वास्तविक अधिकतम मांग 242.77 गीगावाट रही थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने (फरवरी 2026) बिजली की अधिकतम आपूर्ति बढ़कर 243.15 गीगावाट हो गई, जो फरवरी 2025 में 243.06 गीगावाट थी। मंत्री ने यहां ''लाइनमैन दिवस'' के अवसर पर संवाददाताओं से एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया संकट पर कहा कि यह एक आपातकालीन स्थिति है। कहीं-कहीं थोड़ा असर (एलपीजी पर) दिख रहा है, लेकिन बिजली क्षेत्र में हम इस तरह आगे बढ़ रहे हैं कि आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आएगी। इस बार गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 270 गीगावाट होगी और यह इससे आगे नहीं जाएगी।

भारत-ब्रिटेन करेंगे ग्रीन-हाइड्रोजन ऊर्जा प्रौद्योगिकी विकसित करने में सहयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **टैक्नोलॉजी के लिए मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल विकसित करने को दोनों देश प्रतिबद्ध**

भारत और ब्रिटेन ने ग्रीन-हाइड्रोजन ऊर्जा प्रौद्योगिकी के सुरक्षित उपयोग और विस्तार के लिए मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के विकास में सहयोग करने पर साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

दोनों देशों के बीच हरित हाइड्रोजन मानक और सुरक्षा प्रोटोकॉल विषय पर राजधानी में पिछले दिनों आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में इस प्रकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक इस सम्मेलन का आयोजन भारत में हरित हाइड्रोजन ऊर्जा पर व्यापक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण करना और एक विश्वसनीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हरित हाइड्रोजन क्षेत्र के विकास को सुगम बनाने के उद्देश्य से किया गया था।

यह सम्मेलन राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के सहयोग से नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अंतर्गत स्थापित राष्ट्रीय हाइड्रोजन सुरक्षा केंद्र (एनसीएचएस) में भारत में ब्रिटिश उच्चायोग और डब्ल्यूआरआई इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया था।

राजधानी में 27 फरवरी को आयोजित इस उच्चस्तरीय सम्मेलन में नीति निर्माता, उद्योग जगत के प्रमुख और तकनीकी विशेषज्ञ एक सुरक्षित हरित हाइड्रोजन भविष्य को आकार देने के लिए शामिल हुए थे। इसमें हरित हाइड्रोजन मूल्य श्रृंखला में नियामक ढांचे, अंतरराष्ट्रीय मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं।

अमेरिका में पिछले महीने 92,000 नौकरियां घटीं बेरोजगारी दर 4.4 हुई

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी नियोक्ताओं ने पिछले महीने अप्रत्याशित रूप से 92,000 नौकरियों में कटौती की है, जो इस बात का संकेत है कि वहां का श्रम बाजार अभी भी दबाव में है। इसके साथ ही बेरोजगारी दर मामूली रूप से बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई है। श्रम विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में नियुक्तियों की स्थिति जनवरी के मुकाबले खराब रही। जनवरी में कंपनियों, गैर-लाभकारी संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों ने 1,26,000 नौकरियां जोड़ी थीं। अर्थशास्त्रियों ने फरवरी में 60,000 नयी नौकरियों की उम्मीद जताई थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर और जनवरी के पेरोल से भी 69,000 नौकरियां कम कर दी गई हैं। फरवरी में रोजगार की यह कमजोर स्थिति ईरान के साथ युद्ध के कारण पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता को दर्शाती है। इस युद्ध की वजह से तेल की कीमतों में उछाल आया है और व्यवसायों एवं उपभोक्ताओं पर अप्रत्याशित लागत का बोझ बढ़ा है।

नेवी फेडरल क्रेडिट यूनियन की मुख्य अर्थशास्त्री हेदर लॉन्ग ने कहा कि नौकरी का बाजार कई विपरीत परिस्थितियों से जूझ रहा है। कंपनियां इस वसंत में तब तक भर्ती करने में हिचकिचाएंगी जब तक कि युद्ध समाप्त नहीं हो जाता। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय है।

न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये करने को लेकर करेंगे प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी। सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ द्वारा संचालित कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत पेंशनभोगी मौजूदा 1,000 रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये करने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए वे नौ मार्च को जंतर-मंतर पर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। एक बयान में कहा गया कि केंद्रीय और राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सहकारी तथा निजी क्षेत्रों, मिलों और मीडिया प्रतिष्ठानों के लगभग 81 लाख पेंशनभोगी ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के बैनर तले अपनी मांगों के लिए पिछले नौ वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। कहा कि 30 से 35 साल की सेवा के दौरान ईपीएफओ के साथ नियमित पेंशन अंशदान जमा करने के बाद भी पेंशनभोगियों को औसतन 1,171 रुपये मासिक पेंशन दी जा रही है।

प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारत ने किया सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता: गोयल

अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, भारत के साथ अत्यंत शक्तिशाली संबंध

नयी दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत ने अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता हासिल किया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दोनों देश एक अत्यंत शक्तिशाली संबंध साझा करते हैं। गोयल ने कहा कि अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और कोई भी इसकी उपेक्षा नहीं कर सकता।

रायसीना संवाद 2026 में उन्होंने कहा कि हमारे संबंध बेहतरीन हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने सदैव भारत और प्रधानमंत्री मोदी के विषय में प्रशंसात्मक बातें कही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका संबंध सुदृढ़ और बहुआयामी हैं, जिनमें व्यापार के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा और वृहद निवेश की मुख्य भूमिका है। ये टिप्पणियां इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के प्रथम चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। इसके अंतर्गत अमेरिका ने भारत पर जवाबी शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। यद्यपि, अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा इसे निरस्त किए जाने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। इसके कारण मुख्य वार्ताकारों की बैठक वर्तमान में स्थगित हो गई है। समझौते के तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। साथ ही भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से ऊर्जा उत्पादों, विमानों, प्रौद्योगिकी और कोकिंग कोल सहित 500 अरब डॉलर की खरीद करने की मंशा भी जताई है।

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर गोयल ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखा है और किसी भी हितधारक के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है।

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इन समझौतों में वाहन क्षेत्र को खोलने से उपभोक्ताओं को विकल्प मिलेंगे और रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने तर्क दिया कि विदेशी वाहन कंपनियां शुरुआत में बाजार का परीक्षण करने के लिए कारों का निर्यात कर सकती हैं, लेकिन अंततः उन्हें भारत में ही उत्पादन करना होगा क्योंकि महंगे यूरोपीय मॉडल के लिए भारतीय कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करना कठिन होगा।

मंत्रालय ने बंदरगाहों से कहा-शुल्क माफी पर करें विचार

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बंदरगाहों को निर्देश दिया है कि वे पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न समस्याओं को देखते हुए शुल्क में कटौती, छूट या माफी (जैसे जहाज शुल्क में बदलाव) के अनुरोधों पर विचार करें। साथ ही मंत्रालय ने बंदरगाहों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की है।

शुक्रवार को सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद जारी की गई इस एसओपी के तहत प्रत्येक बंदरगाह विभाग के प्रमुख या उप-प्रमुख स्तर के एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करेगा। यह अधिकारी बंदरगाहों पर मुद्दों के समाधान के लिए एकल संपर्क बिंदु होगा। नोडल अधिकारी मामले को सक्षम प्राधिकारी के पास ले जाने और 24 से 72 घंटों के भीतर कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार होगा।

महिला दिवस | नौकरी डॉट कॉम ने जारी की रिपोर्ट 'व्हाट वीमेन प्रोफेशनल्स वांट'

67 फीसदी महिलाओं ने मानी वेतन समानता की बात

मुंबई, एजेंसी

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली 67 प्रतिशत से अधिक महिलाओं का मानना है कि उनके कार्यस्थलों में वेतन समानता मौजूद है, जबकि 33 प्रतिशत महिलाओं को लगता है कि वेतन में अंतर है। नौकरी डॉट कॉम की शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 'व्हाट वीमेन प्रोफेशनल्स वांट' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट देश के 50 से अधिक उद्योगों की 50,000 महिलाओं के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है।

रिपोर्ट के अनुसार, 67 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके कार्यस्थलों पर वेतन समानता है, जबकि 33 प्रतिशत ने माना कि वहां समानता नहीं है। वेतन में अंतर होने की बात रियल एस्टेट (42 प्रतिशत) के पेशेवरों ने सबसे दृढ़ता से कही, जिसके

- **33 प्रतिशत को लगता है वेतन में अंतर 50 से अधिक उद्योगों की 50 हजार कामकाजी महिलाओं के बीच किया सर्वे**

बाद एफएमसीजी (38 प्रतिशत), दवा और जीवन विज्ञान (38 प्रतिशत) और वाहन (37 प्रतिशत) क्षेत्र का स्थान रहा।

रिटेल (35 प्रतिशत), होटल एवं रेस्तरां (35 प्रतिशत), आईटी सेवाएं (34 प्रतिशत), टेलीकॉम (34 प्रतिशत), चिकित्सा सेवा (33 प्रतिशत) और तेल एवं गैस क्षेत्र (33 प्रतिशत) की महिलाओं ने भी माना कि वेतन में असमानता या अंतर मौजूद है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर जारी इस रिपोर्ट में समान वेतन ऑडिट और मासिक धर्म अवकाश की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला गया है। उच्च वेतन श्रेणी वाली प्रोफेशनल महिलाओं में यह मांग सबसे अधिक देखी गई।

करीब 42 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि भर्ती और पदोन्नति में होने वाला भेदभाव कार्यस्थल पर उनकी सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले वर्ष की तुलना में इस धारणा में सात आधार अंकों की वृद्धि हुई है। चेन्नई (44 प्रतिशत) और दिल्ली/एनसीआर (43 प्रतिशत) जैसे महानगरों में भी यही रुझान देखा गया है। इन चुनौतियों के बीच 83 प्रतिशत महिलाओं ने नेतृत्व की भूमिकाएं निभाने के लिए खुद को प्रोत्साहित महसूस किया, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 66 प्रतिशत था। दक्षिण भारतीय शहरों की महिलाओं में नेतृत्व की इच्छा विशेष रूप से प्रबल देखी गई।

इन्फो एज इंडिया की समूह सीएमओ सुमीत सिंह ने कहा कि यह तथ्य कि 83 प्रतिशत महिलाएं नेतृत्व के लिए प्रोत्साहित महसूस करती हैं, उत्साहजनक है। हालांकि, यह चिंता का विषय है कि हर दो में से एक महिला को साक्षात्कार में अब भी अपनी व्यक्तिगत योजनाएं छिपानी पड़ती हैं। यह बताता है कि अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। इन्फो एज इंडिया 'नौकरी डॉट कॉम', 'जीवनसाथी डॉट कॉम' और '99एकड़ डॉट कॉम' की मूल कंपनी है।

सेमीकंडक्टर डिजाइन के लिए चार साल में 85,000 इंजीनियर तैयार

नयी दिल्ली,एजेंसी

भारत ने सेमीकंडक्टर डिजाइन के काम के लिए चार वर्ष में 85000 से अधिक इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया है। रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। कहा कि यह उपलब्धि इस उद्योग के लिए कुशल मानव संसाधन की आपूर्ति के 10 वर्षीय लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति है।

देश के 315 शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन, ऑटोमेशन के डिजाइन के लिए जरूरी टूल उपलब्ध कराये गये हैं। भारत में इस क्षेत्र में आने वाले समय में लगभग 20 लाख कुशल पेशेवरों की मांग उत्पन्न होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह प्रगति भारत सरकार की प्रतिभा विकास को प्राथमिकता देने वाली पहल के तहत प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन और कार्यबल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से हासिल की गई है, जो भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के चिप्स टू स्टार्टअप्स (सी2एस) कार्यक्रम का हिस्सा है।

विज्ञप्ति में श्री वैष्णव के हवाले से कहा गया है कि प्रशिक्षण के लिए देश के 315 शैक्षणिक संस्थानों में सिनॉप्सिस, कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स, सीमेंस, रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स, एनसिस और एडवांस माइक्रो डिवाइसेस (एएमडी) द्वारा समर्थित विश्व-स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) के लिए जरूरी टूल उपलब्ध कराए गए हैं। इनसे छात्र सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं।

इन चिप्स का निर्माण और परीक्षण सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी (एससीएल) मोहाली में किया जा रहा है, जिससे छात्रों को डिजाइन से लेकर फेब्रिकेशन, पैकेजिंग और टेस्टिंग तक पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की यह पहल अब दुनिया का सबसे बड़ा ओपन-एक्सेस ईडीए प्रोग्राम बन चुकी है।

निष्पक्ष मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला केरल का चुनाव बनेगा वैश्विक मॉडल: सीईसी

कोच्चि, एजेंसी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को कहा कि निष्पक्ष मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) स्पष्ट उद्देश्य से किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र मतदाता मतदान से वंचित न रह जाए। उन्होंने यहां आगामी केरल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि लोकतंत्र राज्य के लिए नया नहीं है और केरल ने देश के कई हिस्सों को लोकतांत्रिक तौर-तरीके सिखाए हैं।

कुमार ने राज्य से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि केरल 18 वर्षों तक उनका कार्यस्थल रहा है और लगभग 22 वर्ष पूर्व उन्होंने एर्नाकुलम जिलाधिकारी के रूप में कार्य किया था। उन्होंने कहा कि केरल में आगामी विधानसभा चुनाव वैश्विक स्तर पर एक मिसाल कायम करेंगे और उन्होंने आशा जताई कि मतदाता ''लोकतंत्र के इस उत्सव'' में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। केरल में विधानसभा की 140 सीट हैं, जिनमें 124 सामान्य, 14 अनुसूचित जाति के लिए और दो अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित हैं। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, 2026 को समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा, "निष्पक्ष मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। हाल ही में किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का एक ही स्पष्ट उद्देश्य था, यह सुनिश्चित करना कि कोई भी पात्र मतदाता बाहर न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति शामिल न हो।"

- एसआईआर का स्पष्ट उद्देश्य था कि कोई भी पात्र मतदाता वंचित न रहे और अपात्र शामिल न हो सके

भारत में कानूनी सुरक्षा मजबूत, पर सामाजिक बेड़ियां अब भी चुनौती

महिला अधिकारों की वैश्विक दौड़

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर जारी नवीनतम वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, भारत में महिलाओं के अधिकारों की स्थिति एक दोहरे मोड़ पर खड़ी है। एक ओर जहाँ भारत ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और 'मिशन शक्ति' जैसी योजनाओं के माध्यम से कानूनी और नीतिगत ढांचा मजबूत किया है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक सूचकांकों में भारत की रैंकिंग अब भी कई पड़ोसी देशों से पीछे है।

ग्लोबल इंडेक्स में भारत की स्थिति

विश्व आर्थिक मंच (WEF) की 'ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025' के अनुसार, भारत 148 देशों की सूची में 131वें स्थान पर खिसक गया है। भारत का कुल जेंडर पैरिटी स्कोर 64.1% दर्ज किया गया है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश (24वीं रैंक), नेपाल (125वीं) और श्रीलंका (130वीं) जैसे देश भारत से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि पाकिस्तान (148वीं) इस सूची में सबसे निचले पायदान पर है।

आर्थिक और राजनीतिक भागीदारी की चुनौती

रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने शिक्षा नामांकन में तो अच्छा सुधार किया है, लेकिन कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी अब भी चिंता का विषय है। भारत में महिला श्रम शक्ति भागीदारी (LFPR) 2025 में बढ़कर 35.3% हुई है, लेकिन पुरुषों (70%+) की तुलना में यह अब भी काफी कम है। राजनीतिक क्षेत्र में भी, संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व वर्तमान में लगभग 14% के करीब है, जिसे सुधारने के लिए 33% आरक्षण कानून के क्रियान्वयन का इंतजार है।

उप्र : तीन वर्षों में 12% की रिकॉर्ड वृद्धि

उत्तर प्रदेश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी (LFPR) में पिछले तीन वर्षों में 12% की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, जो अब लगभग 32% के करीब पहुंच गई है। हालांकि, यह अभी भी महाराष्ट्र (40%) और तमिलनाडु (45%) जैसे औद्योगिक राज्यों से पीछे है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूपी में महिलाओं की भागीदारी मुख्य रूप से कृषि और सूक्ष्म उद्योगों (MSME) में बढ़ी है।

कानूनी अधिकार बनाम जमीनी हकीकत

विश्व बैंक की 'विमेन, बिजनेस एंड द लॉ' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास पुरुषों को प्राप्त आर्थिक अधिकारों का लगभग 74.4% हिस्सा है। भारत में संपत्ति के अधिकार और मातृत्व लाभ जैसे कानून कई विकसित देशों से भी बेहतर हैं, लेकिन सामाजिक मानदंड और जागरूकता की कमी के कारण ये अधिकार पूरी तरह जमीन पर नहीं उतर पा रहे हैं।

भविष्य की राह: 'डिजिटल और आर्थिक सुरक्षा'

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत महिला श्रम शक्ति भागीदारी को 50% तक ले जाता है, तो जीडीपी विकास दर में 1% की वृद्धि हो सकती है। 2026 के लिए 'राइट्स, जस्टिस एंड एक्शन' की थीम के साथ भारत अब 'महिला-नेतृत्व वाले विकास' पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान के युद्ध क्षेत्र से 1800 लोग सुरक्षित अजरबैजान पहुंचे

बाकू। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के भीषण हमलों के बीच अजरबैजान ने एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए अब तक 1,800 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। अजरबैजान की स्टेट बॉर्डर सर्विस के अनुसार, इन शरणार्थियों में 282 रूसी नागरिक भी शामिल हैं। यह निकासी अभियान 'अस्त्रा' बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए चलाया जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 28 फरवरी से शुरू हुआ यह सिलसिला शनिवार दोपहर तक जारी रहा। युद्ध की विभीषिका को देखते हुए सीमा पार करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अजरबैजान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह मानवीय आधार पर अन्य विदेशी नागरिकों को भी सुरक्षित रास्ता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीला सागर विवाद: चीन ने ऑस्ट्रेलिया के आरोपों को नकारा

बीजिंग। चीन ने पीला सागर के ऊपर सैन्य विमानों के बीच हुई कथित मुठभेड़ को लेकर ऑस्ट्रेलिया द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बीजिंग ने ऑस्ट्रेलियाई पक्ष पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। चीनी अधिकारियों का कहना है कि उनके पायलटों ने अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत ही कार्रवाई की थी। यह विवाद तब बढ़ा जब ऑस्ट्रेलिया ने दावा किया कि चीनी लड़ाकू विमानों ने उसके हेलीकॉप्टर के मार्ग में असुरक्षित तरीके से बाधा डाली थी।

नेपाल में बालेंद्र सरकार बनना तय शाह ने पीएम ओली को हराया

आरएसपी ने 87 घोषित परिणामों में से काठमांडू की सभी 10 समेत 70 सीटें जीती, 52 पर आगे

काठमांडू, एजेंसी

आरएसपी के बालेंद्र शाह ने शनिवार को चार बार के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को 50,000 मतों के भारी अंतर से हराकर नेपाल में अगली सरकार बनाने की राह पर कदम बढ़ा दिया है। पिछले साल पीढ़ीगत बदलाव और भ्रष्टाचार मुक्त शासन की मांग को लेकर हुए हिंसक 'जेन जेड' प्रदर्शनों के बाद हुए पहले आम चुनाव में बालेंद्र शाह की अगुवाई वाली आरएसपी ने पारंपरिक राजनीतिक दलों को करारा झटका दिया।

रैपर से राजनीतिक नेता बने बालेंद्र शाह 'बालेन', जो राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, ने झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) - सीपीएन-यूएमएल - के अध्यक्ष ओली को लगभग 50 हजार मतों के भारी अंतर से हरा दिया। निर्वाचन आयोग ने बताया कि 35 वर्षीय बालेन ने 74 वर्षीय ओली के 18,734 वोट के मुकाबले 68,348 वोट हासिल किए। रात साढ़े आठ बजे तक घोषित परिणामों के अनुसार, रवि लामिछाने द्वारा 2022 में गठित आरएसपी ने अब तक घोषित 87 सीटों के परिणाम में 70 सीट पर जीत दर्ज की है।

अपनी जीत का प्रमाण पत्र हासिल करते राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बालेंद्र शाह।

- प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई, 'एक्स' पर कहा- भारत नेपाल के साथ मिलकर नई ऊंचाईयों को छूने के लिए दृढ़ संकल्पित

बता दें कि 275 सदस्यीय संसद में 165 सदस्यों का प्रत्यक्ष मतदान से चुनाव होगा जबकि शेष 110 सीटों पर चुनाव आनुपातिक विधि के माध्यम से किया जाएगा। प्रत्यक्ष मतदान के तहत 165 सीटों के लिए लगभग 3,400 उम्मीदवार और आनुपातिक मतदान के माध्यम से 110 सीटों के लिए 3,135 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

चुनाव निकाय के आंकड़ों में कहा गया कि आरएसपी ने काठमांडू जिले की सभी 10 सीट जीतकर सूपड़ा-साफ कर दिया। साथ ही वह देश भर में 52 सीटों पर आगे है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, नेपाली कांग्रेस (एनसी) ने दस सीट जीतीं और नौ सीटों पर आगे है। सीपीएन (यूएमएल) ने सिर्फ तीन सीट जीतीं और आठ सीट पर आगे है। इसके आलावा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) ने दो सीट जीतीं और पांच सीटों पर आगे है। वहीं, श्रम शक्ति पार्टी तीन सीट पर आगे है और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक सीट जीती है। जीतने वालों में एक निर्दलीय प्रत्याशी है।

नेपाल में 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में लगभग 60 प्रतिशत मतदान हुआ था। मतों की गिनती बृहस्पतिवार देर रात शुरू हुई और शनिवार शाम 5 बजे तक 162 निर्वाचन क्षेत्रों में गिनती जारी थी। भारत इस चुनाव पर बारीकी से नजर रख रहा था, जो राजनीतिक रूप से अस्थिर हिमालयी देश में एक स्थिर सरकार की उम्मीद कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नेपाल की जनता और सरकार को चुनावों के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा-अपने नेपाली बहनों और भाइयों को इतने जोश के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते देखना बेहद खुशी की बात है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा में एक गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने यह भी कहा कि एक घनिष्ठ मित्र और पड़ोसी के रूप में, भारत नेपाल के लोगों तथा उसकी नयी सरकार के साथ मिलकर शांति, प्रगति और समृद्धि की नयी ऊंचाइयों को छूने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

इस बीच, ओली ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'बालेन बाबू, जीत के लिए बधाई।' नेपाल पिछले 18 साल में 14 सरकार देख चुका है। ओली ने बालेन को बधाई देते हुए कहा, 'मैं कामना करता हूं कि आपका पांच साल का कार्यकाल निर्बाध, सफल हो और हार्दिक बधाई हो।'

अमेरिकी नेताओं की हत्या की साजिश में पाकिस्तानी दोषी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में शीर्ष राजनीतिक नेताओं की हत्या की साजिश रचने के मामले में पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट (47) को दोषी ठहराया गया है। मर्चेंट पर आरोप था कि उसने 2024 में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई बड़े नेताओं को निशाना बनाने के लिए सुपारी किलर नियुक्त करने की कोशिश की थी। अमेरिकी जांच एजेंसियों के अनुसार, मर्चेंट के संबंध ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर से भी रहे हैं। अभियोजन पक्ष ने अदालत में बताया कि मर्चेंट ने अमेरिका में हिटमैन की तलाश की थी, जो वास्तव में एफबीआई के गुप्त एजेंट थे। इस गिरफ्तारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैला दी थी, क्योंकि इसमें सीधे तौर पर विदेशी संपर्कों और राजनीतिक हत्या की साजिश का खुलासा हुआ है।

- मर्चेंट ने डोनाल्ड ट्रंप सहित कई बड़े नेताओं के लिए सुपारी देने की कोशिश की थी

यूपीएससी की 301वीं रैंक पर 'दो आकांक्षा, एक रोल नंबर से उलझा मामला

पटना। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणाम घोषित होने के साथ ही एक अभूतपूर्व विवाद खड़ा हो गया है। मामला 301वीं रैंक को लेकर है, जिस पर दो अलग-अलग राज्यों की महिला उम्मीदवारों ने अपना दावा ठोक दिया है। हैरानी की बात यह है कि दोनों का नाम आकांक्षा सिंह है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दस्तावेजों में उनके अनुक्रमांक भी एक ही दिखाई दे रहे हैं।

दादाजी का सपना पूरा किया : विवाद की एक धुरी बिहार के आरा की आकांक्षा सिंह हैं। वह प्रतिबंधित 'रणवीर सेना' के संस्थापक ब्रह्मेश्वर सिंह 'मुखिया' की पोती हैं। शुक्रवार को उन्होंने दावा किया कि उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में यह सफलता पाई है। आकांक्षा ने कहा कि यह मेरे दादाजी का सपना था। तैयारी के दौरान मैंने रोजाना 8 से 10 घंटे पढ़ाई की। बिहार के गलियारों में उनकी सफलता की खबरें तेजी से फैलीं, लेकिन जल्द ही इस पर संशय के बादल मंडराने लगे।

- ब्रह्मेश्वर मुखिया की पोती और गाजीपुर की उम्मीदवार के बीच ठनी; सोशल मीडिया पर एडमिट कार्ड वायरल

मेरी पहचान का गलत इस्तेमाल हुआ : दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश के गाजीपुर की रहने वाली आकांक्षा सिंह ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने फेसबुक पर अपना असली पहचान पत्र और इंटरव्यू का ई-समन साझा करते हुए आरोप लगाया कि उनकी रैंक और पहचान का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। गाजीपुर की आकांक्षा के दस्तावेजों में नाम और अनुक्रमांक तो वही है जो बिहार की आकांक्षा के बताए जा रहे हैं, लेकिन दोनों के पिता के नाम अलग-अलग हैं।

अमेरिका परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने की फिराक में : रूस

मॉस्को। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने अमेरिका की परमाणु नीतियों पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका रणनीतिक हथियारों के मामले में किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण से पूरी तरह स्वतंत्र रहना चाहता है और भविष्य में अपने परमाणु शस्त्रागार को तेजी से बढ़ाने का विकल्प खुला रख रहा है। रयाबकोव ने मॉस्को में मीडिया से बात करते हुए कहा कि वाशिंगटन की मंशा अब किसी भी द्विपक्षीय या अंतरराष्ट्रीय संधि के दायरे में रहने की नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसी परिस्थितियां पैदा कर रहा है जिससे वह अपनी मर्जी से परमाणु क्षमता का विस्तार कर सके। रूस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों महाशक्तियों के बीच 'न्यू स्टार्ट' जैसी महत्वपूर्ण परमाणु संधियां पहले ही खतरे में हैं।

अमेरिका से व्यापार समझौता देश के साथ विश्वासघात : राहुल गांधी

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर देश के साथ विश्वासघात किया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि इस समझौते के परिणाम भारत के मध्यम और निम्न वर्ग के लिए विनाशकारी होंगे।

केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन के नेतृत्व में निकाली गई राज्यव्यापी 'पुथुयुग यात्रा' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि यह समझौता सीधे तौर पर भारत के कृषि क्षेत्र और लघु उद्योगों पर चोट करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को निराश किया है। इस व्यापार समझौते से हमारे किसानों और छोटे व्यवसायों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा, जबकि इसका लाभ केवल चुनिंदा बड़े कॉरपोरेट्स को मिलेगा। केरल में कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखी जा रही इस यात्रा के समापन पर राहुल ने केंद्र सरकार की विदेश और आर्थिक नीतियों को जनविरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेशी दौरों और समझौतों के जरिए देश के भविष्य को गिरवी रख रहे हैं। इससे यहां की जनता को बड़ा नुकसान होने जा रहा है।

- समझौता सीधे तौर पर कृषि क्षेत्र और लघु उद्योगों पर चोट करेगा

ईरान में नए सुप्रीम लीडर की तलाश तेज, दिग्गज धर्मगुरुओं ने की जल्द चयन की मांग

तेहरान, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के निधन के ठीक एक सप्ताह बाद, देश की धार्मिक और राजनीतिक व्यवस्था में नए उत्तराधिकारी को लेकर हलचल तेज हो गई है। शनिवार को ईरान के कई शीर्ष धर्मगुरुओं ने एकजुट होकर मांग की है कि देश की स्थिरता के लिए जल्द से जल्द नए 'सुप्रीम लीडर का चुनाव किया जाए।

वरिष्ठ शिया धर्मगुरु आयतुल्ला नासिर मकारेम शिराजी ने शनिवार को एक विशेष बयान जारी कर असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स (विशेषज्ञों की परिषद) से इस मामले में तुरंत कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया को समय पर पूरा करना बेहद जरूरी है। शिराजी के अनुसार, नए नेता का चयन जल्द होने से न केवल देश की शासन व्यवस्था बेहतर ढंग से चलेगी, बल्कि ईरान की राष्ट्रीय एकता भी और अधिक मजबूत होगी। ईरान की राजनीतिक व्यवस्था में 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' सबसे शक्तिशाली संस्थाओं में से एक है। इसमें 88 धार्मिक विद्वान शामिल होते हैं, जिनका काम सर्वोच्च नेता का चयन करना, उनकी निगरानी करना और जरूरत पड़ने पर उन्हें पद से हटाना होता है।

- खामेनेई की मौत के बाद बढ़ी हलचल, असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स से प्रक्रिया तेज करने की अपील

क्यों महत्वपूर्ण है यह चयन? : ईरान इस समय क्षेत्र में भारी तनाव और आंतरिक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में सर्वोच्च नेता का पद खाली रहना देश के लिए जोखिम भरा हो सकता है।

कौन होगा ईरान का अगला सुप्रीम लीडर

ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' के सामने नए सर्वोच्च नेता का चयन एक बड़ी चुनौती है। राजनीतिक गलियारों में इन तीन नामों की सबसे अधिक चर्चा है:

मोजतबा खामेनेई : आयतुल्ला अली खामेनेई के दूसरे बेटे। इनका प्रभाव सुरक्षा बलों और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स पर बहुत मजबूत माना जाता है। हालांकि, वंशवाद के आरोपों से बचने के लिए परिषद हिचकिचा सकती है।

अलीरेज़ा अराफी : एक बेहद प्रभावशाली धर्मगुरु और ईरान के मदरसा केंद्रों के प्रमुख। इन्हें रूढ़िवादी गुटों का समर्थन प्राप्त है और वे शासन व्यवस्था में गहरे पैठ रखते हैं।

हसन रूहानी : पूर्व राष्ट्रपति। हालांकि वे उदारवादी माने जाते हैं, लेकिन परिषद के भीतर उनकी वरिष्ठता उन्हें एक संभावित उम्मीदवार बनाती है।

तेलंगाना में 130 माओवादियों ने मुख्यमंत्री के सामने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। तेलंगाना में नक्सली आंदोलन को एक बड़ी चोट पहुँचाते हुए शनिवार को 100 से अधिक नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में कुल 130 माओवादियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। इसे नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने पुलिस को 124 आधुनिक हथियार सौंपे। जब्त किए गए हथियारों में एक इनसास एलएमजी, 31 एके-47 राइफल, 21 इनसास राइफल, 20 एसएलआर, 18 .303 राइफल और 33 अन्य घातक हथियार शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने हथियार डालने वालों का स्वागत किया और उन्हें सरकार की पुनर्वास नीति के तहत मुख्यधारा से जोड़ने का भरोसा दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादी संगठन के कई बड़े चेहरे शामिल हैं। इनमें तीन राज्य समिति सदस्य, 10 संभागीय समिति सदस्य, 46 क्षेत्रीय समिति सदस्य और 70 सक्रिय पार्टी सदस्य शामिल हैं। इतनी बड़ी संख्या में शीर्ष कैडर का आत्मसमर्पण संगठन की टूटती कमर को दर्शाता है।

- नक्सलियों ने पुलिस को 124 आधुनिक हथियार सौंपे

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज आप कहीं घूमने जा सकते हैं। होटल व्यापारियों की आमदनी में वृद्धि होगी। व्यवसाय में नए अनुबंधों हो सकते हैं।

वृष आज का दिन रिटेल व्यवसायियों के लिए शुभ है। अपनी प्रतिभा पर विश्वास बनाए रखें। राजनीति से जुड़े मामलों में रुचि ले सकते हैं।

मिथुन आज दोपहर के बाद आपके काम बनते हुए प्रतीत होंगे। रुका हुआ कमीशन प्राप्त होने वाला है। पैतृक कारोबार में उन्नति होगी।

कर्क आज कोई भी निर्णय अकेले लेने से बचें। नए काम में कुछ बाधाएं लगी रहेंगी। अपनी उन्नति से संतुष्ट नहीं रहेंगे।

सिंह आज भावनात्मक रूप से मजबूत रहेंगे। घर में बिन बुलाए मेहमान आ सकते हैं। आपको रिश्तेदारों से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कन्या आज निजी संबंधों में कटुता बढ़ सकती है। किसी परिचित व्यक्ति से धोखा मिल सकता है। घरेलू सामान खरीद सकते हैं।

तुला आज परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बुद्धिमान मनुष्यों की संगत प्राप्त होगी। बहुमूल्य उपहार आपको प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक आज चुनौतियों का सामना डटकर करें। व्यावसायिक योजनाओं में थोड़ा धीमापन हो सकता है। देवी की उपासना करने से मन शांत होगा।

धनु आज नया वाहन खरीद सकते हैं। आपके संपर्क दायरे में बढ़ोतरी होगी। घर में धार्मिक वातावरण रहेगा।

मकर आज आपको उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। समाज में आपकी छवि काफी अच्छी रहेगी। पति-पत्नी एक दूसरे का काफी ध्यान रखेंगे।

कुंभ आज नई तकनीक के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। पिता के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे।

मीन आज व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वियों से परेशान रहेंगे। कार्यों को लेकर दूसरों पर निर्भर न रहें। प्रेम-संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहेंगे।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

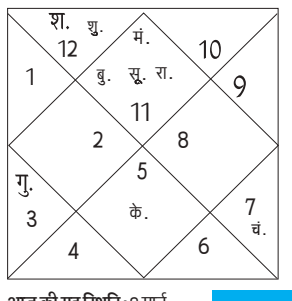

आज की ग्रह स्थिति : 8 मार्च, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 21.10 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत। **चन्द्रबल**- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर। **ताराबल**-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। **नक्षत्र**-स्वाती 13.31 तक तत्पश्चात विशाखा।

सुडोकू - 81 का हल

2	6	7	8	3	1	4	9	5
5	3	8	4	7	9	2	6	1
9	1	4	2	5	6	3	8	7
3	9	5	1	8	2	6	7	4
4	2	1	6	9	7	5	3	8
8	7	6	3	4	5	1	2	9
6	8	2	7	1	4	9	5	3
1	5	3	9	6	8	7	4	2
7	4	9	5	2	3	8	1	6

सुडोकू -82

			4		9	5		
5								2
	6		5		1		3	
	3			5		4		7
	1						9	
7		8		3			5	
	5	2	3		8			
3					5			8
		4	7		6			

संदेश | अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने कहा- महिलाएं हमारे समाज और राष्ट्र की नींव

शिक्षित और सशक्त महिलाएं राष्ट्र निर्माण में दें योगदान : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं एक समृद्ध और प्रगतिशील राष्ट्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

शनिवार को जारी एक संदेश में राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि महिलाएं हमारे समाज और राष्ट्र की नींव हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं ने शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन किया है।

शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त महिलाओं के एक समृद्ध और प्रगतिशील राष्ट्र में महत्वपूर्ण योगदान देने का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा कि युवा महिलाएं एक नए भारत के सपनों को आकार दे रही हैं, और उन्हें उचित अवसरों, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा, आइए हम सब मिलकर एक ऐसे समाज की दिशा में काम करें जहां महिलाओं को समान अवसर मिलें और वे अपनी क्षमताओं के आधार पर आगे बढ़ सकें और सफलता प्राप्त कर सकें। मुर्मू ने महिला दिवस के सफल आयोजन और सभी महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

महिला दिवस पर ताजमहल समेत संरक्षित स्मारकों में प्रवेश नि:शुल्क

आगरा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुरातत्व विभाग ने पर्यटकों को विशेष तोहफा दिया है। रविवार को ताजमहल सहित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित सभी स्मारकों में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। अधिकारियों के अनुसार देशी और विदेशी पर्यटक रविवार को ताजमहल में बिना प्रवेश शुल्क के जा सकेंगे। हालांकि मुख्य मकबरे में प्रवेश के लिए निर्धारित टिकट लेना होगा। ताजमहल के अलावा फतेहपुर सीकरी, सिकंदरा स्मारक और आगरा किला सहित एएसआई के सभी संरक्षित स्मारकों में भी प्रवेश मुफ्त रहेगा। ताजमहल में पर्यटकों का प्रवेश सूर्योदय से लगभग 30 मिनट पहले शुरू हो जाता है और सूर्यास्त से करीब 30 मिनट पहले पर्यटकों को बाहर निकलना होता है। महिला दिवस के अवसर पर प्रवेश नि:शुल्क होने के कारण रविवार को ताजमहल और अन्य ऐतिहासिक स्थलों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना जताई जा रही है।

बादशाह के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू

चंडीगढ़,एजेंसी। रैपर-संगीतकार बादशाह के हाल ही में रिलीज हुए हरियाणवी गाने 'टटीरी' में कथित आपत्तिजनक बोल और दृश्यों को लेकर मामला दर्ज किये जाने के एक दिन बाद पुलिस ने संगीतकार (बादशाह) को देश छोड़कर जाने से रोकने के लिए उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बीच, बादशाह ने 'इंस्टाग्राम' पर एक वीडियो साझा कर अपने नये गाने से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचने के लिए माफी मांगी। पंचकूला पुलिस ने बादशाह को तत्काल पेश होने को लेकर औपचारिक नोटिस जारी किया है।

रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टी20 विश्व कप के पिछले दो मैचों में बहुत फुल लेंथ या बहुत शॉर्ट लेंथ गेंद करने की कीमत चुकानी पड़ी है। मुझे लगता है उनका मजबूत पक्ष उस मुश्किल लेंथ पर गेंदबाजी करना है जो किसी स्पिनर के लिए अनुकूल होती है।

-पीयूष चावला

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 8 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लक्ष्य सेन ने लाई को हराकर फाइनल में प्रवेश किया

बर्मिंघम। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने पैर में दर्दनाक छाले और मांसपेशियों में खिंचाव से जूझते हुए शनिवार को यहां कनाडा के विक्टर लाई को हराकर ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई। अब वह इस बड़े खिताब के लिए भारत का 25 साल का इंतजार खत्म करने से महज एक जीत दूर हैं। यह मैच लक्ष्य के करियर के सबसे अच्छे मुकाबलों में से एक साबित हुआ। उन्होंने एक घंटे 37 मिनट तक चले संघर्ष में 21 साल के लाई पर 21-16, 18-21, 21-15 से जीत हासिल की जिन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। लक्ष्य 2022 चरण में उप विजेता रहे थे जिससे यह उनका दूसरा ऑल इंग्लैंड फाइनल होगा। भारत अल्मोड़ा के 24 साल के खिलाड़ी का सामना अब रविवार को फाइनल में दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा।

रोनाल्डो की चोट गंभीर, खेलना संदिग्ध

रियाद। अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है। यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नासर की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है। उन्होंने कहा उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे।

भारत के पास इतिहास रचने का तिहरा मौका

टी-20 विश्व कप की खिताबी टक्कर आज : न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती से पाना होगा पार

अहमदाबाद, एजेंसी

बेहद प्रतिभाशाली और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम के पास लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का ख़िताब अपने नाम करने का मौक़ा है। अगर भारत यह कारनामा करने में सफल हो जाता है तो भारत टी20 विश्व कप के इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली टीम होगा। भारत के पास यह सुनहरा मौका घर पर है जहां दो वर्ष पहले ही भारत एक अन्य विश्व कप ख़िताब अपने नाम करने से चूक गया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले फाइनल में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत को 19 नवंबर 2023 को बड़ा झटका लगा था जब वह ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप का फाइनल हार गया था। तब भारत ने भावुक नम आंखों वाले रोहित शर्मा को ड्रेसिंग रूम की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए देखा था। केवल भारतीय टीम ही नहीं बल्कि स्टेडियम में मौजूद 93000 दर्शक भी सन्न रह गए थे। भारत ने हालांकि 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी-20 विश्व कप जीतकर इसकी काफी हद तक भरपाई कर दी थी।

अब खेल के सबसे छोटे प्रारूप की भारतीय टीम सूर्यकुमार की कप्तानी में खिताब का बचाव करने और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को तीन बार जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश करेगी। एक कुशल बल्लेबाज और चतुर कप्तान सूर्यकुमार न केवल कप्तान के रूप में अपनी खुद की विरासत बनाने के लिए उत्सुक होंगे, बल्कि वह 19 नवंबर 2023 की पीड़ा को भी खत्म करना चाहेंगे। सूर्यकुमार और उनके साथी ठीक 364 दिन पहले नौ मार्च, 2025 को भारत की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड की लगभग इसी टीम के खिलाफ मिली जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे। भले ही वह टूर्नामेंट 50 ओवर का था। सूर्यकुमार उस टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन दुबई में मिली उस एकतरफा जीत से उन्हें हौसला मिल सकता है।

फाइनल जीतने के लिए साहस के अलावा किस्मत का साथ भी जरूरी होता है। खेल एकदम 'परफेक्ट' होना जरूरी नहीं है, लेकिन सही समय पर सही चीजें होनी चाहिए। मौजूदा टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत की जीत तब लगभग तय हो गई थी जब हैरी ब्रूक ने संजू सैमसन का कैच छोड़ दिया था। भारत रविवार को न्यूजीलैंड की ऐसी किसी भी गलती का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। भारत को अब तक इस टूर्नामेंट में किस्मत का साथ मिला है। अगर वह खिताब जीत जाता है तो उन्हें सराहना मिलेगी लेकिन अगर हार जाते हैं तो फिर बहुत बड़ा बवाल मच सकता है।

सूर्यकुमार ने पिछले दो वर्षों में टीम का बहुत अच्छी तरह से नेतृत्व किया है, भले ही एक बल्लेबाज के रूप में वह उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाए। रविवार का दिन उनके करियर के लिए निर्णायक क्षण होगा। अगर उनकी टीम खुशगवार मौसम में अच्छा प्रदर्शन करती है तो उनकी सारी नाकामियां पल भर में भुला दी जाएंगी। लेकिन भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि किसी भी दिन फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन या मैट हेनरी जैसे खिलाड़ी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करना जानते हैं। मिचेल सैंटनर या ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ी जानते हैं कि एक मजबूत टीम के खिलाफ किस तरह से चुनौती का सामना करना होता है। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा अहमदाबाद का सरदार होगा। इस सरदार का नाम जसप्रीत बुमराह है। फाइनल में बुमराह के चार ओवर फिर दोनों टीमों के बीच निर्णायक साबित हो सकते हैं।

अभिषेक-वरुण की जगह रिंकू-कुलदीप के खुल सकते दरवाजे

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव और टीम मैनेजमेंट फाइनल से पहले कुछ बड़े तकनीकी बदलाव कर सकते हैं। एक विकल्प अभिषेक शर्मा की जगह रिंकू सिंह को शामिल करना हो सकता है। अभिषेक ने टी-20 क्रिकेट में एक जबरदस्त ओपनर के तौर पर नाम कमाया है, लेकिन टूर्नामेंट में उनका फॉर्म खराब रहा है। उनके हालिया प्रदर्शन में वेस्ट इंडीज के खिलाफ 11 गेंदों में 10 और ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 गेंदों में 30 रन शामिल हैं, जिससे उनके सात मैचों में 12.71 की औसत से सिर्फ 89 रन बने हैं। इस तरह के कंसिस्टेंसी की वजह से थिंक टैंक रिंकू सिंह को लाने के लिए ललचा सकता है, जो एक फिनिशर हैं और डेथ ओवर्स में तेजी से रन बनाने में काबिल हैं। रिंकू ने 45 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 39.12 के एवरेज और 155.74 के स्ट्राइक रेट से 665 रन बनाए हैं, और मैच जिताने वाले कैमियो के लिए उनकी रेप्युटेशन जिसमें आईपीएल में एक ओवर में पांच छक्के भी शामिल है।

न्यूजीलैंड के पेस अटैक के खिलाफ भारत के मध्यम क्रम को मजबूत कर सकती है। एक और मुमकिन बदलाव स्पिन विभाग में हो सकता है। वरुण चक्रवर्ती, भारत के विकेट चार्ट में सबसे आगे रहने के बावजूद, टूर्नामेंट के आखिरी स्टेज में कंट्रोल के लिए स्ट्रगल करते रहे हैं और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 64 रन देकर मुश्किल प्रदर्शन किया था। इससे कुलदीप यादव के लिए दरवाजा खुल सकता है, जिनका अंतरराष्ट्रीय टी-20 में रिकॉर्ड 54 मैचों में 6.95 के शानदार इकॉनमी रेट के साथ 95 विकेट है। बाएं हाथ के बल्लेबाजों को परेशान करने और टर्निंग कंडीशन का फायदा उठाने की कुलदीप की काबिलियत अहमदाबाद की पिच पर एलन जैसे न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ फायदेमंद साबित हो सकती है।अगर भारत ये बदलाव करने का फैसला करता है, तो इस कदम से टीम में ज्यादा बैलेंस आ सकता है, जिसमें पावर-हिटिंग के साथ टाइट बॉलिंग कंट्रोल का मेल होगा।

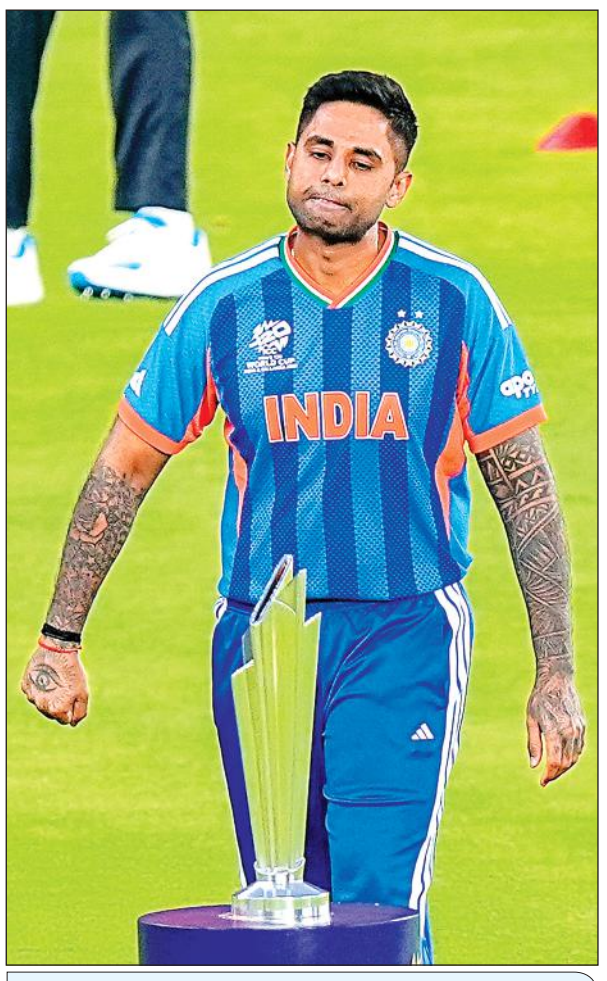

आंकड़ों पर एक नजर

- पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार टूर्नामेंट (2023 वनडे विश्व कप, 2024 टी20 विश्व कप, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी, 2026 टी20 विश्व कप) के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत फाइनल में न्यूजीलैंड को हरा देता है तो यह उसकी पिछले तीन साल में तीसरी जीत होगी।
- न्यूजीलैंड पिछले 11 वर्षों में पांच बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है लेकिन उसे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा।
- न्यूजीलैंड 2019 के वनडे विश्व कप, 2021 के टी20 विश्व कप और 2025 के चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा लेकिन तीनों मौकों पर उसे हार का सामना करना पड़ा।
- न्यूजीलैंड 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जीतने के बाद से अब तक आठ आईसीसी फाइनल खेले हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ एक (2021 में भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल) ही जीत सका है।
- न्यूजीलैंड ने पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम के खिलाफ, ऐसा चेज किया जिसने पूरे टूर्नामेंट में तहलका मचा दिया। स्कोर बोर्ड पर 169 रन थे।फिन एलन ने गेम को हाइलाइट रील बना दिया। केवल 33 गेंदों पर हैरान कर देने वाले 100 रन प्योर पावर, क्लीन स्ट्राइकिंग, निडर क्रिकेट।

खिलाड़ियों को अपने मुताबिक खेलने की आजादी : सूर्यकुमार

कप्तान सूर्यकुमार यादव को नेतृत्व संभालने के करीब छह महीने बाद यह समझ में आ गया कि टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए 'पिता या बड़े भाई जैसी' भूमिका निभाने की कोशिश ज्यादा कारगर नहीं होगी। मुंबई के इस बल्लेबाज ने महसूस किया कि टीम के अंदर खुलकर विचारों का आदान-प्रदान, अभिव्यक्ति की आजादी और हर खिलाड़ी को अपने तरीके से खेलने की स्वतंत्रता देना ही सबसे बेहतर तरीका है। मुख्य कोच गौतम गंभीर मानते है कि इस प्रारूप में सात गेंदों में बनाये 21 रन उतने ही अहम है जितना की शतक। सूर्यकुमार ने गंभीर के सहयोग से तय किया कि वह पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के कदमों पर चलेंगे, पर अपने तरीके से। ड्रेसिंग रूम के माहौल और युवा खिलाड़ियों को दी जाने वाली सलाह के बारे में पूछे जाने पर सूर्यकुमार ने मजाकिया अंदाज में कहा वे मुझे ड्रेसिंग रूम में ज्यादा बोलने ही नहीं देते। वे अपनी शर्तों पर चलते हैं। मैंने देखा है कि जब उन्हें आजादी मिलती है तो उनका व्यक्तित्व अलग नजर आता है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची, काइल जैमीसन, जैकब डफी, डेवोन कॉनवे, जिमी नीशम, इश सोढ़ी।

टी-20 विश्व कप विजेता की सूची

वर्ष	विजेता	उप-विजेता	मेजबान
2024	भारत	दक्षिण अफ्रीका	वेस्टइंडीज/यूएसए
2022	इंग्लैंड	पाकिस्तान	ऑस्ट्रेलिया
2021	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड	यूएई/ओमान
2016	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड	भारत
2014	श्रीलंका	भारत	बांग्लादेश
2012	वेस्टइंडीज	श्रीलंका	श्रीलंका
2010	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	वेस्टइंडीज
2009	पाकिस्तान	श्रीलंका	इंग्लैंड
2007	भारत	पाकिस्तान	दक्षिण अफ्रीका

अगरकर के तीन साल : आंकड़ों से परे जाकर कड़े फैसले लेने में माहिर

अहमदाबाद। अजीत अगरकर ने जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष का पदभार संभाला, तो परिस्थितियां काफी भिन्न थीं। अगरकर को चेतन शर्मा की जगह पर यह पद सौंपा गया था। शर्मा को एक टीवी चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए पाया गया था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में काफी कठिन और साहसिक फैसले किए गए जिनके अनुकूल परिणाम निकले। चयनकर्ता विकेटकीपर की तरह होता है। अच्छे कैच पर भले ही हल्की-फुल्की तालियां बजें, लेकिन अचानक गेंद छूट जाने पर तीखी आलोचना होगी।

अभ्यास सत्र के दौरान गेंदबाजी करते जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

करोड़ों भारतीयों के तोड़ देंगे दिल : सैंटनर

अहमदाबाद, एजेंसी

माइंडगेम

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि जब दुनिया युद्ध की विभीषिका झेल रही है तब उनकी टीम रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप में करोड़ों भारतीयों के दिल को तोड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

सैंटनर वर्तमान समय के अन्य कप्तानों की तरह जोशीले नहीं हैं और ना ही वह मजाक करते हैं लेकिन उनकी हाजिरजवाबी से दर्शक ठहाके लगा देते हैं। सैंटनर ने कहा हम मैदान पर उतरते हैं और एक टीम के रूप में अपना काम करते हैं। इस बार भी इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। निश्चित रूप से यह एक चुनौती होगी, क्योंकि हर कोई जानता है कि हम शायद जीत के प्रबल दावेदार नहीं हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रॉफी जीतने के लिए कुछ लोगों का दिल तोड़ने में मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा यह कहना आसान है कि यह बस एक और मैच की तरह है लेकिन हर कोई जानता है कि ऐसा नहीं है। इसके लिए आपकी अच्छी रणनीति और तैयारी होनी चाहिए। सैंटनर ने कहा विशेषकर टी20 क्रिकेट में कुछ ही पलों में पासा पलट जाता है।

टीम की हर रणनीतिक चर्चा में बुमराह का नाम आना स्वाभाविक

अहमदाबाद। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने शनिवार को कहा कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल से पहले जसप्रीत बुमराह जैसी काबिलियत वाले गेंदबाज का नाम उनकी टीम की रणनीतिक चर्चाओं में आना स्वाभाविक है। बुमराह इस टी20 विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनके डेथ ओवर के प्रदर्शन को अब तक की यादगार गेंदबाजी में गिना जा रहा है। सैंटनर ने कहा बुमराह, मुझे लगता है कि वह जिस तरह से खेल रहे हैं, उनका नाम हर चर्चा में होना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ उनकी गेंदों को हिट करना काफी मुश्किल लग रहा था। और निश्चित रूप से वह भारत के लिए 'गेम चेंजर' थे। लेकिन सैंटनर ने साथ ही चेतावनी भी दी कि केवल बुमराह पर ध्यान देना मूर्खतापूर्ण होगा क्योंकि कई भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग मैचों में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने कहा हमें पता था कि बुमराह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वह स्पष्ट रूप से एक विश्व-स्तरीय गेंदबाज हैं। लेकिन सिर्फ वह ही नहीं, टीम के हर सदस्य ने अलग समय पर योगदान दिया है। जहां तक वरुण चक्रवर्ती का सवाल है तो उनके लिए यह टूर्नामेंट उनके मानकों के अनुसार खराब रहा है पर फिर भी सैंटनर मानते हैं कि फाइनल में यह गेंदबाज फिर कमाल कर सकता है।

हार की कगार पर भारतीय महिला टीम

पर्थ, एजेंसी

- टेस्ट मैच में सदरलैंड के हरफनमौला प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में

अनुभवी हरफनमौला एनाबेल सदरलैंड ने शतकीय पारी खेलने के बाद दो विकेट भी चटकाए जिससे एकमात्र महिला दिन रात्रि टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर मजबूत पकड़ बना ली। सदरलैंड की 171 गेंदों पर 129 रन की शानदार पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन बनाकर 125 रन की बढ़त हासिल की। सदरलैंड का यह पिछली सात पारियों में चौथा और लगातार तीसरा शतक है।

इसके बाद मेजबान टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक भारत को दूसरी पारी में 105 रन पर छह विकेट चटका दिये। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 20 रन पीछे है और दिन का खेल खत्म होते समय प्रतिका रावल (43) के साथ स्नेह राणा (14) क्रीज पर मौजद है। बल्ले से कमाल करने के बाद सदरलैंड ने हरमनप्रीत कौर (11) और जेमिमा रोड्रिग्स (14) के अहम विकेट चटकाये। सदरलैंड ने पहले बल्ले से भारत पर दबदबा कायम किया। उन्होंने तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ की शॉर्ट-पिच गेंद को विकेटकीपर ऋचा घोष के ऊपर से बाउंड्री लगाकर 133 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। आठ टेस्ट में लगभग 90 की औसत रखने वाली इस दाएं हाथ की बल्लेबाज ने तेज और स्पिन दोनों तरह की गेंदबाजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। दीप्ति शर्मा की स्पिन के खिलाफ उन्होंने कवर और मिड-ऑफ के बीच शानदार ड्राइव लगाए जबकि क्रांति गौड़ की फुल लेंथ गेंद पर बेहतरीन चौका जड़ा।

आईसीसी चार्टर विमानों से रवाना होंगी रुकी हुई टीमें

नई दिल्ली। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में हुए व्यवधान के बाद इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम इस सप्ताहांत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा मुहैया कराई गई चार्टर उड़ानों से भारत से रवाना होंगी। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि बृहस्पतिवार को दूसरे सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली इंग्लैंड टीम के शनिवार शाम को मुंबई से लंदन के लिए सीधी उड़ान से रवाना होने की उम्मीद है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अन्य दो टीमें हैं जो अपना अभियान समाप्त होने के बावजूद अब भी भारत में हैं। वेस्टइंडीज की टीम भारत से पांच विकेट से हारने के बाद टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका का अभियान भी बुधवार को पहले सेमीफाइनल में समाप्त हो गया।

बदलाव रग्बी और फुटबॉल के मिश्रण से गेंद के खेल को कहा जाता है डॉनी बॉल

न्यूजीलैंड ने 'डॉनी बॉल' खेलकर कम किया तनाव

अहमदाबाद, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पारंपरिक 'वार्म-अप एक्सरसाइज' अब लगभग बीते जमाने की बात हो गई है और खिलाड़ी अपने कौशल से जुड़े अभ्यास से पहले फुटबॉल या 'फुट वॉली' जैसे खेल खेलकर खुद को तैयार करते हैं। मेजबान और प्रबल दावेदार भारत के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप फाइनल से पहले न्यूजीलैंड की टीम ने भी नेट सत्र से पहले एक अनोखे और मजेदार खेल के साथ 'वर्म-अप' किया जिसमें राष्ट्रीय खेल रग्बी के साथ फुटबॉल का भी मिश्रण था।

इस खेल का नाम 'डॉनी बॉल' रखा गया है, जो काफी दिलचस्प है। यह नाम टीम के 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग' कोच क्रिस डोनाल्डसन के नाम पर रखा गया है जिन्होंने इसे टीम के खिलाड़ियों के साथ ही शुरू किया था। इस खेल में तीन टीमें होती हैं जिनमें प्रत्येक में पांच-पांच खिलाड़ी रहते हैं। खिलाड़ियों को एक चौकोर क्षेत्र के भीतर रहना होता है। हर टीम के पास एक रग्बी बॉल और एक फुटबॉल होती है। तीनों टीमों से एक-एक खिलाड़ी बारी-बारी से रग्बी बॉल और फुटबॉल को किसी भी दूसरी टीम की ओर किक करता है। अगर कोई खिलाड़ी रग्बी बॉल या फुटबॉल को पकड़ते समय लड़खड़ा जाता है या गेंद गिरा देता है तो उसे मैदान से बाहर जाना पड़ता है। अंत में जिस टीम के सबसे ज्यादा खिलाड़ी मैदान पर बचे रहते हैं, वही विजेता घोषित होती है। न्यूजीलैंड के सपोर्ट स्टाफ के एक सदस्य ने पीटीआई को बताया हां, इसमें रग्बी और फुटबॉल दोनों को बिना लड़खड़ाए सीधे कैच करना होता है। इसे डॉनी बॉल कहा जाता है जो हमारे स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच क्रिस डोनाल्डसन के नाम पर रखा गया है।

न्यूजीलैंड हारा तो उसे 'चोकर' का तमगा दिया जाना चाहिए : स्टेन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन का कहना है कि अगर न्यूजीलैंड रविवार को अहमदाबाद में होने वाले टी-20 विश्व कप के फाइनल में मेजबान भारत को नहीं हरा पाता, तो उसे 'चोकर्स' (अहम मुकाबलों में दबाव की चुनौती से निपटने में नाकाम रहने वाली टीम) का अवांछित तमगा मिलना चाहिए। स्टेन के मुताबिक घरेलू परिस्थितियों में भारत को हराना न्यूजीलैंड के लिए लगभग नामुमकिन होगा।न्यूजीलैंड ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले सेमीफाइनल में खिताब के प्रबल दावेदार और अक्सर चोकर्स कहे जाने वाले दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप इतिहास में दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। भारत ने बृहस्पतिवार को दूसरे सेमीफाइनल में मुंबई में खेले गए बड़े स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को सात रन से हराया। स्टेन ने कहा कि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका की तुलना में ज्यादा बार विश्व कप फाइनल खेले हैं और अगर वह रविवार को भी खिताब जीतने से चूक जाता है, तो चोकर्स का तमगा उसे दे देना चाहिए। स्टेन ने पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स के यूट्यूब चैनल पर उनसे बातचीत में कहा सच कहूं तो हर कोई दक्षिण अफ्रीका को चोकर्सकहता है, लेकिन मैं यह कहूंगा कि न्यूजीलैंड ने भी ज्यादा विश्व कप नहीं जीते हैं और वे हमसे ज्यादा फाइनल खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड के लोग मेरी बातों का बुरा ना माने लेकिन इस बार जीत जाओ। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा नहीं तो मैं आधिकारिक तौर पर यह कार्ड (चोकर्स का तमगा) तुम्हें सौंप दूंगा, अब यह तुम्हारा है। मुझे न्यूजीलैंड पसंद है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे भारत को हरा पाएंगे।